भाद्र मास, कृष्ण पक्ष 20 वर्ष, अंक 252 पृष्ठ 8 मूल्य 1.00

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज से प्रकाशित

www.akhandbharatsandesh.net

नगर संस्करण प्रयागराज सोमवार 06 सितम्बर 2021 विश्व निर्माण एवं मानव विकास को दुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

क्रियायोग संदेश

स्थायी सुख, शान्ति व निर्भय वातावरण के लिए "क्रियायोग अभ्यास करें" सत्य की अनुभूति में सभी प्रकार के क्लेश हमेशा के लिए दूर हो जाते हैं। अध्यात्मिक वैज्ञानिकों ने सिद्ध कर दिया है कि क्रियायोग के द्वारा हम सत्य से जुड़ जाते हैं। ज्ञान, शक्ति, शान्ति, आनन्द, नाम-यश, धन आदि के लिए मनुष्य को दर-दर भटकना पड़ता है, और प्राप्त न होने पर मनुष्य में हिंसक प्रवृत्ति प्रकट होती है। क्रियायोग में भक्ति दृढ़ होने पर ज्ञान, शक्ति, शान्ति,आनन्द, धन आदि सब कुछ स्वयं मनुष्य के पास आ जाते हैं।

क्रियायोग प्राचीनतम् एवं नित्य नवीन पूर्ण विज्ञान है। ईश्वरीय नियमों के अनुसार कलिकाल में क्रियायोग का ज्ञान विलुप्त हो गया। आरोही द्वापर युग के आते ही मृत्युंजय अमर गुरु श्री महावतार बाबा जी द्वारा क्रियायोग को पुनर्जीवित कर पुनः परिष्कृत किया गया। उन्नीसवीं शताब्दी में महावतार बाबाजी ने क्रियायोग को लाहिड़ी महाशय जी के माध्यम से मानवजाति को दिया। क्रियायोग ही सनातन धर्म में वर्णित यज्ञ है। क्रियायोग ही वेदपाठ है। क्रियायोग अभ्यास से मनुष्य को अपने वास्तविक स्वरूप ''अहंब्रह्मास्मि'' की अनुभूति एक ही जन्म में सम्भव है।

स्वामी श्री योगी सत्यम्
क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान
प्रयागराज
10 मिनट का अभ्यास 20 वर्ष का विकास

केरल में कोरोना के बीच निपाह का डर

बच्चे की मौत के बाद 2 और में लक्षण, हाई रिस्क में 20 लोग, इलाके में लॉकडाउन

कोझिकोड (एजेंसी)। कोरोना से जूझ रहे केरल में निपाह वायरस एक नई चुनौती के तौर पर सामने आया है। यहां पर में दो और लोगों में निपाह वायरस के लक्षण पाए गए हैं। यह दो लोग उन 20 लोगों में शामिल हैं, जो निपाह से मृत लड़के के क्लोज कांटैक्ट्स में शामिल हैं। केरल की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने रविवार को इस बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि लड़की मौत निपाह से हुई है। हम हालात पर निगाह बनाए हुए हैं। एनसीडीसी की टीम भी हमसे को-ऑर्डिनेट कर रही है। उन्होंने बताया कि अभी तक 188 कांटैक्ट्स की पहचान की गई है। सर्विलांस टीम ने इसमें से 20 हाई रिस्क कांटैक्ट्स के बारे में पता लगाया है। इनमें से दो हाई रिस्क कैटेगरी में हैं। वहीं मृत लड़के के घर से तीन किलोमीटर के दायरे में लॉकडाउन लगा दिया गया है। उन्होंने बताया कि यह दोनों स्वास्थ्य कर्मचारी हैं। इनमें से एक प्राइवेट अस्पताल में काम करता है, जबकि दूसरा कोझिकोड मेडिकल कॉलेज

का स्टाफ है।

स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने इस मामले को लेकर एक मीटिंग की है। मीटिंग के बाद उन्होंने बताया कि सभी 20 हाई रिस्क् कांटैक्ट्स को शाम तक कोझिकोड मेडिकल कॉलेज में शिफ्ट कर दिया जाएगा। वहीं मृतक के संपर्क में आए अन्य लोगों को आइसोलेशन में रहने की ताकीद की गई है। उन्होंने कहा कि मेडिकल कॉलेज के पे वार्ड को निपाह वार्ड में तब्दील कर दिया गया है। गौरतलब है कि निपाह वायरस से ग्रस्त बच्चे की सुबह मौत हो गई थी। उसका सैंपल नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वीरोलॉजी पुणे भेजा गया था, जहां उसके अंदर वायरस की पुष्टि हुई। बताया गया है कि इससे पहले मृतक कोरोना वायरस से संक्रमित हुआ था। तेज बुखार की शिकायत के बाद पिछले पांच दिन पूर्व इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था। पीड़ित को मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराये जाने के दौरान ही लक्षणों की पहचान नहीं न होने पर उन्होंने कहा कि इस बारे में जानकारी ली जाएगी। उल्लेखनीय है कि केरल में निपाह वायरस का पहला मामला मई 2020 में कोझिकोड के पेरम्बरा में सामने आया था। राज्य में इससे अब तक 23 लोग संक्रमित हो चुके हैं तथा दो लोग अपनी जान गंवा चुके हैं।

यूपी के 29 जिले कोरोना मुक्त, अन्य जिलों में 18 नए मरीज मिले, 31 ठीक हुए

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के 29 जिलों में कोरोना एक्टिव केस शून्य हैं। अलीगढ़, अमेठी, अमरोहा, अयोध्या, बागपत, बलिया, बांदा, बस्ती, भदोही, बिजनौर, चित्रकूट, देवरिया, फतेहपुर, गाजीपुर, गोंडा, हमीरपुर, हरदोई, हाथरस, कौशाम्बी, ललितपुर, महोबा, मथुरा, मीरजापुर, मुजफ्फरनगर, पीलीभीत, रामपुर, शामली, सोनभद्र और सीतापुर में कोविड का एक भी मरीज शेष नहीं है। यह फिलहाल कोविड संक्रमण से मुक्त हैं। यह जानकारी अपर मुख्य सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अमित मोहन प्रसाद ने दी है। उन्होंने बताया कि बीते 24 घंटे में हुई टेस्टिंग में 62 जिलों में संक्रमण का एक भी नया केस नहीं पाया गया।

पीएम मोदी ने डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन को किया याद

युवाओं के विचारों को पोषित करने के लिए शिक्षकों को धन्यवाद दिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। आज शिक्षक दिवस है और भारत में हर साल की तरह इस बार भी 5 सितंबर को पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती पर शिक्षक दिवस मनाया जा रहा है। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज यानी रविवार को शिक्षक समुदाय को बधाई दी और कहा कि यह प्रशंसनीय है कि शिक्षकों ने कैसे नए तरीके खोजे और यह सुनिश्चित किया कि कोरोना वायरस महामारी के दौरान भी छात्रों की शिक्षा जारी रहे।

उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति एस राधाकृष्णन को भी उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि दी। उनकी जयंती को ही शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है। पीएम मोदी ने ट्वीट किया, शिक्षक दिवस पर पूरे शिक्षक जगत को बधाई जिन्होंने हमेशा युवाओं के विचारों को पोषित करने में अहम भूमिका निभायी है। उन्होंने कहा कि यह प्रशंसनीय है कि शिक्षकों ने कैसे नए तरीके खोजे और यह सुनिश्चित किया कि कोरोना वायरस महामारी के दौरान भी छात्रों का शैक्षणिक सफर जारी रहे।

प्रधानमंत्री ने एक अन्य ट्वीट में कहा, मैं डॉ. एस राधाकृष्णन की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि देता हूं और उनकी विशिष्ट विद्वता के साथ ही देश के प्रति योगदान को याद करता हूं। बता दें कि देश के पहले उप-राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन एक मशहूर दार्शनिक और शिक्षाविद थे। उनका जन्म 5 सितम्बर 1888 को तमिलनाडु के तिरुमनी गांव में हुआ था। वह शिक्षा के बड़े पक्षधर रहे। उन्होंने भारतीय संस्कृति का देश-विदेश में प्रचार-प्रसार किया। वहीं, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा ट्वीट कर कहा, महान दार्शनिक व उत?कृष?ट शिक्षक भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ.सर्वपल्ली राधाकृष्णन जी की जयंती पर उन्हें स्मरण कर नमन करता हूं। शिक्षक दिवस पर शिक्षा के प्रकाश से छात्रों का जीवन संवार कर राष्ट्र निर्माण में उल्लेखनीय योगदान देने वाले हमारे परिश्रमी शिक्षकों को सलाम करता हूं।

अखिलेश यादव ने सीएम पर कसा तंज, बोले-योगी को चलाना नहीं आता है इसलिए नहीं दिए लैपटॉप

भदोही (एजेंसी)। यूपी में समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर एक लाख 58 हजार शिक्षामित्रों को समायोजित करने के साथ ही पुरानी पेंशन को बहाल किया जाएगा। कोरोना काल में भाजपा की सरकार ने 1600 शिक्षकों को मौत के मुंह में धकेलने का काम किया। मां गंगा को साफ करने के नाम पर करोड़ों डकार गए और अब झूठी कसमें खा रहे हैं। योगी को लैपटॉप चलाना ही नहीं आता, इसलिए नहीं दिये। उक्त बातें रविवार को सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने जिले के डीघ ब्लाक के इनारगांव में आयोजित प्रबुद्ध वर्ग सम्मेलन में कहीं। सपा प्रमुख ने सूबे की सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि गंगा बिहार की ओर बहती हैं। ऐसे में वहां से शव प्रयागराज की ओर कैसे आ सकते हैं। लखनऊ मत जाना नहीं

तो आपका नाम बदल दिया जाएगा। कहा कि मिर्जापुर में बन रहा विन्ध्य कॉरिडोर, रोप वे योजना पूर्व की सपा सरकार की देन है। महंगाई पर भाजपा को घेरते हुए अखिलेश ने कहा कि पेट्रो पदार्थों के दाम बढ़ा दिए गए।

आम आदमी से लेकर किसान परेशान हैं और दावा किया जाता है आय दोगुनी करने का। कहा कि भदोही को पौने दो सौ करोड़ का कारपेट एक्सपो मार्ट, कई सड़कें, ओवरब्रिज पूर्व की सपा सरकार ने दिया। जिससे कारोबार बढ़ा। इस मौके पर राष्ट्रीय महामंत्री रुबीना कुरैशी, एमएलसी मान सिंह यादव, आशुतोष सिन्हा, लाल बिहारी यादव, पूर्व विधायक जाहिद बेग, हाजी अब्दुल रब अंसारी आदि रहे। संचालन शिक्षक सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बी पांडेय व अध्यक्षता जिलाध्यक्ष विकास यादव ने किया।

मिशन 2022 : हम तो शुरू से ही चाहते हैं सपा से हो गठबंधन - शिवपाल यादव

आगरा (एजेंसी)। प्रगतिशील समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवपाल सिंह यादव रविवार को आगरा की सेंट्रल जेल पहुंचे। उन्होंने जेल में बंद विधायक विजय मिश्रा और एमएलसी कमलेश पाठक से मुलाकात की। वह करीब डेढ़ बजे सेंट्रल जेल पहुंचे। डेढ़ घंटे बाद तीन बजे जेल से बाहर निकले। उन्होंने बाहर आकर कहा कि हम तो शुरू से ही चाहते हैं कि सपा से गठबंधन हो, लेकिन अभी तक उनकी तरफ से कोई जवाब नहीं आया है। ब्राह्मणों की सुध किसी ने नहीं ली। केवल प्रसपा ही ऐसी पार्टी है, जिसने जेल में बंद ब्राह्मण विधायकों का हाल जाना है।

पीएम मोदी के खिलाफ प्रदर्शन करने वालों को नेपाल ने चेताया, कहा- दोस्ती बिगाड़ने वाला ना करें काम

काठमांडू (एजेंसी)। नेपाल सरकार ने रविवार को अपने नागरिकों को मित्र देशों के सम्मान को नुकसान पहुंचा सकने वाला कोई भी निंदनीय और अपमानजनक काम ना करने की चेतावनी दी। नेपाल सरकार ने यह चेतावनी देश में प्रदर्शन के दौरान कुछ लोगों की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पुतला जलाए जाने की घटना के बाद दी है। नेपाल के गृह मंत्रालय की ओर से जारी बयान में कहा गया कि गत कुछ दिनों में मित्र देश के प्रधानमंत्री की छवि को धूमिल करने के लिए हो रही नारेबाजी, प्रदर्शन और विरोध में पुतले जलाने की घटना सामने आई है। गृह

मंत्रालय ने अपने बयान में नेता की पहचान उजागर नहीं की है लेकिन इस पर आपत्ति जताई है। नेपाल सरकार का यह सख्त बयान सत्तारूढ़ गठबंधन और विपक्षी दलों से जुड़े कुछ छात्र और युवा संगठनों की ओर से जुलाई में भारत से लगती सीमा पर महाकाली नदी पार करते हुए नेपाली युवक के डूबने की घटना के विरोध में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पुतला जलाए जाने के बाद आया है। बयान में कहा, नेपाल सरकार की इच्छा सभी मित्र देशों के साथ दोस्ताना संबंध रखने की है और वह प्रतिबद्ध है कि ऐसी किसी भी गतिविधि को रोका जाए जिससे राष्ट्रीय हितों को नुकसान पहुंच सकता है। हम सभी से अनुरोध करते हैं कि वे ऐसा कोई कार्य नहीं करे जिससे मित्र देशों के मान-सम्मान को नुकसान पहुंच सकता है।

गृह मंत्रालय ने कहा कि नेपाल की लंबी परपंरा पड़ोसी देशों के साथ विवाद को कूटनीतिक माध्यम से और आपसी बातचीत से सुलझाने की रही है। बयान में कहा, भविष्य में भी कूटनीतिक पहल और आपसी बातचीत का इस्तेमाल किसी भी विवाद को सुलझाने के लिए किया जाएगा।

दिल्ली भाजपा ने फूंका एमसीडी चुनावों का बिगुल

जनसंपर्क के लिए इस माह 11,000 जनसभाओं से शुरू करेगी प्रचार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली प्रदेश भाजपा अगले साल होने वाले दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) चुनावों के लिए इस महीने बड़े पैमाने पर जनसंपर्क कार्यक्रम शुरू करेगी और 11,000 छोटी और मध्यम जनसभाओं के माध्यम से दिल्ली के मतदाताओं से जुड़कर अपने प्रचार को आगे बढ़ाएगी। प्रदेश भाजपा के महासचिव हर्ष मल्होत्रा ने शनिवार को कहा कि पार्टी ने 21 सदस्यीय कार्यकारी समितियों का गठन करके करीब 14,000 बूथ स्तर की इकाइयों को पहले ही मजबूत कर लिया है, जो हर घर तक पहुंचने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। यह कार्यक्रम 15 सितंबर से शुरू होना है।

भाजपा का दिल्ली की तीनों निगमों- उत्तर, पूर्वी और दक्षिण नगर निगमों पर 2007 से कब्जा है। वहीं आम आदमी पार्टी (आप) उसे सत्ता से बेदखल करने की कोशिश में जुटी हुई है। मल्होत्रा ने कहा कि जनसंपर्क कार्यक्रम हमारे कार्यकर्ताओं और उनके इलाके के निवासियों के बीच दोतरफा संवाद पर आधारित होगा।

हमने उन बिंदुओं की एक सूची तैयार की है जिन पर बात की जानी है। इनमें नरेंद्र मोदी सरकार की विभिन्न योजनाओं के माध्यम से लोगों को हुए वास्तविक लाभों को उजागर करने पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

उन्होंने कहा कि जनसंपर्क कार्यक्रम में समाज के विभिन्न वर्गों के साथ-साथ दिल्ली में बसे देश के अन्य क्षेत्रों के लोगों पर भी ध्यान केंद्रित किया जाएगा और यह काम पार्टी के समर्पित मोर्चे और प्रकोष्ठ करेंगे जिनमें हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पूर्वांचल, अल्पसंख्यक, सिख, व्यापारी, पेशेवर, महिलाएं, अनुसूचित जाति, पिछड़ा वर्ग, आदि शामिल हैं। उन्होंने कहा कि हम अधिकतम एक महीने में अपने संगठन के माध्यम से कम से कम 11,000 बैठकें करने का लक्ष्य बना रहे हैं। ये छोटी बैठकें होंगी जिनमें शहर के प्रत्येक गली-मोहल्ले के 10-50 व्यक्ति होंगे। ब्लॉक कार्यकारी समिति के सदस्य पन्ना प्रमुख के रूप में भी काम करेंगे, जिसका अर्थ है कि उनके पास अपने क्षेत्र की मतदाता सूची में शामिल घरों को कवर करने की जिम्मेदारी होगी।दिल्ली में पिछले नगर निगम चुनावों में, भाजपा ने 272 वार्डों में से कुल 181 जीतकर तीनों निगमों की सत्ता में वापसी की थी। पार्टी की निकटतम प्रतिद्वंदी आप केवल 49 सीटें जीतने में सफल रही, जबकि कांग्रेस 31 वार्डों में चुनाव में विजयी रही। मल्होत्रा ने कहा कि अपनी जनसंपर्क बैठकों के माध्यम से भाजपा केंद्र में पार्टी की सरकार की जन-समर्थक योजनाओं को उजागर करने पर और एमसीडी द्वारा शहर में किए गए अच्छा कामों पर ध्यान केंद्रित करेगी। उन्होंने कहा कि बैठकों के दौरान अरविंद केजरीवाल सरकार की विफलताओं को भी उजागर किया जाएगा।

सरकारी की तरह प्राइवेट शिक्षकों को भी मिलेगी सुविधा, डिप्टी सीएम ने की घोषणा

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी में सरकारी शिक्षकों की तरह ही प्राइवेट शिक्षकों को भी एक सुविधा मिलने जा रही है। इसके बाद से प्राइवेट शिक्षकों ने राहत की सांस ली है। डिप्ट सीएम दिनेश शर्मा ने रविवार को शिक्षक दिवस के मौके पर घोषणा की। डिप्टी सीएम ने इसके अलावा भी कई घोषणाएं की हैं। उन्होंने कहा कि यूपी के सभी प्राइवेट विद्यालयों के शिक्षकों को वेतन का भुगतान अब उनके बैंक खाते में कराया जाएगा। प्रबंध तंत्र द्वारा उन्हें कम वेतन दिए जाने की शिकायतों को देखते हुए यह फैसला लिया गया

है। डॉ. शर्मा गोमती नगर स्थित सिटी मांटेसरी स्कूल के सभागार में आयोजित शिक्षक सम्मान समारोह में बोल रहे थे। इस मौके पर उन्होंने राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त प्रदेश के दो शिक्षकों, वर्ष 2019 में राज्य अध्यापक पुरस्कार व मुख्यमंत्री अध्यापक पुरस्कार प्राप्त करने वाले 17 शिक्षकों तथा उत्कृष्ट शिक्षक के रूप में चयनित जिले के 75 शिक्षकों को सम्मानित किया।

एचसी में केंद्र का जवाब- नए आईटी नियम गैर कानूनी कंटेंट के लिए हैं, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर रोक नहीं लगाते

नई दिल्ली (एजेंसी)। मद्रास हाईकोर्ट में केंद्र सरकार ने जवाब दाखिल कर कहा कि नए आईटी नियम गैर कानूनी सामग्री (कंटेंट) से निपटने लिए हैं और ये अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर रोक नहीं लगाते। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय और सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने प्रौद्योगिकी (मध्यवर्ती दिशानिर्देश और डिजिटल मीडिया आचार संहिता) नियम, 2021 यानी आईटी नियम 2021 की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं के जवाब में दो जवाबी हलफनामे दायर किए। दरअसल, कन्नड़ गायक और रेमन मैग्सेसे पुरस्कार विजेता टी.एम कृष्णा और डिजिटल न्यूज पब्लिशर्स एसोसिएशन (डीएनपीए) के साथ-साथ पत्रकार मुकुंद पद्मनाभन द्वारा याचिका दायर की गई है। इन्हीं याचिकाओं के जवाब में केंद्र सरकार ने हलफनामा दायर किया है। इन याचिकाओं में आईटी नियमों की संवैधानिकता को चुनौती दी गई है। इससे पहले मद्रास उच्च न्यायालय ने केंद्र द्वारा जवाबी हलफनामा दाखिल करने में देरी पर नाराजगी व्यक्त की थी। हालांकि, बाद में 25 अगस्त को इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने यह कहते हुए काउंटर हलफनामा दायर किया कि इसमें देरी हो रही है क्योंकि केंद्र को देश भर के विभिन्न उच्च न्यायालयों में दायर आईटी नियमों को चुनौती

देने वाले कई मामलों को देखते हुए इस मामले पर सुसंगत और समान बचाव पेश करना था। जवाबी हलफनामे में केंद्र ने आगे कहा कि फिलहाल विभिन्न हाईकोर्ट में कुल मिलाकर 19 रिट याचिकाएं दायर हैं। हाईकोर्ट के समक्ष दायर सभी मामले आम तौर पर एक चीज सामान्य है कि ये सभी आईटी नियम 2021 को संविधान और आईटी अधिनियम 2000 के विपरीत घोषित करना चाहते हैं। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय जहां नये आईटी नियमों का बचाव किया, वहीं सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने अलग से 26 अगस्त को 115 पेज वाला हलफनामा दायर किया था और याचिकाओं को खारिज करने की मांग की। सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय की याचिका में कहा गया है कि नए आईटी नियमों का भाषण और अभिव्यक्ति (स्पीच एंड एक्सप्रेशन) पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है क्योंकि यह आईटी नियमों के उल्लंघन में सामग्री पोस्ट करने वाले उपयोगकर्ताओं पर कोई दंड नहीं लगाता है।

खबर संक्षेप

राकेश धर दुबे काशी क्षेत्र के भाजपा प्रवासी संपर्क प्रकोष्ठ के सह संयोजक बने

जंघई। चनेथू जंघई निवासी राकेश धर दुबे पुत्र लालता प्रसाद दुबे को काशी क्षेत्र का भारतीय जनता पार्टी प्रवासी संपर्क प्रकोष्ठ का सह संयोजक नियुक्त किया गया है। भाजपा काशी क्षेत्र के क्षेत्र अध्यक्ष महेश चंद्र श्रीवास्तव द्वारा यह नियुक्ति हुई है।

पोल पर ट्रासफार्मर चढाते समय पोल गिरा वृद्ध की मौत

करछना। थाना क्षेत्र के महोरी गाव मे पोल पर ट्रासफर्मर चढाते समय पोल टूटकर गिरने से पास मे खडे वृद्द की मौत हो गई,दोपहर 3.30 बजे के बाद गाव मे 10 केवीए का ट्रासफार्मर जल गया था जिसे चढाते समय पास खडे वृद्ध किसान की जान ले ली परिजन आनन फानन मे वृद्ध को सीएचसी करछना ले आये जहा डाक्टरो ने उसे मृत घोषित कर दिया।लेकिन परिजन जिला अस्पताल ले गये वहा भी मृत घोषित कर दिया गया।गाव निवासी ओम प्रकाश 60 ट्रासफार्मर चढाने के दौरान वह वहा मौजूद थे इसी बीच जर्जर पोल होने के कारण पोल चढाते समय वह टूट गया। किसी तरह विद्धुतकर्मी तो बच गये लेकिन वृद्ध उसकी चपेट मे आ गया जिसके सिर पर गभीर चोट होने के कारण उसकी मौत हो गई। जानकारी मिलते ही घर मे कोहराम मच गया।

मंदिर- मस्जिद की नहीं विकास की बात होनी चाहिए : शेखर बहुगुणा

अखंड भारत संदेश

बाबूगंज में जनसंपर्क कार्यालय का उद्घाटन करने पहुंचे शेखर बहुगुणा का स्वागत करते कांग्रेसी

फूलपुर। वर्तमान सरकार द्वारा शिक्षक भर्ती में किए गये आरक्षण घोटाले को लेकर अभ्यर्थी महीनों से राजधानी लखनऊ में आंदोलनरत हैं। वहीं सरकार शिक्षक भर्ती के अभ्यर्थियों की समस्याओं का निराकरण न कर- के उनकी आवाज को दबाने का काम कर रही है। आज जब प्रदेश में भावी गुरू का ही सरकार द्वारा शोषण हो रहा हो तो ऐसी स्थिति में देश विश्व गुरु कैसे बन सकता है। उक्त बातें रविवार को शिक्षक दिवस के अवसर पर बाबूगंज स्थिति कांग्रेस कार्यालय में डा० सर्वपल्ली राधाकृष्णन के चित्र पर माल्यार्पण करते हुए उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य शेखर बहुगुणा ने बतौर मुख्य अतिथि कही। कांग्रेसी कार्यकताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि देश को इस समय सांप्रदायिक शक्तियों ने अपने बाहुपास में जकड़ रखा है जो विकास की नहीं सिर्फ मंदिर मस्जिद और हिंदू मुसलमान का खेल खेल रही हैं। जिसका खामियाजा गरीब जनता महंगाई,बेरोजगारी,अराजकता को झेलकर चुका रही हैं। इसलिए अब मंदिर मस्जिद नहीं बल्कि विकास की बात होनी चाहिए। इसके पहले मुख्य अतिथि ने कांग्रेस कार्यालय/जनसंपर्क कार्यालय का फीता काटकर उसका शुभारंभ किया। कार्यक्रम के प्रमुख वक्ता डॉक्टर जगत नारायण सिंह ने कहा कि शिक्षक, बच्चों व अभिभावकों को अपने ज्ञान से देश के विकास का पाठ पढ़ाता है। शिक्षक दिवस पर जनसंपर्क कार्यालय खुलने से जन समस्याओं को सुनने और उसको सुलझाने में सहूलियत मिलेगी। वरिष्ठ कांग्रेसी नेता एडवोकेट देवराज उपाध्याय ने मुख्य अतिथि के साथ ही अन्य अतिथियों को माला पहनाकर स्वागत करते हुए कहा कि कांग्रेसी गांव- गांव जाकर बीजेपी के झूठ का पदार्फाश करने का काम करेंगे साथ ही जनता के सामने कांग्रेस की जनहितैषी नितियों के साथ ही भाजपा की जनविरोधी नीतियों को बताएंगे ताकि आम जनता भाजपा की गंदी वोट बैंक की राजनीति को समझ सके। कार्यक्रम का कुशल संचालन करते हुए कांग्रेस पार्टी के पूर्व जिला उपाध्यक्ष अशफाक अहमद ने कहा कि कांग्रेसी कार्यकर्ता प्रतिदिन तीन गांवों का भ्रमण कर जनता से संवाद करेंगे। साथ ही उनकी प्रमुख समस्याओं के निराकरण के लिए प्रतिबद्ध होंगे। उन्होंने जनसंपर्क कार्यालय के उद्घाटन में उपस्थित सभी अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया। मौके पर मोहम्मद यूसुफ,अरमान अली, सावित्री देवी, बब्लू प्रधान, तहजीबुल हसन, लाल मोहम्मद, इकबाल, जुम्मन अली, असलम, आलम, हैदर अली, सिकन्दर अली, शदाब हुसैन, महताब अली, इस्तियाक अहमद, सलीम टाइगर, रामसूरत पटेल, हूबलाल पासी, डॉ मजहर आलम, राम अभिलाष प्रजापति, कमलाकांत मिश्रा सहित अन्य कांग्रेसी नेता मौजूद रहे।

न्यूज झरोखा

जायसवाल महासभा महिला इकाई की बैठक में विभिन्न मुद्दों पर हुई चर्चा

अखिल भारतीय जायसवाल सर्ववर्गीय महासभा महिला शाखा की बैठक

नैनी। अखिल भारतीय जायसवाल सर्ववर्गीय महासभा महिला शाखा की बैठक रविवार को नैनी के डांडी बाजार में हुई। इस मौके पर महिलाओं ने समाज के उत्थान में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने आदि कई मुद्दों पर चर्चा की। बैठक की मुख्य अतिथि प्रदेश प्रभारी मीना जायसवाल में कहा कि जिस प्रकार से परिवार में महिलाओं के अहम भूमिका रहती है, उसी प्रकार हमे अपने समाज को भी आगे बढ़ाना है। निचले वर्ग को उठाकर अपनी बराबरी पर लाना है। हम सभी का उद्देश्य होना चाहिए की समाज में व्याप्त बुराइयों को जड़ से समाप्त करें। उन्होंने कहा की समाज के उत्थान को राजनैतिक चेतना आवश्यक है। इस दिशा में सभी को लगना पड़ेगा। विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष व कार्यक्रम संयोजक प्रीती रानी जायसवाल ने एकजुटता पर बल देते हुए कहा कि समाज के किसी भी व्यक्ति को हर समय सभी को मदद करने के तैयार रहना होगा। एक दूसरे की मदद करके हम तेजी से विकास कर सकते हैं। अध्यक्षता करते हुए सीमा जायसवाल ने कहा कि समाज के उत्थान में महिलाएं महत्वपूर्ण योगदान दे सकती हैं। हम सभी का प्रयास होगा कि हर क्षेत्र में हम आगे बढ़े और समाज नाम ऊंचा करें। इस अवसर पर शीनू, मंजू, सुनीता, विनिता, बबिता आदि मौजूद रहीं।

जीआरपी व सरायममरेज पुलिस का जंघई स्टेशन पर चला सघन चेकिंग अभियान

जंघई स्टेशन पर जीआरपी व सरायममरेज पुलिस का चेकिंग अभियान

जंघई। जंघई जंक्शन रेलवे स्टेशन पर शनिवार देर रात जीआरपी प्रभारी रमेश कुमार सिंह चौहान व सरायममरेज थानाध्यक्ष अमित कुमार राय ने सघन चेकिंग अभियान चलाया।शनिवार रात सरायममरेज थानाध्यक्ष अमित कुमार व जीआरपी प्रभारी जंघई रमेश सिंह अपने हमराहियों के साथ प्लेटफार्म नंबर एक, दो, तीन, सकुर्लेटिंग एरिया साइकिल स्टैंड बारीकी से खंगालें।थानाध्यक्ष सरायममरेज अमित कुमार राय ने बताया कि हमारे थाना क्षेत्र से सटे जंघई स्टेशन आता है इसलिए जीआरपी के सहयोग से हम जंघई स्टेशन को बारीकी से खंगाले हैं जिससे जंघई स्टेशन पर हुआ अगल बगल शांति व्यवस्था बनी रहे अपराधियों के अंदर भय पैदा हो हमारे क्षेत्र में कोई अपराध ना हो इसलिए हम लोग जंघई स्टेशन पर अपने हमराहियों के साथ आए हुए हैं जिसमें हमारे सहयोगी जीआरपी रही है।इस मौके पर थानाध्यक्ष सरायममरेज अमित कुमार राय, जीआरपी चौकी प्रभारी रमेश कुमार सिंह चौहान, शिव शंकर यादव, आनन्द मौर्या, युसूफ, गौतम कुमार उपस्थित रहे।

प्रतापपुर में मनाया गया विश्व हिंदू परिषद का स्थापना दिवस

प्रतापपुर में विश्व हिन्दू परिषद का स्थापना दिवस मनाते

प्रतापपुर। विश्व हिंदू परिषद प्रखंड प्रतापपुर के ग्रामसभा सफोसवीर में पूर्व प्रखंड अध्यक्ष अशोक दुबे के नेतृत्व व ग्राम प्रधान प्रभात सोनी की अध्यक्षता में स्थापना दिवस का भव्य कार्यक्रम मनाया गया।कार्यक्रम के मुख्य वक्ता बजरंग दल काशी प्रांत के पालक अधिकारी महेश जी ने धमार्तरण, लव जिहाद व लैंड जिहाद रोकने के लिये गांव गांव विहिप सगंठन का गठन करने के लिए अपील किया।कार्यक्रम के अतिथि काशी प्रांत सहमंत्री महेन्द्र जी ने दीप प्रज्वलित कर के कार्यक्रम का शुभारंभ किया कार्यक्रम का संचालन बजरंग दल के संयोजक किशन पाठक ने किया।इस अवसर पर किशन शुक्ला जिला उपाध्यक्ष, आशुतोष त्रिपाठी जिला उपाध्यक्ष, पवन पांडेय जिला संयोजक, आशुतोष शुक्ला जिला सह मंत्री, दुर्गेश शुक्ला, पं. राजकुमार शास्त्री, आचार्य धीरज महराज याज्ञिक, सुनील सिंह, अंशुमान शुक्ला, राजा मौर्या, बृजेश यादव, प्रेमसागर साहू, महावीर मिश्रा, कुंवर विजेंन्द्र सिंह सनातन चैनल मेम्बर सहित सैकडों.कि संख्या में लोग उपस्थित रहे।

आरबीएस महाविद्यालय के दो शिक्षक सम्मानित

शिक्षक दिवस पर शिक्षकों को सम्मानित करतीं सांसद रीता बहुगुणा जोशी

अखंड भारत संदेश

मेजा। शिक्षक दिवस के अवसर पर उच्च शिक्षा विभाग द्वारा प्रोफेसर राजेंद्र सिंह रज्जू भैया विश्वविद्यालय प्रयागराज एवं उत्तर प्रदेश राजेश टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के शिक्षकों को सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार उन शिक्षकों को दिया गया जिन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन में उल्लेखनीय योगदान किया।सम्मान कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रयागराज की सांसद रीता बहुगुणा जोशी रही। उन्होंने कहा कि शिक्षक देश के राष्ट्र निमार्ता हैं। मुझे सांसद के बजाय शिक्षक कहलाना ज्यादा अच्छा लगता है क्योंकि शिक्षक भविष्य निमार्ता होता है। कार्यक्रम में प्रोफेसर राजेंद्र सिंह (रज्जू भैया) विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर एके सिंह कुलसचिव एस के शुक्ला एवं राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह उपस्थित रहीं।सम्मान समारोह में मेजा तहसील मुख्यालय पर स्थित आरबीएस महाविद्यालय के भी दो शिक्षक राजेश कुमार मिश्र एवं मनीष भारद्वाज भी सम्मानित हुए। इस अवसर पर आर बी एस महाविद्यालय के प्रबंधक आदित्य प्रकाश शुक्ल ने सम्मानित दोनों शिक्षकों को बधाई दी है।वही राहुल मिश्रा, आशीष द्विवेदी, संजीव सिंह, पवन कुमार, अनुदीप मिश्रा, अंकिता चौधरी, बबीता गुप्ता, विनय केसरी, आनंद केसरी, सुशांत मिश्रा, संजय सिंह, अजय सिंह, सचिन शुक्ला, अनवर उल हसन, धीरज, मुकेश और महेश ने हर्ष व्यक्त किया है।

सेठ राम अभिलाष इंटर कॉलेज सहलोलवा में मनाया गया शिक्षक दिवस

सेठ राम अभिलाष इं. कालेज में शिक्षक दिवस मनाते

करछना। शिक्षक दिवस के मौके पर रविवार को सेठ राम अभिलाष इन्टर कालेज सहलोलवा में शिक्षक दिवस मनाया गया शिक्षक दिवस इस मौके पर सुन्दर कांड का पाठ के साथ ही बच्चों के साथ सेठ राम अभिलाष इन्टर कालेज के प्रबंधक अयोध्या प्रसाद पटेल ने बच्चों के साथ मिलकर केक काट कर शिक्षाविद् डाक्टर सर्व पल्ली राधाकृष्णन का जन्म दिवस मनाया गया। इसी प्रकार मदन मोहन मालवीय इटर कालेज करछना मे प्रधानाचार्य मदन मोहन शखधर ने चित्र पर माल्यार्पण करते उ?के बताये मार्ग पर चलने का सकल्प दिलाया।इसी क्रम मे रामपुर स्थित बृजमंगल सिह इटर कालेज मे प्रधानाचार्य मनीष तिवारी ने राधाकृषणनन के चित्र पर माल्यार्पण करते हुए उ?हे याद किया।इस मौके पर प्रबंधक अयोध्या प्रसाद पटेल,शिवरतन सिंह, बृजेश कुशवाहा,शिवसखा द्विवेदी आशमानन्द,रोहित कुमार विमलेश कुमार पटेल,राकेश पटेल ,निर्मला पटेल आदि शिक्षक शिक्षिकाए मौजूद रहे।

सात वर्षों से शिक्षा के दीप जला रहें डॉ विवेक सिंह

शिक्षक डॉ. विवेक सिंह

घूरपुर। समाज एवम राष्ट्र के उत्थान मे अध्यापकों का महत्वपूर्ण स्थान होता हैं बिना गुरुजनों के समाज एवम देश की प्रगति की कल्पना करना रेगिस्तान मे मछली पालने जैसा है।एक अध्यापक सदैव विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य हेतु चिंतित रहता हैं। साथ ही अपने अथक प्रयासों के बल पर सभ्यता से लेकर विद्यार्थियों कों उनके लक्ष्य तक पहुंचाने का काम करते हैं। उन्ही मे से एक केंद्रीय इलाहाबाद विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग मे बतौर असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ विवेक सिंह जी हैं। जों विगत सात वर्षों से निरंतर अपने अमोघ ज्ञान के बल पर शिक्षा के क्षेत्र मे अपना बहुमूल्य योगदान स्थापित कर रहें हैं।असिस्टेंट प्रोफेसर डा. विवेक सिंह जी अपने कर्तव्यनिष्ठता एवम शालीन व्यवहार के कारण विद्यार्थियों मे लोकप्रिय हैं।राजनीति विज्ञान के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ विवेक सिंह जी का मानना हैं कि अध्यापन एक ऐसा प्रोफेशन हैं जिनमे अनेकों महत्वपूर्ण बातों का ध्यान रखना पड़ता हैं। छात्र -छात्राओं मे उच्च संस्कार कों विकसित करने के साथ ही उनके मंजिल तक पहुँचाना होता हैं। जों साधारण कार्य नहीं हैं और सबसे प्रमुख बात यह हैं कि इस प्रोफेशन से जुड़े हुए प्रत्येक व्यक्ति मे अपने कर्तव्यों के प्रति सजगता एवम उच्च कोटि का आदर्श चरित्र होना चाहिए।तभी देश की प्रगति संभव हैं।घूरपुर क्षेत्र के ही इलाहाबाद विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र अनिल कुमार पटेल एवम लालापुर बसहरा के छात्र धर्मेंद्र यादव के मुताबिक डॉ विवेक सिंह जी विद्यार्थियों कों सदैव अच्छे कार्यो एवम खूब मन लगाकर पढ़ने के लिए प्रेरित करते हैं। साथ ही पूर्व छात्र अनिल कुमार पटेल ने यह भी बताया कि प्रतिवर्ष लगभग दर्जनों विद्यार्थियों की शुल्क एवम कापी किताब का प्रबंध उक्त प्रोफेसर महोदय अपने वेतन से करते हैं।साथ ही असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ विवेक सिंह जी के पढ़ाये गए सैकड़ों की संख्या मे विद्यार्थी उच्च पदों पर आसीन होकर समाज एवम राष्ट्र की सेवा कर रहे हैं। इसके साथ ही डा. विवेक सिंह जी अपने मृदुभाषी एवम शानदार व्यक्तित्व के सहज सरल शैली के लिए भी जाने जाते हैं और यही वजह हैं कि विश्वविद्यालय के अन्य संघटक कालजों के विद्यार्थी भी डॉ सिंह की कक्षा मे पढ़ने आते हैं।

करणी सेना ने शिक्षक दिवस पर हंडिया में पत्रकारों का किया सम्मान

करणी सेना ने शिक्षक दिवस के अवसर पर हंडिया में पत्रकारों को किया सम्मानित

हंडिया। रविवार को शिक्षक दिवस के मौके पर करणी सेना द्वारा पत्रकार सम्मान कार्यक्रम जिला अध्यक्ष विनोद कुमार पांडेय के आवास पर आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि करणी सेना प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष विवेक सिंह राठौर रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में वरिष्ठ भाजपा नेता पूर्व प्रत्याशी विद्या कांत सांवरे लाल तिवारी रहे। इस दौरान जिला अध्यक्ष विनोद कुमार पांडेय द्वारा उपस्थित अतिथियों का माला पहनाकर एवं अंग वस्त्र प्रदान कर स्वागत किया गया। वहीं पर उपस्थित 1 दर्जन से अधिक पत्रकार बंधुओं को भी अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर करणी सेना की प्रदेश अध्यक्ष राठौर ने कहा कि करणी सेना महिलाओं तथा समाज के गरीब जरूरतमंद लोगों के सम्मान के लिए सदैव तत्पर है। करणी सेना सनातन धर्म की रक्षा एवं देश सेवा के लिए है । वरिष्ठ भाजपा नेता विद्याकांत तिवारी उर्फ सांवरे लाल ने कहा कि महिला समाज मानवता का दर्शन है। मातृशक्ति की कोई जाति नहीं होती है। कहा कि गुरु और शिष्य की गरिमा को बनाए रखने से ही शिक्षक दिवस की सानीकता होगी । इस मौके पर वरिष्ठ पत्रकार गंगा प्रसाद तिवारी के रहमान गुड्डू इसरार अहमद प्रदीप मिश्रा राजेश यादव बृजेश कुमार पांडेय उर्फ मुन्ना शिव कुमार पटेल महेंद्र मणि पांडेय अमरजीत यादव साक्षी सिंह सैफुर रहमान शेखू गोपाल पांडेय अवनीश दुबे रीना देवी मंजुला देवी दुर्गेश सिंह शुभम सिंह देवेंद्र सिंह विजेंद्र सिंह समेत तमाम लोग मौजूद रहे। करणी सेना संगठन की ओर से महिलाओं को सम्मानित किया गया। विनोद कुमार पांडेय ने उपस्थित लोगों के प्रति आभार जताया।

शिक्षकों ने छात्रा का जन्मदिन मना पेश किया मिशाल

अखंड भारत संदेश

विद्यालय में छात्रा रागिनी की जन्म दिन के केक कटाते शिक्षक

घूरपुर। आम तौर पर देखा जाता है कि शिक्षक दिवस पर छात्र शिक्षकों को सम्मान और उपहार देकर आशीर्वाद लेते है। लेकिन इस परम्परा से हटकर क्षेत्र के पुरेखगन स्थित बी एल सिंह उ.म.विद्यालय के शिक्षकों ने इस वर्ष शिक्षक दिवस पर अपनी एक छात्रा का जन्मदिन धूमधाम से मना कर उपहार देकर मिशाल पेश किया। रविवार के दिन शिक्षक दिवस के दिन पूरेखगन स्थित बी एल सिंह उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की क्लास 7 की छात्रा रागिनी भारती की स्कूल के प्रांगण में जन्म दिवस धूमाधाम से मनाया गया। प्रांगण को गुब्बारों और फूलों से सजाया गया था। शिक्षक सहित सैकड़ों छात्रों के उपस्थित में केक काट एक दूसरे को खिला जन्म दिन की बधाई दी गई। शिक्षको और छात्रों ने रागिनी को उपहार दिए। छात्रा रागिनी खुशी से झूम गई तालियो की गड़ागड़ाहड और मिले उपहार से भावुक हो गई। विद्यालय के संरक्षक पुष्पराज सिंह ने अपनी तरफ से पूरी व्यवस्था की थी। संरक्षक पुष्पराज सिंह ने कहा कि शिक्षक दिवस डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन जी के जन्म दिवस के रुप मनाया जाता है। छात्र शिक्षको को उपहार देते रहें है। छात्रों के खुशी और इस दिन को अविस्मरणीय बनाने के लिए छात्रा का जन्मदिन धूमधाम से मनाने का फैसला किया गया। जन्म दिन मनाने के पूर्व ज्ञान की देवी मां सरस्वती और डॉ सर्वपल्ली राधाकृषणन के चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रजवल्लित किया गया। प्रधानाचार्य विनय शर्मा ने छात्रों को डॉ राधाकृष्णन के जीवन पर प्रकाश डाला। प्रबंधक नागेंद्र सिंह ने अतिथियों के प्रति आभार प्रकट किया। जगत बहादुर सिंह, पवन कुमार गुप्ता, इंद्रजीत कुशवाहा, रेनू सिंह, अर्चना, कोमल पांडेय आदि दर्जनों शिक्षक शामिल रहे।

मेजा ब्लाक में पात्र लोगों को नहीं मिला प्रधानमंत्री आवास

अखंड भारत संदेश

ग्रामप्रधान और ग्रामपंचायत सचिव के पर भारी अनियमितता का लगा आरोप

सिरसा। प्रयागराज मेजा क्षेत्र विकास खंड मेजा के कई गांवों में प्रधान मंत्री आवास योजना में भारी गड़बड़ी का आरोप लाभार्थियों द्वारा लगाया गया है। ग्राम पंचायत नेवादा, हड़गड़,भइयां समेत कई गांवो के लाभार्थियों का कहना है कि प्रधानमंत्री आवास का पैसा तो बैंक खाते में आ गया है किंतु आवासीय भूखंड उपलब्ध न होने के कारण आवास नहीं बन पा रहा है। लाभार्थी मटरु,वकील अहमद, राजाराम, सोनादेवी, सुबराती,आदि जैसे कई लोगों को शासन द्वारा प्रधानमंत्री आवास बनाने हेतु धनराशि प्राप्त हुई थी, किन्तु आज तक नहीं बना। बताया कि तालाब पर नहीं बन सकता व आवासीय भूखंड का पट्टा दिया नहीं गया। गरीबों वंचितों की आवाज उठाने वाली राष्ट्र स्तरीय सामाजिक संस्था जनसुनवाई फाउंडेशन के जनपद प्रभारी अधिवक्ता विवेक सिंह१रानू१ने बताया कि वि.ख.मेजा के कई गाँव में ऐसे अनेक लाभार्थी हैं जिनका आवास नहीं बन सका ,जिसमें अधिकांश लोगों की पहली किश्त भी आयी थी किन्तु भूखंड न होने के कारण निर्माण नहीं हो पाया, जबकि पैसे की भी वापसी नहीं की गयी।गौरतलब है कि ग्राम पंचायत व ग्राम पंचायत अधिकारी की जिम्मेदारी होती है कि ऐसे लाभार्थियों का ही चयन करें जिनके पास आवास बनाने हेतु भूखंड उपलब्ध हो,बावजूद जान बूझकर ऐसे लोगों के खाते मे पैसा डलवाया जाता है जिनके पास आवासीय भूखंड नहीं है और उनकी रिहायसी तालाब के भीटे पर है। आरोपित है कि आवंटित पहली किश्त को ग्राम प्रधान, ग्राम पंचायत अधिकारी व लाभार्थी मिलकर हजम कर जाते हैं।वहीं यह भी आरोप है कि अनेक ऐसे लाभार्थी भी हैं जो आवादी की जमीन या भूमिधरी में बसे होने के साथ ही झोपड़ी में रहने को बाध्य हैं, किन्तु ग्राम पंचायत या ग्राम विकास अधिकारी को मांगी गई रकम नहीं उपलब्ध करवा पाते परिणाम स्वरूप प्रधानमंत्री आवास नहीं मिल पाता।

विकास खंड मेजा के कई गांवों में प्रधान मंत्री आवास योजना में भारी गड़बड़ी का आरोप लाभार्थियों द्वारा लगाया गया है। ग्राम पंचायत नेवादा, हड़गड़,भइयां समेत कई गांवो के लाभार्थियों का कहना है कि प्रधानमंत्री आवास का पैसा तो बैंक खाते में आ गया है किंतु आवासीय भूखंड उपलब्ध न होने के कारण आवास नहीं बन पा रहा है। लाभार्थी मटरु,वकील अहमद, राजाराम, सोनादेवी, सुबराती,आदि जैसे कई लोगों को शासन द्वारा प्रधानमंत्री आवास बनाने हेतु धनराशि प्राप्त हुई थी, किन्तु आज तक नहीं बना। बताया कि तालाब पर नहीं बन सकता व आवासीय भूखंड का पट्टा दिया नहीं गया। गरीबों वंचितों की आवाज उठाने वाली राष्ट्र स्तरीय सामाजिक संस्था जनसुनवाई फाउंडेशन के जनपद प्रभारी अधिवक्ता विवेक सिंह१रानू१ने बताया कि वि.ख.मेजा के कई गाँव में ऐसे अनेक लाभार्थी हैं जिनका आवास नहीं बन सका ,जिसमें अधिकांश लोगों की पहली किश्त भी आयी थी किन्तु भूखंड न होने के कारण निर्माण नहीं हो पाया, जबकि पैसे की भी वापसी नहीं की गयी।गौरतलब है कि ग्राम पंचायत व ग्राम पंचायत अधिकारी की जिम्मेदारी होती है कि ऐसे लाभार्थियों का ही चयन करें जिनके पास आवास बनाने हेतु भूखंड उपलब्ध हो,बावजूद जान बूझकर ऐसे लोगों के खाते मे पैसा डलवाया जाता है जिनके पास आवासीय भूखंड नहीं है और उनकी रिहायसी तालाब के भीटे पर है। आरोपित है कि आवंटित पहली किश्त को ग्राम प्रधान, ग्राम पंचायत अधिकारी व लाभार्थी मिलकर हजम कर जाते हैं।वहीं यह भी आरोप है कि अनेक ऐसे लाभार्थी भी हैं जो आवादी की जमीन या भूमिधरी में बसे होने के साथ ही झोपड़ी में रहने को बाध्य हैं, किन्तु ग्राम पंचायत या ग्राम विकास अधिकारी को मांगी गई रकम नहीं उपलब्ध करवा पाते परिणाम स्वरूप प्रधानमंत्री आवास नहीं मिल पाता।

नशे में धुत चार कार सवारों पर केस दर्ज

अखंड भारत संदेश

घूरपुर। मार्ग में दुर्घटना कर बैरियर तोड़ पुलिस कर्मियो व दरोगा को कुचलने की कोशिश करने वाले सफारी कार सवार चार लोगों के खिलाफ पुलिस ने रविवार के दिन हत्या के प्रयास सहित कई संगीन धाराओं में केस दर्ज कर जेल भेज दिया। सचिव सोनकर, मोहम्मद सिराज निवासीगण गढ़ी कला शाहगंज व मोहम्मद कैफ, मोहम्मद तारिक सफारी कार से शुक्रवार की शाम शहर की ओर जाते समय गौहनिया मे एक गाय को टक्कर मार दी। जिससे कुछ लोगों ने पीछा कर पुलिस को सूचना दे दिया। जिस पर पुलिस थाना गेट के सामने हाईवे पर बैरीकेडिंग कर कई सिपाही और दो दरोगा रोकने का प्रयास किए तो सफारी कार सवारों ने बैरीकेडिंग तोड़ते दरोगा व पुलिस कर्मियों को कुचलने की कोशिश किए लेकिन पुलिस कर्मी किसी तरह भाग कर अपनी जान बचाएं। उसके बाद पकड़ने के पुलिस ने इरादतगंज हाईवे पर बैरीकेडिंग कर रोकने का प्रयास किया लेकिन वहां पर भी बैरीकेडिंग तोड़ते आगे भाग निकले। इस बीच अन्य दो वाहनों को भी टक्कर मार वाहनों को क्षतिग्रस्त कर दिए थे।दो किलोमीटर दूर पीछा करते हुए नैनी थाना और घूरपुर पुलिस ने घेराबंदी कर दबोच लिया था चारों आरोपी शराब के नशे में धुत थे। पुलिस ने रविवार के दिन चारों के खिलाफ हत्या के प्रयास सहित कई संगीन धाराओं में केस दर्ज कर जेल भेज दिया।

खबर संक्षेप

डेढ़ करोड की लागत से होगा सात मार्ग व नाले का निर्माण : कल्पना सोनकर

कौशाम्बी, प्रयागराज। विकास खण्ड मंझनपुर के ग्राम पंचायत एड़हरा में जन चौपाल का अयोजन किया गया था, कार्यक्रम का नेतृत्व मनीष कुमार मौर्या ने किया। आयोजन में अतिथि के तौर पर जिला पंचायत अध्यक्ष कल्पना सोनकर ने पहुँच कर आयोजन को सम्पन्न कराया है, साथ ही कार्यक्रम में लगभग डेढ़ करोड की लागत से बनाने वाली सात सड़कों व नाले के निर्माण की घोषण किया है। जिससे गांव के लोगो में खुशी का महौल रहा। बता दे कि रविवार को एडहरा में जन चौपाल का आयोजन किया गया जिसे मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष कल्पना सोनकर रही। कार्यक्रम में गांव के लोगो ने जिला पंचायत अध्यक्ष कल्पना सोनकर व प्रतिनिधि जितेन्द्र कुमार सोनकर का गांव के लोगो ने भव्य स्वागत किया है। कल्पना सोनकर ने मंच के माध्यम से लोगो को आभार व्यक्त करते हुए सरकार के योजनाओं को गिनाया है। इस मौके पर कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि जितेन्द्र कुमार सोनकर, मण्डल उपाध्यक्ष प्रमोद मौर्य, मण्डल मंत्री वंशराज यादव, सेक्टर अध्यक्ष लाल जी प्रसाद मौर्य, बूथ अध्यक्ष रोहतेश त्रिपाठी सहित गांव के सैकड़ो लोग उपस्थित रहें।

12 बकरा 8 बकरी बीती रात खोल ले गए चोर

सहसों। थाना सराय इनायत के पुलिस चौकी सहसों क्षेत्र के सहसों कस्बे से शनिवार की रात घर के अन्दर बंधी 8 बकरी व 12 बकरों को चार पहिया से आए चोर खोले गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार भुक्तभोगी गुलाम रसूल पुत्र अली रजा निवासी सहसों थाना सराय इनायत ने बताया कि रोज की तरह हम लोग सपरिवार भोजन करने के बाद बकरियों को घर के अन्दर बांधकर हम लोग भी बगल के कमरे में सो गए। रात में लगभग 2 बजे कुछ अज्ञात लोग चार पहिया वाहन से आकर हमारे कमरे की बाहर से कुंडी चढ़ा कर बकरियों का फाटक खोल कर 12 बकरा व 8 बकरी को खोलकर चार पहिया में भरकर ले कर चल दिए। बकरियों की आवाज सुनकर हम लोग उठे देखा कि बाहर से कुंडी चढ़ी हुई है। शोर मचाने पर परिवार के ही अन्य लोग आकर कुंडी खोली जब तक हम लोग कुछ समझ पाते तब तक चोर लोग बकरा बकरी को लेकर रफूचक्कर हो गए। भुक्तभोगी के बताए अनुसार बकरा और बकरी की कीमत लगभग 65 हजार बताई गई। भुक्तभोगी ने तहरीर पुलिस चौकी सहसों में दी है। पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल कर उचित कार्रवाई करने का आश्वासन दे दिया है।

भतीजे संग संगम स्नान करने गए शिक्षक की डूबने से मौत

अखंड भारत संदेश

दिन भर खोजबीन होती रही पर नहीं मिला शव

शिक्षक के डूबने पर उनके खोजबीन के लिए मल्लाहों से बातचीत करते प्रशासनिक अधिकारी व पुलिस

प्रयागराज। दारागंज में रविवार सुबह स्नान करते वक्त प्राइमरी स्कूल के अध्यापक पवन कुमार गुप्ता(32) गंगा में डूब गए। वह बहादुरपुर ब्लॉक में तैनात थे। दिनभर तलाश चलती रही लेकिन उनका कुछ पता नहीं चला। अंधेरा होने पर शाम को तलाश बंद कर दी गई।

दिव्यांग पवन कुमार पुत्र प्रेमचंद मूलतः गोंडा स्थित सिविल लाइंस के रहने वाले थे। वर्तमान में उनकी तैनाती बहादुरपुर ब्लॉक के मानिकपुर पनिका गांव स्थित परिषदीय विद्यालय में थी। वह झूंसी के त्रिवेणीपुरम में किराये के कमरे में परिवार समेत रहते थे। रविवार सुबह आठ बजे के करीब वह बेटे और भतीजे के साथ गंगा स्नान के लिए संगम पहुंचे। नहाते वक्त तेज बहाव के चलते वह बीच में पहुंच गए और गहराई में जाकर डूबने लगे।बेटे और भतीजे ने शोर मचाया तो आसपास के लोगों की नजर पड़ी। हालांकि जब तक उन्हें बचाया जाता, वह नदी में डूब गए। सूचना पर पुलिस पहुंच गई और गोताखोरों को नदी में उतारा। हालांकि दिन भर तलाश चलने के बावजूद उनका कुछ पता नहीं चला। घाट पर मौजूद एनडीआरएफ की टीम ने भी नदी में उतरकर तलाश की लेकिन कुछ पता नहीं चला। दारागंज इंस्पेक्टर जेपी शाही ने बताया कि सोमवार सुबह एक बार फिर से तलाश की जाएगी।

प्रेमी को न बुलाने पर युवती को पिता ने मारी थी गोली, एक आरोपी गिरफ्तार

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। धूमनगंज के टीपी नगर में युवती को गोली मारने के मामले में चौंकाने वाली बातें सामने आई हैं। पुलिस को जांच पड़ताल में पता चला है कि आरोपी पिता बेटी पर उसके प्रेमी को बुलाने का दबाव बना रहा था। इससे इंकार करने पर ही तैश में आकर उसने बेटी पर गोली दाग दी थी। टीपी नगर के भागलपुरवा की रहने वाली 18 वर्षीय युवती को तीन सितंबर की रात 11 बजे के करीब पिता ने गोली मार दी थी।

अस्पताल में भर्ती युवती ने खुद यह बयान देकर पिता व चाचा के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई। प्रारंभिक जांच के बाद पुलिस का कहना था कि घटना से पहले आरोपी का बेटी के प्रेमी के परिवारवालों से विवाद हुआ था। हालांकि युवती से पूछताछ में कुछ नई जानकारियां भी मिलीं। पता चला कि बेटी के प्रेमी के परिवारीजनों से विवाद के बाद आरोपी काफी आक्रोशित हो गया था। मोहल्लेवालों के बीचबचाव कर मामला शांत कराने पर वह घर लौट आया। लेकिन उसका गुस्सा ठंडा नहीं हुआ था। इसके बाद उसने बेटी से कहा कि वह अपने प्रेमी को बुलाए। इंकार करने पर उसे भाई संग मिलकर जमकर पीटा और बाद में गोली मार दी।

बेटी को प्रेमी के दरवाजे पर रखकर किया हंगामा

जांच पड़ताल में एक चौंकाने वाली बात यह भी सामने आई है कि बेटी को गोली मारने के बाद आरोपी ने उसके प्रेमी को फंसाने की भी कोशिश की। दरअसल गोली लगने पर बेसुध हुई बेटी को वह उसके प्रेमी के दरवाजे पर ले गया। इसके बाद आरोप लगाया कि प्रेमी ने ही उसकी बेटी को गोली मार दी। वह तो बाद में युवती से पूछताछ में इस बात का खुलासा हुआ कि उसे गोली उसकेही पिता ने मारी।

चाचा गिरफ्तार, पिता की तलाश जारी

धूमनगंज पुलिस ने बताया कि मामले में पिता व चाचा पर नामजद रिपोर्ट दर्ज की गई थी। इनमें से आरोपी चाचा को गिरफ्तार कर लिया गया है। पिता की तलाश की जा रही है। उसके मिलने के बाद ही हत्या में प्रयुक्त असलहे की जानकारी मिल सकेगी।

संसार में ज्ञान है सबसे ज्यादा पवित्र : डॉ0 रमाशंकर ओझा

शिक्षक दिवस

एनजीबीयू में शिक्षक दिवस समारोह में शिक्षकों को किया गया सम्मानित

अखंड भारत संदेश

शिक्षक दिवस के अवसर पर नेहरू ग्राम भारती मानित विश्वविद्यालय में शिक्षकों को किया गया सम्मानित

प्रयागराज। संसार में ज्ञान से ज्यादा पवित्र कुछ भी नहीं है। कबीर ने भी गुरु को परमात्मा से ऊपर बताया है। यह बातें नेहरू ग्राम भारती मानित विश्वविद्यालय में शिक्षक दिवस के अवसर पर आयोजित शिक्षक सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर से०नि० प्रधानाचार्य डॉ० रमाशंकर ओझा ने कहीं उन्होंने आगे कहा कि शिक्षकों के सम्मान और संकल्प से यह विश्वविद्यालय दूर-दूर तक ख्याति अर्जित करेगा। कार्यक्रम में आनलाइन जुडे कुलाधिपति श्री जे०एन० मिश्र ने अपने सम्बोधन में कहा कि शिक्षक लीक पर चलने वाला नहीं बल्कि समाज को नई कल्पना और दिशा देता है। सतत प्रयत्न और सर्वधर्म समभाव से ग्रामीणांचल में शिक्षा के सपनों को नेहरू ग्राम भारती मानित विश्वविद्यालय पूरा कर रहा है। हमें निष्काम भाव से कार्य करना चाहिए। कुलपति डॉ० एस०सी० तिवारी ने अपने उद्बोधन में कहा कि शिक्षक किसी भी देश की आधारशिला होते हैं। जहाँ शिक्षक का सम्मान होता है वह देश तेजी से आगे बढता है। कार्यक्रम में पूर्व कुलपति प्रो० राम मोहन पाठक ने कहा कि डॉ० सर्वपल्ली राधाकृष्णन कहा करते थे कि शिक्षा जगत केवल किताबी ज्ञान तक सीमित नहीं रह सकता उसे व्यवहारिक ज्ञान तक आना होगा। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के 29 शिक्षकों को नेहरू ग्राम भारती मानित विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ० एस०सी० तिवारी द्वारा सम्मान पत्र, शॉल और प्रतीक चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। सम्मानित किए गये शिक्षको में डॉ0 हिमांशु शेखर सिंह, डॉ गुलाब सिंह मौर्य, डॉ0 प्रबुद्ध मिश्रा, डॉ0 आदिनाथ, डॉ0 आशीष शिवम, डॉ० सुक्रत सिन्हा, डॉ० प्रवीण कुमार मिश्रा, डॉ० देव नारायण पाठक, डॉ० अमिताभ चन्द्र द्विवेदी, डॉ० दीपक कुमार त्रिपाठी, डॉ० शिखा सिंह, डॉ0 रिषिकेश कुमार तिवारी, डॉ० अजय सिंह, डॉ0 शक्ति नाथ, डॉ0 दीपमाला गुप्ता, डॉ० अर्चना शुक्ला, डॉ० अभिषेक त्रिपाठी, डॉ० कावेरी त्रिपाठी, डॉ० सिद्धार्थ मिश्रा, डॉ० आलोक कुमार त्रिपाठी, डॉ० विरेन्द्र मणि त्रिपाठी, डॉ० रमेश चन्द्र मिश्रा, डॉ० छाया मालवीय, डॉ० आशीष कुमार शुक्ला, श्रीमती नीलम शर्मा, डॉ० धर्मेन्द्र शुक्ला, साधना त्रिपाठी, डॉ० अरुण कुमार मिश्रा, डॉ० राजेश कुमार केशरवानी को शिक्षा में उनके विशिष्ट उपलब्धि हेतु सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन साधना त्रिपाठी ने तथा धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव आर एल विश्वकर्मा ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शिक्षकगण एवं छात्र बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

भारद्वाज गुरूकुलम विद्यालय में मनाया गया शिक्षक दिवस

शिक्षक दिवस मनाते गुरुकुलम विद्यालय के अध्यापक व छात्र

अखंड भारत संदेश

फूलपुर। शिक्षक दिवस के अवसर पर रविवार को देवनहरी स्थिति भारद्वाज गुरुकुलम संस्थान के निदेशक एडवोकेट देवराज उपाध्याय ने सर्वपल्ली डॉक्टर राधाकृष्णन की तस्वीर पर माल्यार्पण कर उनके जीवन दर्शन पर विस्तृत प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि डॉक्टर कृष्णन 1952 से 1962 तक देश के उपराष्ट्रपति के रूप में और 1962 से 1968 तक देश के महामहिम राष्ट्रपति के रूप में देश को अपनी सेवाएं प्रदान की। डॉक्टर कृष्णन महान शिक्षाविद और उच्च कोट के दार्शनिक थे उनका जीवन दर्शन उनकी शिक्षाएं आज भी प्रासंगिक हैं। कार्यक्रम में विपुल शुक्ला, विनय उपाध्याय, शिवम, अश्वनी कुमार श्रीवास्तव, अशोक धूरियां, चंदन विश्वकर्मा, प्रमोद भारतीय, विनोद कुमार त्रिपाठी, कुमारी अंशिका, कुमारी परी, स्वप्निल त्रिपाठी दिलिप दुबे सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

एक लाख से अधिक लोगों को लगाई जाएगी कोरोना वैक्सीन, बनाई गई 376 टीमें

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। स्वास्थ्य विभाग की ओर से आज एक लाख, दो हजार, छह सौ लोगों को कोरोनारोधी वैक्सीन लगाई जाएगी। इसके लिए स्वास्थ्य विभाग की ओर से तैयारी कर ली गई है। शासन ने यहां पर महाअभियान के लिए एक लाख, पांच हजार वैक्सीन की डोज भेजी है। जिलें के चार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर केवल कोवैक्सीन ही लगाई जाएगी। कोविशील्ड नहीं लगेगी। जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. तीरथ लाल ने बताया कि शासन के निर्देश पर सोमवार को महा टीकाकरण अभियान चलेगा। इसके लिए 376 टीमें बनाई गई हैं। ये टीमें ग्रामीण इलाकों में घर-घर जाकर लोगों को टीका लगाएंगी। शहर में पहले से निर्धारित सेंटर्स के अलावा 19 वर्कप्लेस पर टीका लगाया जाएगा।

जबकि, ग्रामीण इलाकों में ऑनस्पॉट रजिस्ट्रेशन कर टीका लगाया जाएगा। शहर में स्लाट बुक कराए लोगों को ही टीका लगाया जाएगा। इसके लिए रविवार को बुकिंग की गई है। जिला प्रतिरक्षण अधिकारी ने बताया कि सोमवार को जिले की कौड़िहार, सोरांव, बहरिया और प्रतापपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर केवल कोवैक्सीन की दोनों डोज लगाई जाएगी। कोविशील्ड नहीं लगेगी। बाकी सभी जगह कोविशील्ड वैक्सीन लगाई जाएगी।

अखिलेश शुक्ला को बनाया गया प्रदेश महासचिव

जनाधार शक्ति पार्टी की बैठक में अभिनेता सिद्धार्थ शुक्ला को दी गई श्रद्धांजलि

अखंड भारत संदेश

जनाधार शक्ति पार्टी की बैठक में उपस्थित लोग

नैनी । रविवार को जनाधार शक्ति पार्टी की बैठक राष्ट्रीय अध्यक्ष आशीष दीक्षित के देखरेख में संपन्न की गई। अतिथि के रूप में अधिवक्ता ओम प्रकाश पांडेय व मुकेश पाल (राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष) सम्मिलित हुए। बैठक में अभिनेता स्वर्गीय सिद्धार्थ शुक्ला के देहांत पर मौजूद पदाधिकारी व कार्यकताओं ने दो मिनट का मौन रख व मोमबत्ती जलाकर श्रद्धांजलि अर्पित कर आत्म शांति प्रदान करने के लिए ईश्वर से प्रार्थना की गई। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने पार्टी के जनाधार को बढ़ाने के लिए मौजूद पदाधिकारियों व कार्यकताओं को निर्देश दिए कि वह घर घर जाकर पार्टी की नीतियों से अवगत कराएं। साथ ही राष्ट्रीय अध्यक्ष की अगुवाई में पद की उन्नति करते हुए अखिलेश शुक्ल को उत्तर प्रदेश सचिव से प्रदेश महासचिव का पद और धनीमान पाल को शंकरगढ़ जिला अध्यक्ष व मुकेश चंद्र गौड़ को यमुनापार उपाध्यक्ष पद पर मनोनीत किया गया। इस दौरान मीडिया प्रभारी पियूष कुमार, राहुल गुप्ता, सोनू भारतीय, दीप्ति पटेल, आशीष पटेल, विनोद सिंह, कर्मवीर आर्य, दुर्गेश शर्मा, नितिन श्रीवास्तव समेत कई लोग मौजूद रहे।

शिक्षक पद पर चयनित अभ्यर्थियों का धरना पांचवें दिन भी रहा जारी

अखंड भारत संदेश

शिक्षक दिवस पर रोजगार आंदोलन तेज करने का संकल्प

पांच लाख रिक्त पदों को भरने, हर युवा को रोजगार की गारंटी एवं बेकारी भत्ता के मुद्दे पर पांचवें दिन रविवार को भी युवा मंच का सिविल लाइंस पत्थर गिरजाघर के पास रोजगार आंदोलन रही रहा। युवाओं ने शिक्षक दिवस पर आंदोलन तेज करने का संकल्प लिया। युवा मंच के संयोजक राजेश सचान एवं अध्यक्ष अनिल सिं ने कहा कि गत वर्ष 17 सितंबर को बालसन चौराहे पर हुए आंदोलन के बाद मुख्यमंत्री की ओर से छह माह में नियुक्ति प्रक्रिया पूरी करने की घोषणा की गई थी, जो जुमला साबित हुआ। यह हुआ कि इस बार भी 17 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्म दिवस पर प्रयागराज में प्रदेश भर के युवा इकट्ठा होंगे और रोजगार के मुद्दे पर सरकार की नीति का विरोध करेंगे। धरने में राम बहादुर पटेल, करन सिंह परिहार, ईशान, अरुण पाल,खाज यादव, धर्म राज आदि मौजूद रहे।

प्रयागराज। शिक्षक दिवस पर जहां पूरे प्रदेश में शिक्षकों को सम्मानित किया जा रहा था, वहीं प्रदेश के अशासकीय विद्यालयों में सामाजिक विज्ञान और कला विषय के चयनित अभ्यर्थी अपनी नियुक्ति के लिए रविवार को भी उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा सेवा चयन बोर्ड के बाहर धरने पर बैठे रहे। धरना पांच दिनों से जारी है। फिलहाल अब तक चयन बोर्ड का कोई भी प्रतिनिधि चयनितों से मिलने नहीं आया और न ही बोर्ड ने यह स्पष्ट किया है कि चयनितों को स्कूल कब आवंटित होंगे।सामाजिक विज्ञान एवं कला विषय में सहायक अध्यापक के पदों पर तकरीबन 1600 अभ्यर्थियों को चयनित घोषित किया गया है। अभ्यर्थी डेढ़ माह से नियुक्ति के लिए भटक रहे हैं। स्कूल आवंटन से लेकर नियुक्ति पत्र जारी होने तक की सभी प्रक्रिया ऑलाइन होनी है और इसमें कुछ घंटों का वक्त लगना है, लेकिन अभ्यर्थी चयन के डेढ़ माह बाद भी नियुक्ति का इंतजार कर रहे हैं। चयनित अभ्यर्थियों ने रविवार को शिक्षक दिवस पर डॉ. सर्वपल्ली राधा कृष्णन के चित्र पर पुष्प अर्पित कर शिक्षक दिवस मनाया और चयन बोर्ड के अध्यक्ष के प्रति अपना विरोध प्रकट किया।धरने का नेतृत्व कर रहे मृत्युंजय सिंह ने कहा कि एक तरफ प्रदेश सरकार शिक्षक दिवस पर पूरे प्रदेश में शिक्षक सम्मान समारोह आयोजित कर रही है, वहीं सामाजिक विज्ञान और कला के चयनित शिक्षक सडक पर सत्याग्रह को मजबूर है। उधर, आंदोलनकारियों एक प्रतिनिधिमंडल शंकर यादव, रणजीत कुमार, सुरेंद्र प्रताप सिंह के नेतृत्व में रविवार को गोरखपुर भी गया। वहां मुख्यमंत्री का कार्यक्रम था। हालांकि प्रोटोकॉल के कारण मुख्यमंत्री से उनकी मुलाकात नहीं हो सकी, लेकिन मंत्री मार्कंडेय राय ने चयनितों से ज्ञापन प्राप्त किया और मुख्यमंत्री तक पहुंचाया। धरने मं रमेश चंद्र, पवन मौर्य, कुलदीप पटेल, अरविंद, शुभम पाल, जसवंत कुमार, अवधेश सिंह, राजेश कुमार राव, मनोज गौतम, प्रदीप कुमार आदि शामिल रहे।

जन चौपाल, जिला पंचायत अध्यक्ष का हुआ भव्य स्वागत

कौशाम्बी प्रयागराज। विकास खण्ड मंझनपुर के ग्राम पंचायत एड़हरा में जन चौपाल का अयोजन किया गया था, कार्यक्रम का नेतृत्व मनीष कुमार मौर्या ने किया। आयोजन में अतिथि के तौर पर जिला पंचायत अध्यक्ष कल्पना सोनकर ने पहुँच कर आयोजन को सम्पन्न कराया है, साथ ही कार्यक्रम में लगभग डेढ़ करोड की लागत से बनाने वाली सात सड़कों व नाले के निर्माण की घोषण किया है। जिससे गांव के लोगो में खुशी का महौल रहा।

बता दे कि रविवार को एडहरा में जन चौपाल का आयोजन किया गया जिसे मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष कल्पना सोनकर रही। कार्यक्रम में गांव के लोगो ने जिला पंचायत अध्यक्ष कल्पना सोनकर व प्रतिनिधि जितेन्द्र कुमार सोनकर का गांव के लोगो ने भव्य स्वागत किया है। कल्पना सोनकर ने मंच के माध्यम से लोगो को आभार व्यक्त करते हुए सरकार के योजनाओं को गिनाया है।

कार्यक्रम के दौरान कल्पना सोनकर ने लगभग डेढ़ करोड की लागत से बनने वाले सात सड़कों व नाले का निर्माण करायें जाने की घोषणा किया है।

लोक कलाकारों ने किया अपनी गायन प्रतिभा का प्रदर्शन

अखंड भारत संदेश

संगोष्ठी में लोक कलाकारों का स्वागत करते हुए महासंघ के सदस्य

फूलपुर। फूलपुर विकास खण्ड अन्तर्गत गड़ौर गांव के प्राथमिक विद्यालय में रविवार को भारतीय लोककला महासंघ के बैनर तले लोक कलाकारों की एक संयुक्त संगोष्ठी आयोजित की गई जिसमें ग्रामीण क्षेत्र के लोक कलाकारों ने अपनी गायन प्रतिभा के माध्यम से विभिन्न गीतों की प्रस्तुति देकर सबको मंत्रमुग्ध कर दिया। संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए लोकगायक पुन्नी लाल ने संगोष्ठी में आए सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। भारतीय लोककला महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष कमलेश चन्द्र यादव ने लोकगायकों का उत्साह वर्धन करते हुए कहा कि लोककला मां सरस्वती की असीम कृपा है जो हर किसी के कंठ को नहीं मिलती है इसलिए सदैव मां का आभारी रहते हुए अपने गीतों के माध्यम से देश की संस्कृति को बचाने का काम करें। उपस्थित लोक कलाकारों ने जिलाध्यक्ष गुलाब चन्द मौर्य को अपनी समस्यों से अवगत कराया जिसपर उन्होंने कहा कि महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष अतुल यदुवंशी हम कलाकारों के हित के लिए सदैव प्रयासरत हैं। सभी कलाकारों का हर कदम पर सहयोग किया जाएगा। इस मौके पर दीपचंद प्रजापति, लालमणि मौर्य,कवि नरसिंह बहादुर, सुरेश, बनारसी,साहिल, राजाराम रेडियो, सुभाष चन्द्र पटेल, रामचंद्र तुफानी,राम अभिलाष विश्वकर्मा सहित दर्जनों की संख्या में लोक कलाकार मौजूद रहे।

शिक्षक दिवस पर विद्यालय के प्रधानाचार्य को सम्मानित करते

सरस्वती शिशु मंदिर में मनाया गया शिक्षक दिवस

सैदाबाद। हंडिया तहसील अंतर्गत असढ़िया बाजार स्थित सरस्वती शिशु मंदिर में धूमधाम से मनाया गया शिक्षक दिवस , शिक्षक दिवस के अवसर पर सरस्वती शिशु मंदिर के प्रधानाचार्य मनोज मिश्रा द्वारा क्षेत्र के आदर्श शिक्षकों को सम्मानित किया गया ' इस सम्मान समारोह के दौरान उपस्थित आदर्श शिक्षक के रूप में शैलेंद्र कुमार पांडेय, संदीप पांडेय, दिलीप पांडेय, अश्वनी त्रिपाठी तथा विद्यालय के समस्त शिक्षक उपस्थित रहे ' तथा शिक्षक दिवस के अवसर पर शैलेंद्र कुमार पांडेय ने कहा कि छात्र ही गुरु का सम्मान बढ़ा सकते हैं, छात्र के द्वारा ही गुरु जाने जाते हैं ' वही अश्वनी त्रिपाठी के द्वारा डॉ राधा कृष्ण के जीवन के बारे में बताते हुए गुरु के महत्व को लोगों को बताया, तथा अर्जुन व एकलव्य के विषय में भी जानकारी दिए ' कार्यक्रम का संचालन प्रधानाचार्य मनोज मिश्र ने किया तथा बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना की '

बिना गुरु कृपा कोई नहीं पा सकता सर्वोच्च स्थान : धीरज ओझा

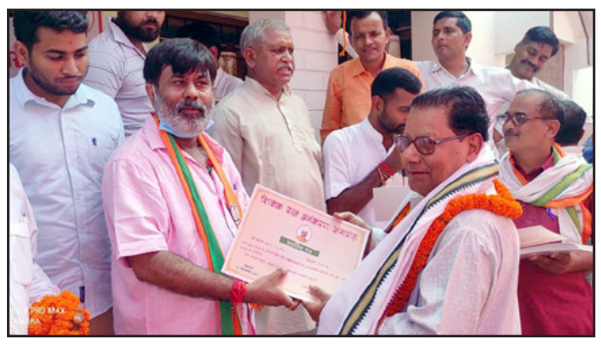

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। रानीगंज विधायक अभय कुमार उर्फ धीरज ओझा ने अपने विधानसभा क्षेत्र के गौरा पूरेबदल (चंद्रौटा) में भारत के द्वितीय राष्ट्रपति सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती एवं राष्ट्रीय शिक्षक दिवस के अवसर पर आयोजित शिक्षक रत्न अलंकरण समारोह में क्षेत्र के रामदेव पांडेय, कैप्टन दिवाकर पांडेय, राम शिरोमणि त्रिपाठी, द्वारिका प्रसाद पाल, चमेला देवी समेत 200 से अधिक सेवानिवृत्त विद्वत गुरुजनों को अंगवस्त्र व प्रशस्ति पत्र प्रदान कर उनका अभिनंदन किया।

विधायक ने कहा कि किसी भी राष्ट्र के निर्माण में हमारे विद्वान शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है क्योंकि किसी भी व्यक्ति की प्रथम पाठशाला उसका अपना घर होता है किंतु सही दिशा उसे हमारे सम्मानित गुरुजन ही प्रदान करते है। बिना गुरु की कृपा के कोई अपना सर्वोच्च प्राप्त नही कर सकता। इस दौरान उन्होंने रानीगंज क्षेत्र में शिक्षा की दृष्टि से किये गए कार्यों पर प्रकाश डाला। इस दौरान भाजपा नेता ओम प्रकाश पाण्डेय, आत्म प्रकाश मिश्र, देवेंद्र तिवारी, कार्यक्रम संयोजक तरुण तिवारी, हितेश त्रिपाठी, वीरेंद्र पटेल, राजेन्द्र तिवारी, संतोष पाण्डेय, सभापति दुबे, गिरीश पाण्डेय, अतुल शर्मा, अमित पाण्डेय, ललित मिश्र, सुमित पाण्डेय, हरदेव पटेल, अभिषेक बाबा पाण्डेय, इत्यादि उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता मण्डल अध्यक्ष बृजेश पटेल व संचालन बलराम मिश्र ने किया।

शिक्षक दिवस पर सेवानिवृत्त गुरुजनों को किया गया सम्मानित

अभूतपूर्व प्रतिभा के धनी थे डा0 राधाकृष्णन

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। भारत के पूर्व राष्ट्रपति, महान शिक्षाविद, भारत रत्न डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए नमन किया गया एवं शिक्षक दिवस के पावन पर्व पर जनपद के सम्मानित गुरुजनों को माला पहनाकर अंगवस्त्र, डायरी एवं कलम देकर सम्मानित किया गया जिसमें मुख्य रूप से एमडीपीजी कॉलेज के पूर्व प्राचार्य डॉ. जे.पी मिश्रा, मड़ियाहूं पी.जी.कॉलेज के पूर्व प्राचार्य एवं जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डॉ. लाल जी त्रिपाठी समेत कई प्रोफेसर व प्रवक्ताओं को सम्मानित किया गया। इस दौरान पूर्व प्रत्याशी कांग्रेस प्रतापगढ़ सदर एवं पूर्व प्रदेश अध्यक्ष युवा कांग्रेस डॉ. नीरज त्रिपाठी ने कहा कि जिस व्यक्ति पर गुरु की छत्र छाया नहीं होती वह व्यक्ति दिशा विहीन एवं लक्ष्य विहीन होता है। उधर जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा आज इंदिरा भवन पर भारत रत्न डॉ0सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्मदिन पर शिक्षक दिवस समारोह पूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष डॉ0 लालजी त्रिपाठी ने की। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष डॉ0 लालजी त्रिपाठी ने कहा कि सर्वपल्ली राधाकृष्णन अभूतपूर्व प्रतिभा के धनी थे। वे एक उच्चकोटि के विचारक, धार्मिक, सनातन धर्म के पोषक, विद्वान, व राजनैतिक व्यक्ति थे।

शिक्षक फरहीम ने बच्चों के नाम किया 24 माह का वेतन

अखंड भारत संदेश

कटरा गुलाब सिंह। शासन के निर्देशानुसार प्रतापगढ़ के मॉडल उच्च प्राथमिक विद्यालय कटरा गुलाब सिंह के प्रभारी प्रधानाध्यापक मुहम्मद फरहीम को शिक्षक दिवस समारोह अफीम की कोठी में मुख्य अतिथि संजय गोयल, मंडलायुक्त, प्रयागराज मंडल डॉ नितिन बंसल, जिलाधिकारी द्वारा सम्मानित किया गया। इस दौरान शिक्षक फरहीम ने पुरस्कार में मिलने वाले 24 माह के वेतन को स्कूल के बच्चों के नाम किया। इस पर विश्वनाथगंज विधायक डा0 आर0के0 वर्मा ने उनके गुणों की तारीफ कर उन्हें बधाई दी। जिलाधिकारी ने फरहीम की प्रशंसा करते हुए कहा कि हम सभी को सीख लेनी चाहिए। इस दौरान फरहीम ने कहा यह सम्मान बच्चों के सर्वांगीण विकास एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन के कारण फरहीम को प्राप्त हुआ है। उन्होंने कहा कि यह पुरस्कार बच्चों के मेहनत का परिणाम है इसीलिए इन स्कूल के बच्चों को समर्पित करता हूं।

एंजिल्स स्कूल में शिक्षकों को किया गया सम्मानित

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। एन्जिल्स कैम्पस में पूर्व राष्ट्रपति डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्म दिवस के अवसर पर शिक्षकों को सम्मान देने के लिए शिक्षक दिवस मनाया गया।

इस अवसर पर प्रबन्धक डा0 शाहिदा ने कहा कि हमें डॉ0 सर्वपल्ली राधाकृष्णन के पद चिन्हों पर चलना चाहिये वे एक महान दार्शनिक, विचारक, चिन्तक और महान शिक्षक थे। उन्हें अध्ययन और अध्यापन से बहुत प्रेम था। एक आदर्श शिक्षक के सभी गुण उनमें विद्यमान थे।

उन्होंने कहा गुरु शिष्य का संबंध प्रेम, स्नेह, आत्मीयता, त्याग, समर्पण तथा श्रद्धा का है जो शिक्षा के महत्व को और अधिक बढ़ा देता है। इस अवसर पर पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र देकर सभी शिक्षकों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सभी शिक्षक उपस्थित थे। प्रधानाचार्य बी.के. सोनी और मैनेजर एच.आर. एफ़ जीनत ने सभी शिक्षकों को शिक्षक दिवस की बधाई दी। सबने ईश्वर से प्रार्थना की कि हमारा देश कोरोना मुक्त हो जाए और बच्चों का पठन पाठन सुचारु रूप से चलने लगे।

व्यापारी को दिनदहाड़े बदमाशों ने गोली मारकर किया घायल ,बदमाशों की तलाश में जुटी पुलिस

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। दुकान पर बैठे राइसमिलर को बाइक सवार बदमाशों ने दिन दहाड़े गोली मारकर घायल कर दिया। घायल व्यापारी को आनन-फानन में लोग इलाज के लिए प्रयागराज ले गये। इधर व्यापारी को गोली मारकर पैदल ही भाग रहे एक बदमाश को लोगों ने दबोच लिया लेकिन वह पास खड़े एक व्यक्ति की बाइक छीनकर भाग निकला। सूचना पर पहुंची लालगंज कोतवाली पुलिस बदमाशों की छानबीन में जुट गयी, लेकिन बदमाश भाग निकलने पर कामयाब हो गये। मौके पर एसपी ने पहुंचकर घटना का जायजा लिया।

लालगंज कोतवाली के जलेशरगंज निवासी मनीष कुमार केसरवानी (32) पुत्र रामप्रसाद केशरवानी जलेशरगंज बाजार स्थिति अपने राइसमिल पर रविवार की सुबह बैठा हुआ था। राइसमिल में कुछ मजदूर काम भी कर रहे थे। इसी बीच नकाबपोश तीन बदमाश एक बाइक पहुंचे एक बदमाश बाहर रूक गया और तमंचा लिये दो बदमाश दुकान में अंदर घुस गये। तमंचा लिये बदमाश को देख मनीष उसका हाथ पकड़ने के लिए लपका लेकिन इसी बीच बदमाश ने मनीष को निशाना बनाकर तमंचे से फायर कर दिया। पेट में गोली लगने से मनीष घायल हो गया। गोली की आवाज सुन वहॉ अफरा-तफरी मच गयी। इधर व्यापारी को गोली मारने के बाद दोनो बदमाश बाइक से भाग निकले । जबकि बाहर खड़ा उसका एक साथी छूट गया और वह पैदल ही भागा । लेकिन आस-पास के लोगों ने दौड़ाकर उसे पकड़ लिया। इसी बीच बदमाश ने तमंचा निकालकर पास खड़े जलेशरगंज के कोटेदार रईस की कनपटी पर लगाकर उसकी बाइक छीनकर भाग निकला। इधर घायल व्यापारी मनीष को परिवार के लोग व आस-पास के लोग इलाज के लिए स्थानीय अस्पताल ले गये। जहॉ से हालत गम्भीर देख परिवार के लोग उसे इलाज के लिए प्रयागराज ले चले गये। घटना की जानकारी होते ही सीओ जगमोहन , कोतवाल लालगंज कमलेश पाल पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंच गये। दुकान में मौजूद सीसीटीवी पर कैद हुयें बदमाशों के फुटेज को खंगाला। बदमाशों की गिरफ्तारी को लेकर छानबीन किया लेकिन तब तक बदमाश फरार हो चुके थे। सूचना मिलने पर एसपी सतपाल अंतिल एएसपी रोहित मिश्रा व फोरंसिक टीम एवं स्वाट टीम के साथ मौके पर पहुंचे और घटना का जायजा लिया। फोरंसिक टीम ने घटना स्थल से जॉच के लिए नमूना इकट्ठा किया।

मण्डलायुक्त ने मलिक बस्ती करनपुर का किया निरीक्षण

प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों से की बातचीत

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। प्रयागराज के मण्डलायुक्त संजय गोयल ने रविवार को जिलाधिकारी डा0 नितिन बंसल के साथ नगर के मलिन बस्ती करनपुर की साफ-सफाई, कूड़ा निस्तारण का घूम-घूमकर निरीक्षण किया तथा प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों से जानकारी प्राप्त की।

अपने निरीक्षण में मण्डलायुक्त ने सफाई वाला रोज आता है कि नहीं? कूड़ा समय से उठता है कि नहीं? मच्छरों से निजात के लिये नाले-नालियों में छिड़काव होता है कि नहीं? आदि प्रश्न क्षेत्र के लोगों से जानकारी ली। उनके साथ डीएम भी क्षेत्र के निवासियों व दुकानदारों से पूछताछ कर रहे थे। इसी बीच क्षेत्र के सभासद विनय सिंह पहुंचे। उन्होंने सबसे पहले निरीक्षण की सूचना न दिये जाने की शिकायत मण्डलायुक्त से की। सभासद ने आयुक्त व डीएम को इंटरलाकिंग सड़क पूरी न किये जाने की भी शिकायत की। लगभग 20 मिनट के निरीक्षण में आयुक्त तथा डीएम सफाई व्यवस्था देख रहे थे और लोगों से पूछताछ कर रहे थे। उसके बाद मण्डलायुक्त मीरा भवन वार्ड में अपनी गाड़ी से ही घूमकर सफाई व्यवस्था देखी। लोगों ने आयुक्त को नियमित सफाई व छिड़काव होने की बात बताई। इससे मण्डलायुक्त संतुष्ट दिखाई दिये, फिर भी उन्होंने डेंगू व कोरोना से बचाव के लिये सफाई व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने की बात कही। मण्डलायुक्त पीएम आवास योजना के एक लाभार्थी मुन्नी देवी से पैसा मिलने में कोई कठिनाई होने, शौचालय बनने के बारे में पूछा। उन्होंने पांच लाभार्थियों से बातचीत की। मण्डलायुक्त के निरीक्षण में डीएम के अलावा एडीएम शत्रोहन वैश्य, एसडीएम सदर मोहनलाल गुप्ता, शहर कोतवाल, नगर पालिका के अधिशाषी अधिकारी मुदित सिंह, आरआई लाल बहादुर सिंह, सफाई निरीक्षक संतोष कुमार सिंह, सफाई प्रभारी प्रशांत सिंह, स्वच्छ भारत मिशन के आशीष मिश्र भी मौजूद रहे।

शराब पीने से मना करने पर शराबियों ने दुकानदार को पीटा

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। शराब पीने से मना करने पर शराबियों ने युवक की धुनाई कर दी। पीड़ित ने लालगंज कोतवाली पुलिस को घटना की तहरीर दी है। लालगंज कोतवाली के पूरे हरिकिशुन गांव निवासी अजिताभ मिश्र ने पुलिस को दी गयी तहरीर में कहा है कि बीते चार अगस्त की शाम वह अपनी दुकान पर बैठा था। इसी बीच लालगंज के अठैसा गांव निवासी व जेठवारा थाना के पतुलकी गांव निवासी चार लोग उसकी दुकान के सामने बैठकर शराब पीने लगे। अजिताभ ने उन्हें ऐसा करने से मना किया तो आरोपीगणों ने गाली गलौज करते हुए उसे मारापीटा। पीड़ित के शोर मचाने पर उसके घर के लोग व आस-पास के लोगों आते देख आरोपीगण भाग निकले। वही पीड़ित का यह भी आरोप है कि आरोपियों ने मारपीट के दौरान उसकी जेब में रखा पचास हजार रूपये भी निकाल लिया। पुलिस का कहना है कि मामालें की जांच कर उचित कार्यवाई की जायेगी।

प्रथम पुण्यतिथि पर याद किये गये पूर्व विधायक सीएन सिंह

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। समाजवादी पार्टी से पूर्व सांसद व पूर्व विधायक रहे सी एन सिंह की प्रथम पुण्यतिथि पर उच्च न्यायालय लखनऊ के अधिवक्ता व जूनियर बार एसोसिएशन पुरातन के पूर्व अध्यक्ष एवं प्रसपा नेता विनोद पांडेय के नेतृत्व में उनके विवेक नगर स्थित कैम्प कार्यालय पर आयोजित श्रद्धांजलि समारोह में एकत्रित लोगों ने श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

बता दें कि गरीबों, असहायों की मदद में सदैव अग्रणी भूमिका निभाने वाले पूर्व सांसद सी एन सिंह लोगों के प्रिय रहे। आयोजित श्रद्धांजलि समारोह में उच्च न्यायालय के अधिवक्ता विनोद पांडेय ने उनके व्यक्तित्व कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उन्होंने अपने कैरियर की शुरुआत शिक्षा के क्षेत्र से शुरू किया और एक शिक्षक के रूप में लोगों के दिलों में रहने लगे। इसके बाद उन्होंने वर्ष 1993 से अपना राजनीतिक सफर शुरू किया था और निर्दल प्रत्याशी के रूप में सदर विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़े थे। इसके बाद वह कांग्रेस में शामिल हो गए थे। इसके बाद वर्ष 1996 में सदर विधानसभा क्षेत्र से वह सपा के टिकट पर विधायक निर्वाचित हुए थे। श्रद्धांजलि सभा समारोह के मौके पर प्रमुख रूप से संतोष पांडेय, राकेश तिवारी, उद्धव पाण्डेय, सूबेदार सिंह, अब्दुल जब्बार,संजय शर्मा, फतेह बहादुर सिंह हाजी, अंकित, डब्लू मिश्र, अमितेंद्र श्रीवास्तव, लालजी पांडेय, रमेश पांडेय सहित आदि लोग शामिल रहे और सीएन सिंह के प्रतिमा के समक्ष पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

प्रसपा नेता विनोद पाण्डेय के नेतृत्व में हुई श्रद्धांजलि सभा

कच्ची शराब के साथ दो गिरफ्तार

अखंड भारत संदेश

परियावां, प्रतापगढ़। नवाबगंज एसआई एस करन यादव व सुरेंद्र सिंह ने थाना क्षेत्र के रेवली मंदिर के पास शीतला प्रसाद पुत्र अमृतलाल के पास 20 ली0 कच्ची शराब व भूप नारायण पुत्र बैजनाथ के पास रामनगर मंदिर के पुलिया के पास10 ली0 कच्ची शराब बरामद कर न्यायालय भेजा।

सास-ससुर व पति के खिलाफ मुकदमा दर्ज

अखंड भारत संदेश

परियावां, प्रतापगढ़। नवाबगज पुलिस ने थाना क्षेत्र के कडरौ निवासी अर्चना सरोज की तहरीर पर सास, ससुर, पति द्वारा आये दिन मारना पीटना गाली गलौज के मामले में तीनों आरोपियो के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया। उधर नवाबगज पुलिस ने थाना क्षेत्र के मधवापुर निवासी सुशीला पत्नी अमृत लाल सोनकर की तहरीर पर गांव के गुलशन यादव व राजेश के खिलाफ गाली गलौज जान से मारने की धमकी का मुकदमा दर्ज किया।

वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। थाना मांधाता से उ0नि0 शहंशाह खान मय हमराह द्वारा देखभाल क्षेत्र/चेकिंग के दौरान मुखबिर खास की सूचना पर थाना स्थानीय के मु0अ0सं0 340/2021 धारा 363, 366, 376 भादंवि व धारा 3/4 पाक्सो एक्ट से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त निशान्त पटेल पुत्र रामानन्द पटेल उर्फ जमुना प्रसाद पटेल निवासी ग्राम छोटकी जमुनी, थाना सोरांव, जनपद प्रयागराज को थाना क्षेत्र मांधाता के बहरिया मोड़ के पास से गिरफ्तार किया गया।

शौच करने गई विवाहिता के साथ दुष्कर्म का प्रयास

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। सास के साथ शौच करने के लिए गयी विवाहिता के साथ दो लोगों ने जबरन दुष्कर्म करने का प्रयास किया। घटना को लेकर पीड़िता ने आरोपितों के खिलाफ नामजद तहरीर दी है। सांगीपुर थाना क्षेत्र के एक गांव की विवाहिता के अनुसार बीते तीन अगस्त की शाम करीब सात वह अपनी सास के साथ खेत में शौच के लिए गयी थी। इसी दौरान इसी दौरान गांव के दो लोग वहॉ पहुंचे और विवाहिता के साथ जबरन दुष्कर्म का प्रयास करने लगे। शोर सुनकर उसकी सास वह पहुंची तो उसे धक्का देकर गिरा दिया उसके बाद आरोपित जांन से मारने की धमकी देते हुए भाग गये। पुलिस का कहना है कि तहरीर मिली है जांच कर उचित कार्यवाई की जायेगी।

यतेन्द्र कुमार को मिली पीएचडी की उपाधि

परियावां, प्रतापगढ़। छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर से यतेंद्र कुमार को कृषि उद्यान विज्ञान में डॉक्टरेट डिग्री हासिल हुई। इन्होंने अपना शोध कार्य डॉ विश्वनाथ एसोसिएट प्रोफेसर एवं हेड, उद्यान विभाग, कुलभास्कर आश्रम पीजी कॉलेज प्रयागराज के सुपरविजन में किया। यह वर्तमान में कृषि विज्ञान केंद्र कालाकाकर, प्रतापगढ़ में कार्यक्रम सहायक (उद्यान) पद पर कार्यरत है। यह अपनी उपाधि का श्रेय अपने माता पिता एवं गुरुजनों को देते हैं।

अन्तर्राज्यीय दो शातिर बदमाश पुलिस मुठभेड़ में घायल, गिरफ्तार

गुजरात में ढाई करोड़ हीरा लूट के प्रयास में वांछित थे दोनों बदमाश

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। बीती रात्रि में थाना रानीगंज पुलिस व स्वाट टीम प्रतापगढ़ द्वारा थाना क्षेत्र रानीगंज के सचौली के पास पुलिस मुठभेड़ में दो शातिर अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। अभियुक्तों के कब्जे से 01 अदद पिस्टल 32 बोर, 02 खोखा कारतूस 32 बोर व 03 जिन्दा कारतूस 32 बोर व 01 अदद 315 बोर तमंचा व 03 जिंदा कारतूस 315 बोर व एक बिना नम्बर की स्पेलेण्डर मोटरसाइकिल बरामद हुई है।इस मुठभेड़ में जब्बाद पुत्र मो0 शरीफ नि0 रामपुर आधारगंज थाना रानीगंज के दाहिने पैर में व मकसूद पुत्र हबीब नि0 अहियापुर थाना कन्धई के बायें पैर में गोली लगी है। घायल/गिरफ्तार अभियुक्तों को उपचार हेतु जिला अस्पताल प्रतापगढ़ लाया गया है। इस दौरान पुलिस अधीक्षक ने जिला अस्पताल जाकर घायल बदमाशों का हाल-चाल लिया। घायल/गिरफ्तार अभियुक्तों द्वारा एक सितम्बर को थाना कन्धई क्षेत्र में रखहा बाजार में दो व्यक्तियों को गोली मारने व 24 अगस्त को गुजरात के भरुच जनपद में 2.5 करोड़ रुपये के अनुमानित हीरे इनके द्वारा लूटने का प्रयास करने की बात स्वीकार की गयी है। इनके द्वारा पूर्व में भी कई घटनाएं की गई व इनका एक अन्तर्राज्यीय गिरोह है। घटना के संबंध में अन्य अभियुक्तों को चिन्हित किया जा रहा है। सम्पूर्ण घटना के संबंध में आवश्यक विधिक कार्यवाही प्रचलित है।

प्रतिबंधित साफ्टवेयर से टिकट बनाने वाला हैकर गिरफ्तार

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। प्रतिबंधित कम्प्यूटर साफ्टवेयर से रेल टिकट बनाने वाले हैकर को रेलवे सुरक्षा बल की टीम ने धरदबोचा है। उसके पास से करीब 25 हजार के बीस टिकट मिलें है। आरपीएफ ने उसका लैपटॉप और मोबाइल जब्त कर जेल भेज दिया है। आरपीएफ को लखनऊ मुख्यालय से सूचना मिली थी कि पट्टी इलाके में कोई रेल टिकटों को हैक कर रहा है। सूचना पर सक्रिय हुई आरपीएफ प्रतापगढ़ ने शनिवार को पट्टी के वार्ड नम्बर 6 में स्थित अनुपम कम्प्यूटर सहज जनसेवा केन्द्र पर छापा मारा और अनुपम सिंह को पकड़ लिया। पुलिस के अनुसार केंद्र से मिले कंप्यूटर की पड़ताल की गई तो चौकाने वाली जानकारी मिली। कम्प्यूटर में फ़ास्ट गति से चलने वाला साफ्टवेयर पड़ा था। जो रेलवे आरक्षण कांउटर के कंप्यूटर से तेज काम करता है। पलक झपकते ही टिकट बना देता है। आरपीएफ का कहना है कि यह साफ्टवेयर प्रतिबंधित है। विदेशी होने के नाते इसका इस्तेमाल करना गैरकानूनी है। छापे के दौरान दो मोबाइल मिला है। उपनिरीक्षक ने बताया कि केंद्र से बार मिले टिकट की कीमत 25 हजार से ऊपर की है। अनुपम साफ्टवेयर के इस्तेमाल से हैक करके टिकट बनाने का गैरकानूनी का काम करता है। उसे रेलवे एक्ट में जेल भेज दिया गया है।

मौका मिला तो फिर संवरेगा भदोही का कार्पेट बाजार

सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कार्यकर्ताओं में भरा जोश, 2022 के चुनाव की सफलता का दिया मंत्र

अखंड भारत संदेश

ज्ञानपुर। समाजवादी पार्टी शिक्षक सभा की ओर से शिक्षक दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में पहुंचे सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव ने जहां शिक्षकों को सम्मानित किया। वहीं सम्मेलन के बहाने 2022 के विधानसभा चुनाव की रूपरेखा भी रखा। कहा उत्तर प्रदेश में होने जा रहा विधान सभा का चुनाव देश के लिए बड़ा चुनाव साबित होगा। खासतौर पर जब केंद्र और प्रदेश की सत्ता पर काबिज भारतीय जनता पार्टी द्वारा जनता को गुमराह करने के लिए झूठ का प्रोपोबंडा खड़ा किया जा रहा है, उससे समाजवादियों को सावधान रहना होगा। मंच पर पहुंचने के बाद समाजवादियों के उमड़े जन सैलाब से गदगद सपा मुखिया ने कहा कि यह जन सैलाब आने वाले समय में सत्ता परिवर्तन और बदलाव का संकेत है और बदलाव होकर ही रहेगा। कहा कि समाजवादी पार्टी की सरकार में विकास योजनाओं से प्रदेश का कोई भी कोना अछूता नहीं रहा। बिना किसी भेदभाव के विकास का जाल हर जगह फैलाया गया। शिक्षा, चिकित्सा, कानून व्यवस्था और नौजवानों को रोजगार की व्यवस्था जहां हमने दी। वहीं उत्तर प्रदेश की तस्वीर को एक रचनात्मक रूप दिया। भदोही जो कार्पेट का दुनिया में एक बड़ा बाजार है, उसको आगे बढ़ाने के लिए एक्सपो मार्ट, ओवर ब्रिज, फोर लेन की सुविधा दी गई। लेकिन आज भाजपा की सरकार में लोग त्रस्त है। सरकार के पास विकास का कोई भी एजेंडा न होने से भदोही सहित पूरा प्रदेश पिछड़ गया। कहा कि सरकार की गलत नीतियों के कारण जनता में जबरदस्त आक्रोश है। लाकडाउन के दौरान लोगों ने काफी तकलीफें सही। कितने लोगों का रोजगार छिन गया, जाने चली गई, लेकिन सरकार मदद के नाम पर कुछ नहीं कर पाई। जनता के सुख दुख में खड़े होकर जनता का साथ किसी ने दिया तो वह समाजवादी थे। कहा कि अभी कोरोना काल प्रदेश में नहीं है, लेकिन जैसे ही चुनाव का समय आयेगा, कोरोना फिर से लौट आयेगी। समाजवादियों को सावधान रहना होगा, ताकि समाज को बांटने वाले लोग अपने गलत मंसूबो में सफलन हो सके। उन्होंने शिक्षा मित्र, शिक्षा प्रेरक, शिक्षा अनुदेशकों को पीड़ा को रखते हुए कहा कि हमारी सरकार बनने पर इनकी मांग जरूर पूरी की जायेगी। क्योंकि समाजवादियों ने हमेशा शिक्षको एवं बुद्धजिवियों का सम्मान किया है और मौका मिलने पर फिर से कार्य किया जायेगा। सम्मेलन के दौरान कहा कि झूठ बोलने वाली सरकार को प्रदेश की जनता इस चुनाव में सबक सिखा कर रहेगी। जनता ने बीजेपी को जैसे बंगाल से भगाया है, उसी तरह यूपी से भगाने का भी काम करेगा। इस अवसर पर शिक्षक सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बी पांडेय, सपा जिलाध्यक्ष विकास यादव, पूर्व विधायक जाहिद बेग, पूर्व विधायक मधुबाला पासी, अल्ताफ हुसैन अंसारी, हृदय नारायण प्रजापति, विजय सोनकर, अलीशेर खां, संतोष यादव, राजकुमार यादव, राजेश सोनकर, नंद कुमार मौर्य आदि काफी संख्या में लोग मौजूद रहे।

मधुबाला पासी ने स्मृति चिन्ह तो प्रमोद चंद्र मौर्य ने पहनाया मुकुट

अखंड भारत संदेश

ज्ञानपुर। समाजवादी शिक्षक सभा और सम्मेलन में आये सपा सुप्रीमों अखिलेश यादव को औराई की पूर्व विधायक मधुबाला पासी ने स्मृति चिन्ह एवं अंगवस्त्रम भेंट की। वहीं दर्जा प्राप्त पूर्व राज्यमंत्री कुंवर प्रमोद चंद्र मौर्य ने सपा मुखिया को मुकुट और गदा भेंट किया।

सपा मुखिया ने मंच पर विकास यादव से वार्ता कर बढ़ाया मान

अखंड भारत संदेश

ज्ञानपुर। शिक्षक दिवस के अवसर पर शिक्षकों को सम्मानित करने पहुंचे पूर्व मुख्यमंत्री एवं सपा मुखिया अखिलेश यादव ने सपा जिलाध्यक्ष बाल विद्या विकास यादव को अपने पास बुलाकर वार्ता कर उनका मान के साथ ही कद भी बढ़ाने का काम किया है। माना जा रहा है कि विकास यादव को पुनः जिम्मेदारी मिलनी तय है। सपा जिलाध्यक्ष को सपा मुखिया ने अपने पास बुलाकर वार्ता के माध्यम से संगठन और कार्यकर्ताओं की भी हौसला अफजाई की है।

सकैड़ों समर्थकों के साथ सपा में शामिल हुई डा. नीलम मिश्रा

अखंड भारत संदेश

ज्ञानपुर। कभी कांग्रेस से गांधी परिवार के करीबियों में रहे पूर्व केंद्रीय मंत्री पं. स्व. श्यामधर मिश्र के परिवार से उनकी बहु डा. नीलम मिश्रा ने सपा मुखिया अखिलेश यादव के समक्ष सपा की सदस्यता ग्रहण कर जिले की राजनीति को एक नये मोड़ पर ला दिया है। इसके पूर्व में वह काफी समय तक कांग्रेस की जिलाध्यक्ष भी रही, लेकिन 2019 के लोकसभा चुनाव में पार्टी कीनीतियों से संतुष्ठ न होने के कारण वह कांग्रेस से अलग हो गई थी। रविवार को सपा मुखियां एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की मौजूदगी में डा. नीलम मिश्र ने सपा की सदस्यता ग्रहण कर कहा कि सपा मुखिया के विचार और सोच से प्रभावित होकर मैने की सपा की सदस्यता ग्रहण की है और आने वाले समय में सपा को मजबूत करने के लिए मुझसे जो कुछ भी हो सकेगा, उससे पीछे नहीं हटूंगी।

हेलीपैड से मंच तक जाहिद बेग को अपने साथ ले गये अखिलेश यादव

अखंड भारत संदेश

ज्ञानपुर। रविवार को समाजवादी शिक्षक सम्मेलन को संबोधित करने पहुंचे समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने एक बार फिर से भदोही के पूर्व विधायक जाहिद बेग का कद बढ़ाया है। हेलीपैड पर उतरने के बाद वहां खड़े पूर्व विधायक जाहिद बेग को देख अखिलेश यादव ने अपने साथ गाड़ी में बैठा लिया और मंच तक गये। यह लोगों के बीच चर्चा का विषय बना रहा। गौरतलब हो कि पूर्व विधायक जाहिद बेग अखिलेश यादव के बेहद करीबी माने जाते है। उनकी मुलाकात हर नये समीकरण की आहट पर चुनावी पंडितो का ध्यान आकर्षित करती रही है। चर्चा यह भी है कि शायद फिर कोई नया समीकरण बनने वाला है। बताते चलें कि बतौर मुख्यमंत्री के रूप में रहते हुए भदोही आगमन के दौरान प्रोटोकाल तोड़कर सपा मुखिया ने अपनी गाड़ी रोक कर जाहिद बेग को अपने साथ गाड़ी में बैठाया और सभा स्थल तक साथ ले गये थे।

सपने दिखाकर डबल इंजन की सरकार ने जनता को दिया धोखा : अखिलेश

शिलान्यास का शिलान्यास, उद्घाटन का उद्घाटन एवं नाम बदलने तक ही सीमित रहा योगी सरकार का कार्यकाल

अखंड भारत संदेश

ज्ञानपुर। भदोही जनपद के इनार गांव दुहियां में समाजवादी शिक्षक सम्मेलन एवं सम्मान समारोह में पहुंचे बतौर मुख्यअतिथि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने केंद्र और राज्य की भाजपा सरकार की नीतियों को जन विरोधी बताते हुए जमकर हमलावर हुए। कहा कि भाजपा का राष्ट्र प्रेम किसानों, नौजवानों, बुद्धजिवियों समेत आम जनता के लिए दिखावा मात्र है। भारतीय जनता पार्टी के लोग इस राष्ट्रप्रेम का नारा देते है, आज उन्ही की सरकार में राष्ट्र की सम्पत्ति बेची जा रही है। यदि आपकी जेब में पैसा है, तो कुछ भी खरीद सकते है। क्योंकि यह सरकार सबकुछ बेचने पर आमादा है। सपा सुप्रीमों ने कहा कि प्रदेश की योगी सरकार अपने अब तक के कार्यकाल में विकास योजनाओंकी एक भी ईंट नहीं रख सकी। यह सरकार सिर्फ पूर्व की सरकार के योजनाओं और कार्यो का न सिर्फ शिलान्यास का शिलान्यास और उद्घाटन का उद्घाटन कर रही है, बल्कि नाम बदलने में भी महारत हासिल कर चुकी है। कहा कि भाजपा ने अपने चुनावी घोषणा पत्र में जो पहला वादा किया था, उसे भी पूरा नहीं कर पाई। किसानों की आय भले ही दो गुनी न हो सकी, लेकिन डीजल, पेट्रोल के दाम दो गुने हो गये। उज्ज्वला योजना को भी उन्होंने निसाने पर लिया। कहा कि घर-घरी मुफ्त सिलेंडर बांटने वाली सरकार सिलेंडर के दाम इतना बढ़ा दी है कि गरीब उसे भरवा नहीं पा रहा है। भाजपा का उज्ज्वला योजना बुझा चुल्हा योजना बनकर रह गया है। उन्होंने प्रधानमंत्री परभी इसारों ही इसारों में तंज कसते हुए कहा कि जिन्होंने मां गंगा की कसम खाकर मां गंगा का साफ सुथरा करने का संकल्प लिया था, वह भी मां गंगा को साफ सुथरा नहीं कर सके। अब मां गंगा ही आने वाले चुनाव में इन्हें साफ कर देंगी। कहा कि सरकार के कामकाज और नीतियों का हिसाब किताब लगाकर देखेंगे तो पायेंगे कि यह सरकार हिसाब किताब के मामले में भी फेल रही। सरकार केवल झूठे आंकड़े दिखाकर जनता को शुरू से अब तक गुमराह करती चली आ रही है। कोरोना जैसी वैश्विक महामारी के बीच प्रदेश के हुए पंचायत चुनाव का मामला उठाते हुए उन्होंने कहा कि पंचायत चुनाव के दौरान कोरोना से शिक्षकों की हुई मौत ने सरकार के पास सिर्फ तीन लोगों के ही जान जाने का आंकड़ा है। जबकि शिक्षक संघ के आंकड़ों में 1665 शिक्षकों की मौत की बात सामने आई है। कोरोना काल में अव्यवस्थाओं के कारण जिनकी जाने चली गई, उनकी मदद में भी यह सरकार आगे नहीं आई। कहा कि यह सरकार सही आंकड़ा बताने से डरती है। वहीं समाज को दिशा देने वाले शिक्षक को भी इस सरकार में धोखा मिला। पुरानी पेंशन योजना को जहां बंद कर दिया गया। वहीं आज शिक्षकों और बुद्धजिवियों पर ही लाठी पड़ रही है, उन्हें अपमानित किया जा रहा है, किसानों का अधिकार छिन लिया गया। कृषि कानून के विरोध में किसान एक लंबे समय से आंदोलन पर है। उनकी भी आवाज नहीं सूनी जा रही है। कहा कि कोरोना महामारी में तो केवल मुंह और नाक को बंद कराया, लेकिन यह सरकार आंख, कान, नाक, मुंह सब कुछ बंद कर बैठी है। उन्होंने प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ को भी निसाने पर लिया। कहा कि हमारे मुख्यमंत्री लैपटाप चलाना ही नहीं जानते, इसी लिए नौजवानों को लैपटाप देने से परहेज करते है। कानून व्यवस्था और बढ़ते अपराध पर बोलते हुए कहा कि समाजवादी सरकार ने अपराध पर अंकुश लगाने तथा पीड़ित को त्वरित न्याय दिलाने के लिए अमेरिका की तरह अच्छी पुलिसिंग की व्यवस्था दी। डायल 100 को चलाने का काम किया। लेकिन इस सरकार ने डायल 100 को 112 कर दिया और यूपी की अच्छी पुलिस को खराब बना दिया। कहा कि डबल इंजन की सरकार सिर्फ सपने दिखाती है, न तो आज तक बनारस न क्यूटो बन पाया और न ही गोरखपुर की संवर सका। सभा के दौरान उमड़े जन सैलाब को देख सपा सुप्रीमो ने कहा कि युवाओं का उत्साह बता रहा है कि प्रदेश में अब परिवर्तन हो कर रहेगा। उन्होंने आगामी 2022 के चुनाव को लेकर भी कार्यकर्ताओं को सतर्क रहकर कार्य करने का आह्वान किया। कहा कि यह चुनाव सिर्फ प्रदेश का ही नहीं बल्कि देश के लिए भी महत्वपूर्ण होगा। कार्यक्रम में समाजवादी शिक्षक सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बी पांडेय, एमएलसी लाल बिहारी यादव, आशुतोष सिंहा, पूर्व मंत्री ओमप्रकाश सिंह, हाजी अब्दुल रब अंसारी, अल्ताफ अंसारी, पूर्व विधायक जाहिद बेग, पूर्व विधायक मधबाला पासी, सपा जिलाध्यक्ष विकास यादव, कुंवर प्रमोदचंद मौर्य, रमेश चर्तुवेदी, उमेश कुमार बिंद, राजेंद्र एस बिंद, अंजनी सरोज, धर्मेंद्र मिश्र पप्पू आदि मौजूद रहे।

समाजवादी शिक्षक सभा में बीजेपी पर बरसे अखिलेश, कहा 2022 में प्रदेश से भाजपा का जनता कर देगी सफाया

सभ्य समाज का निर्माता होता है शिक्षक : अखिलेश

जन्मदिन पर याद किए गए महान शिक्षाविद सर्वपल्ली राधाकृष्णन

अखंड भारत संदेश

ज्ञानपुर। पांच सितंबर को भारत रत्न, प्रथम उपराष्ट्रपति व द्वितीय राष्ट्रपति, महान शिक्षाविद व दार्शनिक सर्वपल्ली डॉ राधाकृष्णन का जन्मदिन जनपद में धूमधाम से मनाया गया। जन्मदिन पर राज्य पुरस्कार प्राप्त शिक्षक अखिलेश कुमार ने कहा कि हमें उनके महान जीवनवृत्त, शैक्षिक व दार्शनिक विचारों से प्रेरणा लेनी चाहिए।कहा कि शिक्षक समाज का दर्पण होता है। शिक्षक ही किसी देश के विकास के पहिया की धुरी होता है और शिक्षक ही सभ्य समाज का निर्माता है। शिक्षक को सदैव अपने जीवन में शिक्षा की अलख जगाये रखने का प्रयास जारी रखना चाहिए। अरविंद कुमार पाल ने कहा कि हम शिक्षक ही राष्ट्र व मानवता के निर्माता हैं। हमें अपने कर्तव्य का पूरी ईमानदारी व तत्परता से पालन करना चाहिए।मानिकचंद्र यादव ने कहा कि शिक्षक ही देश के विकास की नींव की ईंट है, जो सीधे विकास कार्य में कहीं नहीं दिखती है, पर सभ्य, ईमानदार, कर्तव्यनिष्ठता को अपनी जीवन शैली से और ज्ञान से नवोदित भविष्य को शिक्षा, प्रौद्योगिकी, आर्थिक, दार्शनिक, कला, संस्कृति व खेल की शिक्षा का वरदान देकर राष्ट्र प्रेमी कुशल नागरिक बनाता है। हमें अपने कर्तव्य पथ पर तमाम कठिनाइयों को दर किनार करते हुए निरन्तर प्रयास करते रहना चाहिए।कहा कि खासकर सरकारी प्राथमिक विद्यालयों के हम गुरुजनों को विशेष प्रयास करते रहने की आवश्यकता है, तभी हम नवोदित पीढ़ी व देश को सफलता के शिखर तक पहुंचाने में सफल हो सकते हैं। इस अवसर अन्य बहुत से शिक्षकों ने अपने शैक्षिक विचार व्यक्त कर शिक्षा की अलख जगाये रखने की प्रतिबद्धता जताई।

कालीन निर्यातक के निर्माणाधीन मकान की छत ढही, एक की मौत, रेस्क्यू आपरेशन जारी

अखंड भारत संदेश

भदोही। स्थानीय कोतवाली क्षेत्र के सालिमपुर गांव में रविवार की शाम साढ़े पांच बजे एक निर्माणाधीन मकान की छत ढह गई। जिस समय यह हादसा हुआ, छत पर और नीचे दर्जनों मजदूर मौजूद थे। हादसे के बाद मौके पर अफरातफरी मच गई। तकरीबन घंटेभर बाद एक मजदूर का शव और चार घायलों को निकाला जा सका है।

सूचना मिलने पर मुकामी पुलिस के साथ ही राजस्व विभाग के कर्मचारी पहुंच गए हैं। रेस्क्यू आपरेशन जारी है। इस हादसे की जानकारी मिलते ही वहां काम करने वाले मजदूरों के परिजन भी मौके पर पहुंच गए। खबर लिखे जाने तक मलबे के नीचे दबे मजदूरों को निकाले जाने का कार्य चल रहा था, लेकिन अंधेरा होने की वजह से दिक्कत हो रही है।

जानकारी के मुताबिक भदोही कोतवाली के फत्तूपुर निवासी बदरुद्दीन के बड़े निर्यातकों में से एक हैं। यह फत्तूपुर गांव में एक बड़े दायरे में मकान/दफ्तर का निर्माण कार्य करवा रहे थे। यह काफी समय से चल रहा था। बताया जाता है कि पिछले दो-तीन दिन से पहले फ्लोर की छत की ढलाई का कार्य किया जा रहा था। रविवार की शाम साढ़े तीन बजे जिस समय कार्य चल रहा था, उसी दौरान निर्माणाधीन मकान की आधी छत मलबे के साथ ढह गई। इस हादसे में वहां कार्य कर रहे दर्जनों मजदूर दब गए हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक घटना के समय वहां चार दर्जन से अधिक मजदूर कार्य कर रहे थे। फिलहाल रेस्क्यू आपरेशन जारी है। खबर लिखे जाने तक पांच लोगों को निकाला जा सका था, जिसमें एक मजदूर की मौत हो गई थी, जबकि चार गंभीर रूप से जख्मी थे, जिन्हे महाराज बलवंत सिंह अस्पताल ले जाया गया है।

दर्जनों लोगों के नीचे दबे होने की संभावना, अभी तक चार घायलों को निकाला गया, मुकामी पुलिस संग राजस्व के कर्मचारी भी पहुंचे

डा. सर्वपल्ली राधा कृष्णन के जन्मदिवस पर शिक्षकों को मिला सम्मान

बच्चों को भारतीयता का ज्ञान करवाएं समाज के मार्गदर्शक : अनिरुद्ध त्रिपाठी

अखंड भारत संदेश

ज्ञानपुर। महान शिक्षाविद, दार्शनिक व देश के दूसरे राष्ट्रपति डा. सर्वपल्ली राधाकृष्णन का जन्मदिन आज पूरे जनपद में धूमधाम से मनाया गया। डायट (जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, ज्ञानपुर) में आयोजित कार्यक्रम में जनपद के 85 शिक्षकों को सम्मानित भी किया गया। इसमें दो विशेष शिक्षक भी शामिल हैं। समारोह को खिताब करते हुए जिला पंचायत अध्यक्ष अनिरुद्ध त्रिपाठी ने कहा कि शिक्षक ही देश का निर्माता होता है। बच्चों का भविष्य संवारता है।सनातन धर्म में शिक्षक को भगवान से भी ऊपर का दर्जा प्राप्त है। क्योंकि, वह शिक्षक ही होता है, जो हमें सही और गलत का फर्क बताता है और हमे सही रास्ते पर चलने के लिए प्रेरित करता है। उन्होंने कहा कि जनपद के सभी शिक्षकों और शैक्षिक संस्थानों के लिए जिला पंचायत के दरवाजे हमेशा खुले हैं। लोग, बेझिझक अपनी समस्याओं को लेकर उनसे मिल सकते हैं।

भदोही विधायक रवींद्रनाथ त्रिपाठी ने भी शिक्षकों के सम्मान में अपना विचार रखा। उन्होंने कहा सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जीवन पर प्रकाश डाला और उनसे प्रेरणा लेने का आह्वान किया। औराई विधायक दीनानाथ भाष्कर कहा कि शिक्षक पूजनीय हैं। इनका सम्मान किया जाना जरूरी है। उन्होंने इस तरह के आयोजनों पर बल देते हुए कहा कि शिक्षक भी अपनी जिम्मेदारी को समझें और समाज को एक नई दिशा देने का कार्य करें।

इसके पूर्व कार्यक्रम का शुभारंभ चीफ गेस्ट जिला पंचायत अध्यक्ष अनिरुद्ध त्रिपाठी ने मां सरस्वती और राधाकृष्णन के चित्र पर पुष्प अर्पित कर और दीप जलाकर किया। बीएसए भूपेंद्र नारायण सिंह ने सभी शिक्षकों को कर्तव्यपथ पर चलने की सीख दी। भाजपा जिलाध्यक्ष विनय श्रीवास्तव ने शिक्षकों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। अंत में खंड शिक्षा अधिकारी विकास खंड ज्ञानपुर रवींद्र शुक्ला द्वारा सभी उपस्थित जनों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

स्पेशल एजुकेटर का भी बढ़ाया मान

जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में विशिष्ट शिक्षकों का भी मान बढ़ाया गया। इसमें स्पेशल एजुकेटर (एच0आई0) सत्येंद्र कुमार द्विवेदी, ज्ञानपुर और स्पेशल एजुकेटर (वी0आई0) राणा गोविंद, सुरियावां को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। इसके अलावा राज्य शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित शिक्षक अखिलेश यादव, अशोक कुमार गुप्ता, मजीद उल्ला खां, अरविंद कुमार पाल, आशीष कुमार सिंह और नव चयनित शिक्षकों में सव्या पांडेय, निधि पांडेय, दिव्या सिंह, शिवशरण सिंह, रविशंकर विश्वकर्मा को भी सम्मान मिला है।

इन शिक्षकों को किया गया सम्मानित

डायट परिसर में शिक्षक दिवस के मौके पर जिन शिक्षकों को सम्मानित किया गया, उसमें विकास खंड डीघ से अनीता रानी सिंह, प्रतिमा मिश्रा, सुरियावां से विनीता सिंह, ज्ञानपुर से सुधा रानी, औराई से साधना दीक्षित, मालती यादव, भदोही से अल्पना देवी, ज्ञानपुर से शिप्रा पांडेय, अभोली से अरुणेश तिवारी, डा. शैलेंद्र कुमार यादव, उमेश कुमार सिंह, बनवारी बिंद, बसंतलाल, चंद्रेश कुमार, संध्या सिंह, नरेंद्र उपाध्याय, भूपेंद्र यादव, प्रवीण सिंह, डीघ से छाया पांडेय, अनूप द्विवेदी, जयप्रकाश सिंह, मिथिलेश तिवारी, जमाल अख्तर, शेर सिंह, अतुल सिंह, विवेक सिंह, मासूक अहमद, औराई से नाजिया अजहर, जयशंकर मौर्य, आशीष श्रीवास्तव, ममता कुमारी, नीलम सिंह, समर बहादुर, आशीष शर्मा, श्रीकांत सिंह, कृष्ण मोहन तिवारी, शाहिद रजा जाफरी, डा. माया त्रिपाठी, भदोही से आशीष कुमार, हरिशंकर यादव, दयाराम, राजेश सिंह, प्रेमप्रकाश सिंह, अजय कुमार सिंह, धीरेंद्र सिंह, ओमप्रकाश पटेल, कुसुमलता गुप्ता, अनिल कुमार सिंह, सुषमा, यासमीन बानो, भदोही नगर से समीर हसन व राजीव श्रीवास्तव, ज्ञानपुर से आरती गुप्ता मनोज उपाध्याय, जया त्रिपाठी, अशोक मिश्र, अनिल कुमार भट्ट, ओमप्रकाश, रामलाल सिंह यादव, संतोष कुमार मिश्र, मनीषा सिंह, सत्येंद्र कुमार पांडेय और सुरियावां से संदीप दुबे, भोलानाथ सरोज, सरोजा, अनिल कुमार, दीनानाथ यादव, डा. मीना कुमारी, वेदप्रकाश, राजकुमार मौर्य, नसीम रिजवी और मनोज कुमार शामिल हैं।

सम्पादकीय

तात्कालिक हितों से आगे

चाहे संयुक्त राष्ट्र के अलग-अलग मंचों का उपयोग करने का सवाल हो या विभिन्न मित्र देशों से बातचीत का- भारत ने हर मौके का इस्तेमाल यह सुनिश्चित करने की कोशिश में किया है कि अफगानिस्तान दुनिया भर में तबाही फैलाने का नया केंद्र न बने और न ही वहां के नागरिकों के गरिमापूर्ण जीवन बिताने में कोई स्थायी बाधा खड़ी हो। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद (यूएनएचआरसी) के सत्र को संबोधित करते हुए भारत ने एक बार फिर पूरी दुनिया का ध्यान इस तथ्य की ओर खींचा कि अफगानिस्तान में सुरक्षा और मानवाधिकार का कितना बड़ा मसला खड़ा हो रहा है। उसने हर हाल में यह सुनिश्चित करने की जरूरत बताई कि अफगानिस्तान की जमीन का इस्तेमाल लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद जैसे आतंकी संगठन अन्य देशों के खिलाफ न कर सकें। गौर करने की बात है कि जहां इस क्षेत्र के कुछ अन्य देश अपने नजरिए को अपने संकीर्ण और तात्कालिक हितों तक सीमित रखते हुए तालिबान से करीबी बनाने में लगे हुए हैं, वहीं भारत खुद को संयत रखते हुए न केवल अफगानिस्तान के घटनाक्रम पर बारीकी से नजर बनाए हुए है, बल्कि देश दुनिया की वृहत और दूरगामी चिंता को स्वर दे रहा है।

चाहे संयुक्त राष्ट्र के अलग-अलग मंचों का उपयोग करने का सवाल हो या विभिन्न मित्र देशों से बातचीत का- भारत ने हर मौके का इस्तेमाल यह सुनिश्चित करने की कोशिश में किया है कि अफगानिस्तान दुनिया भर में तबाही फैलाने का नया केंद्र न बने और न ही वहां के नागरिकों के गरिमापूर्ण जीवन बिताने में कोई स्थायी बाधा खड़ी हो। कुछ हलकों से यह सवाल उठाया गया है कि भारत सरकार अफगानिस्तान के सवाल पर कुछ बोल क्यों नहीं रही। लेकिन यह समझे जाने की जरूरत है कि अफगानिस्तान में अभी घटनाक्रम बहुत तेजी से बदल रहा है और यह साफ नहीं हो रहा है कि वहां आखिरकार स्थितियां क्या आकार लेने वाली हैं। तालिबान ने अपनी तरफ से कुछ पदों पर नियुक्तियों की घोषणा जरूर की है, लेकिन सरकार अभी वहां बनी नहीं है। देखना होगा कि तालिबान अकेले अपनी सरकार घोषित करते हैं या हामिद करजई जैसी किसी शख्सियत को प्रमुख बनाते हुए अपने प्रभाव वाली सरकार बनाते हैं या विभिन्न समूहों को मिला-जुलाकर कोई संयुक्त राष्ट्रीय सरकार बनाई जाती है। इसके बाद ही संबंधित सरकार को लेकर कोई रुख कायम किया जा सकता है। फिलहाल पहली जरूरत यही है कि जो लोग वहां फंसे हुए हैं और निकल कर भारत आना चाहते हैं, उनके सुरक्षित निकल आने की व्यवस्था की जाए। यह काम लगातार किया जा रहा है। यह भी अच्छी बात है कि सरकार ने गुरुवार को अफगानिस्तान के सवाल पर सर्वदलीय बैठक बुलाई है। अपने देश में विदेश नीति से जुड़े महत्वपूर्ण सवालों पर राजनीतिक सर्वमान्यता की परंपरा रही है। इस परंपरा को कायम रखते हुए विपक्ष को विश्वास में लेने की सरकार की यह पहल सराहनीय है। उम्मीद की जानी चाहिए कि इस सर्वदलीय बैठक से उभरीं भारत सरकार की नीतियां न केवल अफगानिस्तान को झंझावात के मौजूदा दौर से निकलने में मदद करेंगी बल्कि वहां की नई सरकार को भारत की चिंताओं का सम्मान करने को भी प्रेरित करेंगी।

तालिबानी शासन में अफगानिस्तान और भारत में संबंध जरूरी

डॉ. हनुमंत यादव

तालिबान के वरिष्ठ नेता मोहम्मद अब्बास स्टेनकजई ने दावा किया है कि उनकी सरकार भारत के साथ अफगानिस्तान के राजनीतिक, आर्थिक और सांस्कृतिक संबंध जारी रखना चाहेगी। जम्मू व कश्मीर को अनावश्यक आतंकवादी हिंसा से बचाने के लिए भी अफगानिस्तान और भारत में राजनीतिक संबंध के साथ-साथ आर्थिक एवं व्यापारिक संबंध पुनः बहाल करने लिए शीघ्र प्रयास भारत के हित में अधिक जरूरी है। तालिबान ने अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में प्रवेश करते समय यह कल्पना भी नहीं की होगी कि निर्वाचित राष्ट्रपति अशरफ गनी पलायन करके कब्जे के लिए राजधानी निष्कंटक छोड़ जाएंगे। राजधानी काबुल पर कब्जा जमाते ही तालिबान ने अमेरिका को स्मरण कराना था कि उसको हर स्थिति में 31 अगस्त से पहले काबुल छोड़ देना है। 26 अगस्त को आईएसआईएस.के. आतंकी समूह के तीन विस्फोटों से काबुल विमानतल क्षेत्र दहला दिया, इसमें 13 अमरीकी कमांडो सहित 169 व्यक्ति मारे गए थे और सैकड़ों लोग गंभीर रूप से घायल हुए थे। अमेरिका ने अपने सैनिकों की मौत का बदला लेते हुए 28 अगस्त की रात्रि को नानगाहर में ड्रोन द्वारा बमबारी करके 26 अगस्त को बमबारी करने वाले आईएसआईएस.के. आतंकी को मौत के घाट उतार दिया। अमेरिका ने 29 अगस्त की संध्या आईएसआईएस.के. विस्फोटक से भरे वाहन और 30 अगस्त को प्रातः संदिग्ध आतंकी ठिकानों पर राकेटों से हमला किया। अमेरिका को काबुल छोड़ने में अभी दो दिन बाकी हैं। ग्रेट ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी आदि 28 अगस्त को ही काबुल से अपने देश की ओर से प्रस्थान कर गए। संयुक्त राज्य अमेरिका का राजनयिक स्टाफ एवं सैनिक दस्ते 31 अगस्त तक अमेरिका चले जाएंगे किंतु वह सैनिक एवं असैनिक चल व अचल साज-सामान अफगानिस्तान में ही छोड़ता जा रहा है। इसमें ऐसी उच्च प्रौद्योगिकी युक्त युद्ध सामग्री व वाहन भी शामिल हैं जिनके परिचालन हेतु उच्च प्रशिक्षित टेकनीशियन की जरूरत पड़ती है जिनका मिलना अफगानिस्तान में संभव नहीं है। अब तो इन सब पर तालिबान सरकार का स्वामित्व होने जा रहा है। फिलहाल तालिबान सरकार ने प्रशासन को चलाने के लिए कार्यवाहक मंत्रियों की नियुक्तियां की हैं। राष्ट्रपति एवं अन्य नियमित पदों पर नियुक्तियां 31 अगस्त के बाद होंगी। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री के हर दिन किसी न किसी समाचार माध्यम में उनके वक्तव्य आते रहते हैं। वे पाकिस्तान को अफगानिस्तान की तालिबान सरकार का सच्चा मित्र बताते हुए दावा करते हैं कि जब भी पाकिस्तान से सहयोग मांगा जाएगा वे सच्चे मित्र के नाते पूरा सहयोग प्रदान करेंगे।

फिलहाल तालिबान की सबसे बड़ी समस्या पंजशीर प्रान्त पर कब्जे की है। यही अफगानिस्तान का एकमात्र प्रान्त है जिस पर तालिबान के लड़ाके कब्जा नहीं कर सके हैं। अफगानिस्तान के स्वघोषित कार्यवाहक राष्ट्रपति के नेशनल रेजिसिटेंस फोर्स के विरोध के कारण तालिबान का इस प्रान्त पर कब्जा करना बहुत कठिन है। पंजशीर खनिज संपदा में धनी पर्वतीय घाटी है, इसके मैदानी प्रवेश द्वार तक आसान होने के कारण पहुंचा जा सकता है, किंतु घुमावदार पर्वतीय क्षेत्रों में आवागमन उतना ही कठिन है। यही कारण है कि अफगानिस्तान के शासकों ने इस घाटी के लिए सैनिक सर्वेक्षण से परहेज किया है। वे अपने शासनकाल में पंजशीर को पुस्तैनी प्रभारियों को सौंपते जाते थे। मेरे विचार में तालिबान के लिए यह अधिक बेहतर होगा कि वह पहले अफगानिस्तान पर सैनिक प्रशासन के साथ-साथ नागरिक प्रशासकों की नियुक्ति करके कुछ माह में शेष अफगानिस्तान में स्थिति सामान्य बनाने का प्रयास करे। तालिबान को अफगानिस्तान में नागरिक प्रशासन चलाने के लिए पर्याप्त धनराशि की सबसे बड़ी समस्या आने वाली है। अफगानिस्तान को संपत्तियों के क्रय एवं भुगतान हेतु 21 जून 2021 तक 382 मिलियन डॉलर की एस.डी.आर. मिली हुई थी। अब तालिबान सरकार को उस सुविधा से वंचित होना पड़ेगा। इसी प्रकार अन्य बड़ी बैंकिंग संस्थाओं द्वारा दी गई सुविधा तालिबान सरकार को नहीं मिल पाएगी। इस कारण सितंबर महीने से ही तालिबान सरकार को नागरिक प्रशासन चलाने के लिए भुगतान करने की समस्या आने वाली है। पाकिस्तान सरकार आज ऐसी स्थिति में नहीं है कि वह वित्तीय संस्थाओं एवं बैंकिंग संस्थानों के माध्यम से इस समस्या का निराकरण करवा सके । वर्तमान में तालिबान का दूसरा मित्र चीन है। वर्तमान स्थिति में तालिबान सरकार को चीन की सरकार को उसके मनचाहे पसंद के खनिजों के खनन एवं प्रसंस्करण के अधिकार देने का संविदा समझौता करके वित्तीय संकट से मुक्ति पाने का एकमात्र विकल्प दिखाई देता है। तालिबान सरकार के सबसे करीबी मित्र पाकिस्तान ने अपने विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी को एशिया के मुस्लिम देशों के शासनाध्यक्षों को अफगानिस्तान की तालिबान सरकार को सही मायनों में मुस्लिम सरकार मानकर इसको मान्यता देने की समझाइश करने के लिए भेजा हुआ है। इन देशों का कहना था कि वे अभी एक माह देखने और प्रतीक्षा करने की नीति अपनाएंगे उसके बाद ही नई सरकार को मान्यता देंगे। इन देशों के इंतजार करने का एक बड़ा कारण यह था कि अगस्त के तीसरे सप्ताह में अफगानिस्तान सरकार के निर्वाचित कार्यवाहक राष्ट्रपति अमरूल्लाह सालेह ने सभी देशों को संदेश भेजा था कि निर्वाचित सरकार तालबानी आक्रमणकारियों का मुकाबला कर रही है। इसलिए मुस्लिम देशों ने भी कोई निर्णय नहीं लिया है, राजनैतिक स्थिति स्पष्ट होने पर वे निर्णय लेंगे। अफगानिस्तान में आईएसआईएस के. द्वारा अगस्त माह के अंतिम सप्ताह में विस्फोट करने से स्थिति ने अनावश्यक भ्रम पैदा कर दिया है। जिस तरह से संयुक्त राज्य अमेरिका ने अफगानिस्तान से अपनी बिदाई लेकर सैनिक वापस बुला लिया है। अफगानिस्तान का वित्तीय संकट भी धीरे-धीरे सुलझ जाएगा। धीर-धीरे मुस्लिम देशों की मान्यता नई सरकार को मिलने लग जायेगी। नई सरकार इस्लामिक कायदे के अनुसार युवकों और युवतियों की सह-शिक्षा पर रोक लगाएगी। एक तालिबान अधिकारी के अनुसार पुरुषों के पदों पर स्त्रियों की अनावश्यक नियुक्तियों के कारण पुरुषों में होने वाली अनावश्यक बेरोजगारी की स्थिति पैदा नहीं होने देगी। काबुल से विमान सेवा पुनः प्रारंभ हो जायेगी। अफगानिस्तान इंडियन मिलिट्री एकेडेमी में प्रशिक्षण प्राप्त तालिबान के वरिष्ठ नेता मोहम्मद अब्बास स्टेनकजई ने दावा किया है कि उनकी सरकार भारत के साथ अफगानिस्तान के राजनीतिक, आर्थिक और सांस्कृतिक संबंध जारी रखना चाहेगी। जम्मू व कश्मीर को अनावश्यक आतंकवादी हिंसा से बचाने के लिए भी अफगानिस्तान और भारत में राजनीतिक संबंध के साथ-साथ आर्थिक एवं व्यापारिक संबंध पुनः बहाल करने लिए शीघ्र प्रयास भारत के हित में अधिक जरूरी है।

कोरोना ने हमें लोगों से बात करना भुला दिया?

पूनम दुबे

वह बॉलकनी में रिक्लाइनर कुर्सी पर लेटी धूप सेंक रही थी। हालांकि मेरे लिए अब भी बाहर सर्दी का मौसम चल था। लेकिन यहां डेनिश (डेनमार्क के स्थानीय निवासी) लोगों के लिए सूरज की इनायत की खातिर 16 डिग्री ही काफी है। जब नपी-तुली सूरज की किरणें मिलती हैं तो काम चलाना ही पड़ता है। मैं उसका चेहरा ठीक से देख नहीं पाई, लेकिन हाथ-पैर देखकर अंदाजा लगा लिया कि यह लोकल डेनिश ही है। स्किन का रंग पीलापन लिए हुए सफेद था, एक हाथ में सिगरेट और दूसरे में फ़ोन। बालकनी का रूप-रंग भी बदला-सा लग रहा था, जैसे कि मेकओवर मिल गया हो। कई सारे फूलदान और रंगबिरंगी रोशनीवाली लड़ियां मैंने नोटिस कीं। जोनस की बालकनी को मैंने कभी ऐसा सजा नहीं देखा। शायद यह जोनस की मेहमान या उसकी गर्लफ्रेंड हो। पहले कभी नहीं देखा इस लड़की को यहां। खैर मैं तैयार थी अपनी रनिंग के लिए इसलिए बिना हाय-हेलो किये वहां से चलती बनी। पूरे 10 दिन बाद अपना क्वारंटीन कारावास पूरा करके घर से बाहर निकली थी। मौसम थोड़ा ठंडा था लेकिन हवा की ताज़गी अपने सीने के भीतर भरने को मैं न जाने कब से बेताब थी। लगभग 5 महीने अपने देश में बिताकर वापस लौटी थी। इस बार अचार और मसालों के साथ उदासी और मायूसी भी साथ ले आई थी। इस कोरोना काल में वहां जो देखा और महसूस किया, वह मन पर गहरे-काले बादलों-सा छाया था।

दिसंबर के महीने में जब यहां से गई थी तो सब कुछ ग्रे रंग में रंगा था और जब वापस आयी तो आस-पास हरियाली के निशान दिखने लगे थे। घर से कुछ ही दूरी पर एक बड़ा ग्रीन एरिया है। यहां अक्सर हम वॉक या रनिंग के लिए आते हैं। इसी एरिया के कुछ हिस्सों में सेमेट्री भी है यानी एक के बाद एक लाइन से बनी लोगों की कब्रें हैं। पास ही में एक तालाब और चर्च भी है। जीवन और मृत्यु एक साथ। कभी-कभार लोग तालाब के पास पिकनिक करते दिख जाते हैं तो कभी वहीं थोड़ी ही दूरी पर लोग अपने प्रियजनों की समाधि पर फूल चढ़ाते दिखते हैं। जो यहां लोग इन समाधियों में सोये हैं वे क्या कभी इस रास्ते पर भी दौड़े होंगे? क्या उन्होंने कभी इस तालाब के पास पिकनिक मनाई होगी? दौड़ते हुए मेरी नज़र उन सेमेट्रीज पर जाती है। पेड़ों पर आए नए नवेले हरे पत्ते, घासों पर सितारों-सी बिखरी अनगिनत सफेद डेजी और चेरी के गुलाबी कोमल फूल मन में फैले ग्रे रंग को रंगने की कोशिश कर रहे थे। फ़िर भी न जाने क्यों मन उदासी और डर के घेरे में जी रहा था। कोरोना काल में शायद सभी का यही हाल था। मैं अपनी रनिंग से वापस लौटती हूं, देखा वह अब भी वहीं लेटी थी। और शायद यह उसकी तीसरी या चौथी सिगरेट थी। सुस्ताने के लिए मैं अपनी बालकनी में रखी कुर्सी पर बैठ जाती हूं। लेकिन उसकी सिगरेट की गंध से खीझ कर भीतर चली जाती हूं। मेरी और उसकी बालकनी में कुछ ही फुट का फासला है। क्यों पीते हैं लोग इतनी सिगरेट? जानते हैं इतनी हानिकारक होती है फिर भी! मैंने हमेशा से ही न जाने क्यों सिगरेट से एक दूरी-सी बनाए रखी। सिगरेट पीना मुझे कभी भी ग्लैमरस नहीं लगा। इसीलिए तो जिंदगी में कभी ट्राई तक नहीं किया। शायद इसीलिए मैंने सिगरेट पीने वाले लड़कों को डेट तक नहीं किया। यह मेरी अपनी चॉइस थी लेकिन अब सिगरेट और तंबाकू से एक पर्सनल दुश्मनी-सी है। कुछ दस साल पहले मैंने पापा की तंबाखू की लत छुड़वा दी, यह सोचकर कि तंबाखू उनकी सेहत के लिए सही नहीं। उस समय यह नहीं पता था कि पापा को एक बार नहीं दो बार कैंसर का सामना करना पड़ेगा। चार बरसों से कैंसर से लड़ रहे हैं पापा। अपनी उम्र से ज्यादा ही बूढ़े हो गए हैं। कैंसर ने हमारे जीवन का एक बड़ा हिस्सा हथिया लिया है। कभी-कभी सोचती हूं शायद छुड़वाने में देर कर दी। बहरहाल कोपनहेगन में लंबे और गर्म दिनों का सिलसिला शुरू हो गया था। मैं भी जिंदगी को फिर से रूटीन में लाने की कोशिश करने में लगी थी। मन बार-बार कहता कि कुछ नया सीखना चाहिए इसलिए लंबे सोच विचार के बाद फैसला लिया कि क्यों न यहां की भाषा सीख लूं। करीब दो साल हो गए रहते हुए, बेसिक ज्ञान तो होना ही चाहिए। जब डेनमार्क आई थी तब पहली बार डेनिश भाषा को सुनकर लगा था कि शायद यह भाषा कभी न सीखूं और सच है कि कभी ज़रूरत ही नहीं पड़ी। यहां ज्यादातर लोग अंग्रेजी बोल लेते है। रोजमर्रा की जिंदगी में काम चल ही जाता है। एन्टे ने तीन साल में डेनिश सीखी है, लेकिन अब भी डेनिश में बातचीत करना वह कुछ ख़ास पसंद नहीं करता, जबकि एन्टे खुद ही डच है। आते-जाते कई बार मैंने उसे वहीं बालकनी में बैठे देखा लेकिन कभी बात करने की पहल नहीं की। यह भी कोरोना का एक इफेक्ट ही समझो, मानो हम लोगों से कम्युनिकेट करना भूल गए हों, डिजिटल कनेक्शन अब ज़्यादा कम्फर्टेबल और आसान हो गए हैं।

व्यापारी दौर में अध्यापन की चुनौती

डॉ. गिरीश्वर मिश्र

मानव शिशु को मनुष्य बनाने में शिक्षा की भूमिका सभी सभ्य समाजों में स्वीकृत है और इसे सुचारु रूप से सम्पादित करने के लिए शिक्षा संस्थाओं का विकास हुआ। ये संस्थाएं समाज की उन्नति के साथ बदलती रहीं ताकि ज्ञान में आ रहे बदलाव को शामिल करते हुए सामाजिक परिवर्तन के अनुकूल नई पीढ़ी तैयार ही सके। समाज के लिए जरूरी कारोबार चलाने के लिए प्रशिक्षित लोगों (मानव संसाधन !) की जरूरत पड़ती है। इस तरह अपनी उपादेयता के चलते शिक्षा संस्था समाज और राज्य की अहं जिम्मेदारी बन गई कि वह इनके भरण -पोषण की व्यवस्था करे। पर शिक्षा की संस्था स्वायत्त रखी गई जहां गुरु और शिक्षक बिना किसी दबाव के स्वाधीन रूप में ज्ञान-सृजन और उसके विस्तार का कार्य करते रहें। इस तरह शिक्षा- कार्य की परिधि का निर्धारण गुरु जन के विवेक द्वारा होता था, जिन्हें परम्परा और समकालीन परिस्थिति दोनों का ज्ञान होता था। वे शिक्षा देते हुए समाज के भविष्य को संवारने का दायित्व निभाने के संकल्प के साथ अपना कार्य करते थे। प्राचीन गुरुकुल के समय से जो छवि गढ़ी गई और लोक जीवन में प्रतिष्ठित हुई, उसने गुरु से बहुत सारी अपेक्षाएं जोड़ दीं और उसे आचरण के मानक के रूप में स्थापित कर दिया।

नैतिकता, निस्पृहता , विवेकशीलता, दक्षता और उदारता के सद्गुणों के साथ अध्यापक को आदर्श या मॉडल के रूप में देखा जाने लगा। समाज की यही आकांक्षा रही कि गुरु स्वयं में एक संस्था बन कर बिना किसी स्वार्थ के शिक्षा के उन्नयन में लगा रहे। गुरु को यदि रचनाकार (कबीर के शब्दों में कुम्हार !) कहा गया तो उसका आशय यही था कि अपने हस्तक्षेप द्वारा वह एक अनगढ़ विद्यार्थी में अपूर्व कुशलता पैदा कर पात्रता ले आता है। तब विद्यार्थी स्नातक घोषित होता है और दीक्षांत के बाद कर्म भूमि की ओर प्रस्थान करने के लिए प्रस्तुत होता है।

जीवन-यापन के लिए वित्त और उसके लिए व्यवसाय तो जरूरी है, पर शिक्षा का क्षेत्र अन्य व्यवसायों से इस अर्थ में अलग हो जाता है कि यह मनुष्य के मानस के निर्माण और उसके द्वारा समाज के स्वभाव को सीधा-सीधा निर्धारित करता है। विद्यार्थी गुरु की ओर बड़े विश्वास और भरोसे के साथ देखता है और गुरु सिर्फ अपने ज्ञान से ही नहीं, अपनी भौतिक शारीरिक उपस्थिति, चाल - ढाल , बात - व्यवहार, वेश- भूषा और हाव - भाव सबसे चेतन और अचेतन स्तर पर अपने विद्यार्थियों को सिखाता रहता है।

इस तरह गुरु की भूमिका अपनाते ही व्यक्ति को स्वयं को भी नए सांचे में ढालना होता है। यदि इसे नौकरी और व्यवसाय मानें भी तो यह इस अर्थ में सबसे भिन्न तरह का हो जाता है कि यह एक वस्तु, क्रिया या फइल की जगह बड़ी लम्बी अवधि तक जीते जागते और विकसित हो रहे इंसान से मुखातिब रहता है और ' डील ' करता है। रक्त सम्बन्धियों से अलग हट कर गुरु- शिष्य जितना गहरा रिश्ता कोई और नहीं होता है। कहना न होगा कि प्राथमिक विद्यालय से ले कर विश्वविद्यालयों तक पूरे देश में पसरे शैक्षणिक परिसरों में वैकल्पिक या समानांतर संस्कृति पलती -पनपती है या कि उसकी सम्भावना बनी रहती है जो समाज के निर्माण के लिए एक बड़ा अवसर होता है। इस अवसर का सदुपयोग करना या फिर उसके प्रति तटस्थ बने रहना अथवा दुरुपयोग करना समाज की चेतना पर निर्भर करता है। साथ ही इस संस्कृति का दारोमदार अध्यापकों पर ही निर्भर करता है। प्राथमिक और माध्यमिक स्तर पर तो इसकी बड़ी अहमियत है, जब कि अध्यापकों की उपलब्धता और सेवा शर्तों को लेकर बड़ी मुश्किलें बनी हुई हैं। आज के बदलते परिवेश में बाजार, राजनीति और उपयोगितावाद ने सबकी मानसिकता अर्थकरी शिक्षा पर केंद्रित कर दिया है। शिक्षा ज्ञान के लिए उसी हद तक उपयोगी मानी जाती है, जितनी मात्रा वह अच्छी तनख्वाह या पैकेज दिला पाती है। शिक्षा संस्थाओं के विज्ञापन भी इसकी जानकारी के साथ प्रसारित लिए जाते हैं। आज की नई पौध के लिए यही प्रमुख सरोकार हो चुका है। अध्यापक भी चकाचौंध की आंधी में अछूते नहीं रहे और कमाई करने के उपक्रमों की ओर तेजी से आकर्षित हो रहे हैं और उनकी इच्छा - आकांक्षा दौड़ रही है। ज्ञानार्जन , अध्यवसाय , शास्त्र-चर्चा और सृजनात्मकता के लिए उत्साह कम होता जा रहा है। उच्च शिक्षा के स्तर में गिरावट जिस तरह दर्ज हो रही है वह चिंता का विषय है। अध्यापन को दूसरे व्यवसायों के तर्ज पर रखते हुए रुपया पैसा कमाना ही लक्ष्य होता जा रहा है। अध्यापक की छवि और साख में कमी आई है। अब साहित्यिक चोरी , शॉर्ट कट से सीखना - सिखाना और गैर अकादमिक कार्यों के प्रति रुझान बढ़ रही है। पढ़ने - पढ़ाने का सुख और ज्ञान का व्यसन एक दुर्लभ अनुभव होता जा रहा है। इसकी जगह शैक्षिक परिसर राजनीति के अखाड़े बन कर अपनी रही सही श्री भी खोते जा रहे हैं। इस तरह मुक्त करने की जगह शिक्षा बंधनों में बांधने वाली होती जा रही है। इस परिस्थिति को सामाजिक परिवर्तन का स्वाभाविक अंग मान कर अंगीकार कर लेना समाज के लिए हितकर न होगा। शिक्षा चाहे जैसी हो, एक हस्तक्षेप होती है और समाज में दृष्टिगत प्रवृत्तियों को उससे अलग कर नहीं समझना चाहिए।

शिक्षा और शिक्षक देश की नीति की वरीयता सूची में अभी तक पिछड़ते रहे हैं। वर्तमान सरकार इस दिशा में ज्यादा सक्रिय हुई है।नई शिक्षा नीति जिस भारत केंद्रित शिक्षा की बात कर रही है और जिस तरह छात्रों की दक्षताओं और प्रतिभाओं पर ध्यान देने के लिए अवसर बनाने के लिए सोच रही है, उसका ताना - बाना अध्यापकों के इर्द गिर्द ही बुना जा सकेगा। उसके लिए अध्यापकों का प्रशिक्षण और दृष्टिकोण भी बदलना होगा। यह आवश्यक होगा कि जमीनी हकीकत बदली जाय और इसके लिए प्रतिबद्ध हो कर कार्य किया जाय।

जलभराव : शहरों-कस्बों में थोड़ी बारिश में ही बिगड़ जाते हैं हालात

आलोक शुक्ला

शहरों-कस्बों के आसपास पहले खेती की जमीनें होती थीं। छोटे-बड़े तालाब होते थे। इनकी संख्या अब घट गई है और अतिक्रमण के कारण दिन-प्रति दिन इनका क्षेत्रफल घट रहा है। जल संग्रहण करने वाली जगहों का अस्तित्व मिटा दिया जाएगा तो पानी आखिर जाएगा कहां यह याद रखना होगा कि पानी अपना रास्ता खुद ढूंढ लेता है। बारिश का मौसम बड़ा ही खुशनुमा होता है। इसे सृजन का मौसम भी कहते हैं क्योंकि यह अनेक कीटकों एवं पशु-पक्षियों का प्रजनन काल है। बारिश धरती की प्यास बुझती है। किसान खेती-बाड़ी के कामों में लग जाते हैं। धरती हरियाली की चादर ओढ़ लेती है। जब बारिश अपने पूरे जोर पर होती है तो महानगरों से लेकर बड़े-छोटे शहरों और बड़े कस्बों के लोग जलभराव की मुसीबत का सामना करने लगे हैं। लोग बरसात खत्म होते तक जलभराव से परेशान रहते हैं। जलमग्न शहर, पानी में डूबी रेल पटरियां, ठप पड़ा सड़क यातायात और महानगरों व बड़े-बड़े शहरों में कई फुट तक पानी में डूबी सड़कों का मंजर आम हो गया है। दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, कोलकाता जैसे महानगरों के अलावा पटना, अंबाला, अहमदाबाद, सूरत, कानपुर, भोपाल, नागपुर, रायपुर जैसे कई शहर कुछ ही घंटों की बारिश से ही जगह-जगह जलभराव की समस्या से जूझते न र आते हैं। यदि यह बारिश लगातार दो-तीन दिन जारी रही तो जानमाल की भारी हानि के कारण हाहाकार मच जाता है।

सबसे बदहाल स्थिति इन शहरों के निचले हिस्से में रहने वाले लोगों की होती है। निकासी न होने के कारण पूरे शहर का पानी जब बहता हुआ निचली बस्तियों तक पहुंचता है तो वहां बाढ़ के हालात पैदा हो जाते हैं। बड़े शहरों में पानी कालोनियों तक पहुंच जाता है। शहरों में प्रतिवर्ष लाखों वाहन बारिश के पानी में डूबने से खराब हो जाते हैं। सवाल यह उठता है कि जलभराव किस वजह से हो रहा है तो इसके सबसे प्रमुख कारण नगरों की विकास योजनाओं का अदूरदर्शितापूर्ण नियोजन और क्रियान्वयन, प्लास्टिक की थैलियां, नष्ट न होने वाला कचरा और नागरिकों की लापरवाही भरा नजरिया हैं। किसी भी योजना को लागू करने के पहले शहर की भौगोलिक स्थिति, शहर के ऊपरी, मध्य व निचले हिस्से का सर्वेक्षण कर निर्माण कार्यों से होने वाले लाभ-हानि पर समग्र विचार किया जाना चाहिए। इसके विपरीत दलीय राजनीति, निजी स्वार्थों और अपने इलाके का अन्य के मुकाबले अधिक व तेजी से विकास करने की लालसा के कारण इन बातों पर ध्यान नहीं दिया जाता। नगरीय विकास योजनाओं में हर शहर में प्रति वर्ष नालियों के निर्माण, मरम्मत एवं साफ-सफाई के लिए एक बड़ा बजट रहता है। स्थानीय नेता और पार्षद अपने लोगों को इन नालियों के निर्माण, मरम्मत और सफाई का ठेका दिलवा देते हैं। नेताओं-अफसरों की कमीशनखोरी और भ्रष्टाचार में सहभागिता के कारण प्रभारी अधिकारियों, ठेकेदारों की अनुभवहीनता घटिया दर्जे के निर्माणों को अनदेखा कर देते हैं। ये सब कारण स्थिति को बदतर बना देते हैं।

राजनैतिक दलों की अनुशंसा पर शहर की भौगोलिक स्थिति और विकास की जरूरतों को समझे बिना भारी-भरकम बजट से होने वाले ये अनियोजित विकास कार्य जलभराव के मुख्य कारण होते हैं। मुंबई में हर साल बृहन्नमुंबई महानगरपालिका मानसून आने के पहले जल निकासी की व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए करोड़ों रुपये खर्च करती है लेकिन चंद घंटों की बारिश ही पूरे मुंबई की दशा बदल कर व्यवस्था की पोल खोल देती है। कई स्थानों पर गटर के ढक्कन खुले रहते हैं जिनकी वजह से मुंबई में हर साल कई जानें जाती हैं। बारिश और जलभराव के कारण मुंबई में पुराने मकानों के गिरने से भी कई लोग जान से हाथ धो बैठते हैं। हादसों में हुई मौतों पर एक-दो दिन हंगामा होता है और फिर वे ही हालात हो जाते हैं। दिल्ली में भी हालात किसी से छिपे नहीं हैं। पहले यहां सड़कों के किनारे पैदल चलने की जगह में टाईल्स लगी। बाद में इंटरलॉक टाईल्स लगाई गईं जिससे पानी जमीन के भीतर जा सके। अब हर जगह कांक्रीट की सड़कें बन रहीं हैं जिनसे पानी जमीन के अंदर नहीं जाता और जल भराव की समस्या पैदा हो रही है।

राष्ट्रीय पोषण सप्ताह
कोई भूखा न रहे

डॉ अश्वनी कुमार मल्होत्रा

यह घटना आज से करीब 45 वर्ष पूर्व की रही होगी, जब मैं धनबाद के पाटलिपुत्र मेडिकल कॉलेज का छात्र था। उन्ही दिनों हमारे एक सहपाठी, जिसकी शादी कुछ महीने बाद होनी तय थी, ने अपनी मंडली के दोस्तों, जिनमे मैं भी शामिल था, से कहा की, चलो कलकत्ता चलते है, मुझे शादी के लिए कुछ सामान खरीदना है, तो हम सहर्ष तैयार हो गए। धनबाद से कलकत्ता रेल सफर द्वारा अनुमानित 4 घंटे का रास्ता था तो एक ही दिन में आ जा सकते थे। शॉपिंग करते करते हुए हम बंगाली व्यंजनों और मिष्ठान का भी आनंद लेते रहे। अब बंगाली मिष्ठान की बात हो तो कोई कैसे बंगाली रोसगुल्ला खाने से अपने आप को रोके। सड़क किनारे एक बंगाली मिष्ठान की दूकान के बाहर हम सब लोग बंगाली रोसगुल्ला का आनंद लेते हुए खा रहे थे की मेरी दृष्टि कुछ दूर खड़े उन बच्चों पर पड़ी जिनके चेहरे और कपड़ो पर अत्यंत गरीबी झलक रही थी। वो निरंतर हमें देखे जा रहे थे। हमने जैसे ही खाली पत्तों के दोने को कूड़ेदान में फेक कर चलने लगे तो वो बच्चे तेज़ी से आये और कूड़ेदान से उन दोने पर लगी चासनी को चाटने लगे। इतनी देर में एक कुत्ता भी कही से आकर उस कूड़ेदान में मुँह मारने लगा। वर्षों बाद भी मै उस घटना को नहीं भूला हू और न ही स्तिथि बदली है। आज भी देश के कई शहरों और गांव में बच्चे से लेकर बजुर्ग भुखमरी के शिकार हो रहे है। उन बच्चो की तरह कितने लाखों बच्चे और बड़े बजुर्ग देश में आज भूखे पेट सोते होंगे आज भी जब मैं कही खाने की कोई चीज़ लेता हूँ तो मुझे लगता है उन बच्चों की तरह कितनी ही भूखे चेहरों मेरा पीछा कर रही है और उनके फैले हुए हाथ और लाचार चेहरों में धसी हुई आँखों में आशा की किरण झलक रही है। आज 1 सितम्बर से 7 सितम्बर तक हम हर वर्ष की तरह राष्ट्रीय पोषण सप्ताह मना रहे है। 2020 ग्लोबल हंगर इंडेक्स में भारत 107 देशों में 94 वें स्थान पर है। यूनिसेफ के आंकड़ों के अनुसार, भारत में 5 साल से कम उम्र के बच्चों में होने वाली मौतों में से लगभग आधी मौतें कुपोषण के कारण होती हैं, जो की अत्यंत चिंताजनक है । कई देशो में पिछले 18 माह में विश्व में कोरोना महामारी के कारण भूखमारी बड़ी है। यह चाहे नौकरिया छूट जाने के कारण हो, अनाज की बर्बादी के कारण हो, भूखमारी एक सामाजिक बीमारी है जिससे न केवल समाज में आत्महत्याएं का दर बड़ा है बल्कि नशा बड़ा है जिसकी आपूर्ति के लिए अपराध बड़े है। इसके लिए सभी हितधारक - नागरिक समाज, निजी क्षेत्र और शिक्षाविद पोषण के लिए आवश्यक जागरूकता और मांग पैदा करने में मदद करने के लिए एक साथ आगे आना होगा। समय रहते अगर ऐसा नहीं किया गया तो भूखमारी बढ़ेगी। हमारे सारे प्रयास इस दिशा में होना चाहिए की कोई रात को भूखा पेट न सोये, कोई भूखा पेट न मरे।

भारत का 9वां विकेट गिरा, 350 रनों से ज्यादा की बढ़त

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और इंग्लैंड के बीच ओवल में चौथा टेस्ट मैच खेला जा रहा है। खबर लिखे जाने तक खेल के चौथे दिन मैच की दूसरी पारी में टीम इंडिया ने 9 विकेट खोकर 450 रन बना लिए थे और भारत को 351 रन की लीड मिल चुकी है। भारत की तरफ से अभी क्रीज पर उमेश यादव और मोहम्मद सिराज मौजूद हैं। दूसरी पारी में केएल राहुल और रोहित शर्मा ने भारत को अच्छी शुरुआत दिलाई और पहले विकेट के लिए 83 रन की शानदार साझेदारी की, लेकिन इस पार्टनरशिप को एंडरसन ने तोड़ दिया। एंडरसन ने राहुल को 46 रन पर कैच करवा दिया। रोहित शर्मा ने बेहतरीन पारी खेली और 127 रन बनाए। उनकी पारी का अंत ओली राबिन्सन ने किया। पुजारा ने भी अच्छी बल्लेबाजी की, लेकिन ओली राबिन्सन ने उन्हें 61 रन पर मौइन अली के हाथों कैच आउट करवा दिया। जडेजा 17 रन बनाकर तो रहाणे बिना खाता खोले ही क्रिस वोक्स की गेंद पर आउट हो गए। विराट कोहली को मोइन अली ने 44 रन पर आउट किया। शार्दुल ठाकुर 60 रन बनाकर जो रूट की गेंद पर आउट हुए। इसके बाद रिषभ पंत 50 रन बनाकर मोइन अली की गेंद पर आउट हुए। जसप्रीत बुमराह को वोक्स ने 24 रनों पर आउट किया।

बुमराह ने इंग्लैंड को शुरुआत

झटके दिए और पहले रोरी बर्न्स को 5 रन पर क्लीन बोल्ड कर दिया तो फिर हसीब हमीद को शून्य पर पंत के हाथों कैच आउट करवा दिया। उमेश यादव ने टाप फार्म में चल रहे इंग्लैंड के कप्तान जो रूट को 21 रन के स्कोर पर बोर्ड कर भारत को बड़ी कामयाबी दिलाई। दूसरे दिन का खेल शुरू होने के बाद इंग्लैंड की शुरुआत खराब रही। क्रेग ओवरटन को उमेश यादव ने 1 रन पर पवेलियन भेज दिया। इसके डेविड मलान को उन्होंने 31 रन पर आउट किया। जानी बेयरस्टो को सिराज ने 37 रन पर आउट किया। मोइन अली 35 रन बनाकर जडेजा की गेंद पर आउट हुए। ओली पोप को 81 रन के स्कोर पर शार्दुल ठाकुर ने आउट किया। वहीं क्रिस वोक्स ने 50 रन बनाए और रन आउट हुए। भारत की तरफ से उमेश यादव ने तीन, बुमराह व जडेजा ने दो-दो जबकि शार्दुल व सिराज ने एक-एक सफलता हासिल की। भारतीय ओपनर बल्लेबाज रोहित शर्मा काफी संभलकर बल्लेबाजी कर रहे थे, लेकिन क्रिस वोक्स की अतिरिक्त उछाल भरी गेंद को वो समझ नहीं पाए और अपना कैच 11 रन बनाकर बेयरस्टो को थमा बैठे। केएल राहुल को राबिन्सन ने 17 रन पर पगबाधा आउट किया। पुजारा ने इस टेस्ट की पहली पारी में निराश किया और वो 4 रन बनाकर एंडरसन की गेंद पर बेयरस्टो के हाथों लपके गए। इस पारी में पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए रहाणे की जगह जडेजा आए, लेकिन 10 रन बनाकर वो भी क्रिस वोक्स की गेंद पर रूट के हाथों कैच आउट हुए।

भारतीय कप्तान विराट कोहली 50 रन बनाकर ओली राबिन्सन की गेंद पर कैच आउट हो गए। टीम के उप-कप्तान रहाणे का बल्ला फिर नहीं चला और वो 14 रन बनाकर क्रेग ओवर्टन की गेंद पर आउट हो गए। रिषभ पंत का बल्ला फिर नहीं चला और वो 7 रन पर क्रिस वोक्स की गेंद पर आउट हो गए। शार्दुल ठाकुर ने 36 गेंदों पर 57 रन बनाए और क्रिस वोक्स की गेंद पर आउट हुए जबकि उमेश यादव ने 10 रन बनाए। सिराज एक रन बनाकर नाबाद रहे। इंग्लैंड की तरफ से क्रिस वोक्स ने चार, ओली राबिन्सन ने तीन जबकि एंडरसन और ओवर्टन ने एक-एक विकेट लिए।

नाओमी ओसाका ने किया खेल से ब्रेक लेने का एलान

न्यूयार्क (एजेंसी)। विश्व की नंबर 3 खिलाड़ी जापान की नाओमी ओसाका ने एक बड़ा फैसला किया है। यूएस ओपन के तीसरे दौर में कनाडा की 18 साल की लीला फर्नांडिज से नाओमी ओसाका को हार का सामना करना पड़ा। इस हार से वे टूर्नामेंट से बाहर हो गईं और उन्होंने साफ कर दिया कि वे इस खेल से फिलहाल ब्रेक ले रही हैं। यूएस ओपन में मिली हार के बाद नाओमी ओसाका ने कहा कि उन्हें नहीं पता वह कब अपना अगला मैच खेलेंगी। इतना ही नहीं, यूएस ओपन में हारने के बाद उन्होंने अपना रैकेट भी तोड़ दिया था। 23 वर्षीय ओसाका यूएस ओपन में इस वर्ष गत विजेता के रूप में उतरी थीं, लेकिन लीला फर्नांडिज ने उन्हें 5-7, 7-6(2), 6-4 से हराकर उनका अभियान समाप्त कर दिया। ओसाका मुकाबले के बाद कहा, ठहाल के दिनों में जब मैं जीत जाती हूं तो मुझे अच्छा महसूस नहीं होता। मुझे राहत मिलती है, लेकिन जब मैं हारती हूं तो दुखी हो जाती हूं। मुझे नहीं लगता यह सामान्य है।ठ डब्ल्यूटीएटेनिस डॉट कॉम ने लिखा,

जब यूएस ओपन के माडरेटर ने प्रेस कान्फ्रेंस खत्म करने की पेशकश की, तो ओसाका ने मना कर दिया।

ओसाका ने कहा, ठयह बयां करना बहुत कठिन है। मूल रूप से मुझे ऐसा लगता है कि मैं इस बिंदु पर एक तरह की हूं जहां मैं यह पता लगाने की कोशिश कर रही हूं कि मैं क्या करना चाहती हूं और मैं ईमानदारी से नहीं जानती कि मैं अपना अगला टेनिस मैच कब खेलने जा रही हूं। मुझे लगता है कि मैं कुछ समय के लिए खेलने से ब्रेक लेने जा रही हूं।ठ नाओमी ओसाका इस साल मई में मानसिक स्वास्थ्य का हवाला देकर फ्रेंच ओपन से हट गई थीं। इसके बाद वह विंबलडन में भी नहीं खेली थीं और उन्होंने जुलाई मे टोक्यो ओलिंपिक से वापसी की थी।

अगले पांच साल तक कोलकाता में होगा डूरंड कप

कोलकाता (एजेंसी)। एशिया का सबसे पुराना फुटबाल टूर्नामेंट डूरंड कप अगले पांच साल तक कोलकाता में खेला जाएगा। भारतीय सेना के पूर्वी कमान के प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल केके रेप्सवाल ने गुरुवार को यह जानकारी दी। टूर्नामेंट का 130वां सत्र रविवार से कोलकाता में शुरू होगा। इससे पहले 2019 में भी इसका आयोजन कोलकाता में किया गया था, जबकि यह दिल्ली में खेला जाता रहा है।

डूरंड कप के प्रमुख रेप्सवाल ने कहा, ठपिछली बार कोलकाता में टूर्नामेंट को लेकर उत्साह से हम काफी अभिभूत हैं और समिति ने इसीलिए अगले पांच साल तक इसका आयोजन यहीं करने का फैसला किया है।ठ टूर्नामेंट में 16 टीमें भाग लेंगी, जिनमें पांच इंडियन सुपर लीग क्लब भी हैं। इन्हें चार समूहों में बांटा गया है और हर समूह से शीर्ष दो टीमें क्वार्टर फाइनल खेलेंगी। बंगाल के खेल मंत्री अरूप बिश्वास ने 130वें डूरंड कप के लिए दर्शकों की उपस्थिति मानदंडों के बारे में बताया कि कोरोना महामारी के चलते शुरुआत में स्टैंड्स में दर्शकों की कम से कम उपस्थिति होगी। उन्होंने कहा कि बंगाल सरकार ने स्टेडियमों के अंदर 50 फीसद क्षमता की अनुमति दी है, लेकिन डूरंड कप टूर्नामेंट समिति ने कोरोना महामारी के मद्देनजर न्यूनतम उपस्थिति की अनुमति देने का फैसला किया है और फिर धीरे-धीरे टूर्नामेंट के अंतिम चरण की ओर बढ़ने और सब कुछ ठीक रहने पर सरकार 50 फीसद उपस्थिति की अनुमति देगी।

स्वर्णिम समापन, अंतिम दिन भारत ने जीते दो पदक

कुल 19 मेडल किए हासिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। टोक्यो पैरालिंपिक का रविवार को समापन हो गया। अंतिम दिन भारत ने दो पदक जीते और ये दोनों पदक बैडमिंटन की दो अलग-अलग स्पर्धाओं में आए। भारत को दिन का पहला पदक गौतमबुद्ध नगर के जिलाधिकारी (डीएम) सुहास एल यतिराज ने रजत पदक के रूप में दिलाया तो कृष्णा नागर ने स्वर्ण पदक जीतकर टूर्नामेंट में भारत के सुखद अभियान का स्वर्णिम समापन किया। भारत की झोली में इस पैरालिंपिक में 19 मेडल आए। कर्नाटक के 38 वर्षीय सुहास एल यतिराज पुरुष सिंगल्स के फाइनल में शीर्ष वरीय फ्रांस के लुकास माजूर से करीबी मुकाबले में हार गए। उन्हें दो बार के विश्व चैंपियन माजूर से 62 मिनट तक चले फाइनल में

21-15, 17-21, 15-21 से हार का सामना करना पड़ा। इस रजत पदक के साथ सुहास पैरालिंपिक में पदक जीतने वाले पहले आइएएस अधिकारी भी बन गए हैं।

दूसरी वरीय कृष्णा नागर ने पुरुष सिंगल्स की एक अन्य स्पर्धा के फाइनल में रोमांचक जीत दर्ज की। जयपुर के 22 साल के कृष्णा ने हांगकांग के चू मैन काई को तीन गेम तक चले रोमांचक फाइनल में 21-17, 16-21, 21-17 से हराया। यह मौजूदा टूर्नामेंट में बैडमिंटन में भारत का दूसरा स्वर्ण पदक है। कृष्णा से पहले प्रमोद भगत ने शनिवार को ने पुरुषों के पैरा बैडमिंटन एफ6 इवेंट में स्वर्ण पदक जीता है! एक शानदार उपलब्धि जिसके लिए हमें बहुत गर्व है! उनकी शानदार सफलता के लिए उन्हें बहुत-बहुत बधाई !! वहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इस एथलीट को सराहा है और उनके गोल्ड मेडल जीतने पर बधाई देते हुए ट्वीट किया है, ठहमारे बैडमिंटन खिलाड़ियों को टोक्यो पैरालिंपिक में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए देखकर खुशी हुई। कृष्णा नगर के शानदार कारनामे ने हर भारतीय के चेहरे पर मुस्कान ला दी है। उन्हें गोल्ड मेडल जीतने पर बधाई। उनके आगे के प्रयासों के लिए उन्हें शुभकामनाएं।

56 खिलाडियों का दल भेजा था भारत ने टोक्यो पैरालिंपिक के लिए।
19 पदक जीते भारत ने, जिसमें पांच स्वर्ण, आठ रजत, छह कांस्य पदक शामिल रहे। भारत पदक तालिका में 24वें स्थान पर रहा।
12 पदक इस आयोजन से पहले तक टूर्नामेंट के इतिहास में भारत ने जीते थे।

बैडमिंटन में भारत को पहला स्वर्ण पदक दिलाया था।टोक्यो पैरालिंपिक का अंत रविवार को रंगारंग कार्यक्रम के साथ हुआ। 24 अगस्त से शुरू हुए इन पैरालिंपिक के समापन समारोह के दौरान भारतीय दल की अगुआई अवनि लेखरा ने की, जो ध्वजवाहक बनकर हाथ में तिरंगा लेकर नजर आई। उनके साथ भारतीय दल के 11 और सदस्य मौजूद थे। सबसे पहले जापान के एक पैरालिंपिक और ओलिंपिक के एक-एक पदक विजेता समेत छह लोग जापान के झंडे को स्टेडियम में लेकर आए। दुनिया भर से आए खिलाड़ियों ने समापन समारोह में हिस्सा लिया, जिसका अंत आतिशबाजी से हुआ।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा, सेवा और खेल का अद्भुत संगम। सुहास यतिराज ने अपने असाधारण खेल की बदौलत पूरे देश को खुश कर दिया। बैडमिंटन में रजत पदक जीतने पर उन्हें बधाई। भविष्य की प्रतियोगिताओं के लिए उन्हें शुभकामनाएं। हमारे बैडमिंटन खिलाड़ियों के टोक्यो पैरालिंपिक में उत्कृष्ट प्रदर्शन को देखकर खुशी हो रही है। कृष्णा नागर की शानदार उपलब्धि प्रत्येक भारतीय के चेहरे पर मुस्कान लेकर आई है। स्वर्ण पदक जीतने के लिए उन्हें बधाई। भविष्य के लिए उन्हें बहुत-बहुत शुभकामनाएं।

कृष्णा नागर ने टोक्यो पैरालिंपिक में भारत को दिलाया पांचवां गोल्ड, बैडमिंटन में किया कमाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। टोक्यों ओपपिंक 2020 में भारतीय खिलाड़ियों का दमदार प्रदर्शन जारी है। रविवार 5 सितंबर की सुबह 10 बजे तक भारत ने 19 पदक अपने नाम कर लिए हैं। टोक्यो पैरालिंपिक खेलों में 19वां पदक बैडमिंटन खिलाड़ी कृष्णा नागर ने दिलाया है। कृष्णा ने पैरालिंपिक खेलों में स्वर्ण पदक जीता है, जो कि भारत का इन खेलों में पांचवां व्यक्तिगत गोल्ड मेडल है। इसी के साथ उन्होंने इतिहास रच दिया है।टोक्यो पैरालंपिक बैडमिंटन पुरुष एकल एफ6 मुकाबले में कृष्णा नागर ने हांगकांग काई मान चू को हराकर स्वर्ण पदक जीता। फाइनल मुकाबले में के पहले दौर के खेल में कृष्णा ने काई मान चू को 21-17 से हराया। हालांकि, दूसरे गेम में हांगकांग के खिलाड़ी ने वापसी की और मुकाबला 21-16 से अपने नाम किया, लेकिन तीसरे राउंड में भारतीय पैरा शटलर कृष्णा नागर ने जबरदस्त वापसी करते हुए 21-17 से जीत हासिल की और मुकाबला 2-1 से जीतकर स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया।

टोक्यो में जारी पैरालिंपिक खेल अपने आखिरी चरण में है और भारतीय खिलाड़ियों का प्रदर्शन अब तक दमदार रहा है। भारत ने पांच गोल्ड मेडल, 8 सिल्वर मेडल और 6 कांस्य पदक जीते हैं। पैरालिंपिक खेलों के इतिहास में भारत के लिए ये

टूर्नामेंट एतिहासिक रहा है, क्योंकि भारत ने अब तक सिर्फ 12 पदक ही इन खेलों में जीते थे, लेकिन अब एक ही पैरालिंपिक में भारत ने डेढ़ दर्जन से भी ज्यादा पदकों पर कब्जा जमाया है। राजस्थान के कृष्णा नागर अभी महज 22 साल के हैं और उन्होंने पैरालिंपिक में गोल्ड मेडल जीतने से पहले विश्व चैंपियनशिप में रजत और कांस्य पदक जीता हुआ है। इसके अलावा वे पैरा एशियन गेम्स में भी कांस्य पदक अपने नाम कर चुके हैं। अपनी कैटेगरी में वे इस समय दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी हैं। मौजूदा प्रदर्शन को देखा जाए तो वे जल्द नंबर एक पर भी काबिज हो सकते हैं।

राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कृष्णा नागर की प्रशंसा की है। उन्होंने ट्वीट करते हुए कहा है, ठटोक्यो पैरालिंपिक से बड़ी खुशखबरी है कि जयपुर, राजस्थान के पैरा-बैडमिंटन खिलाड़ी कृष्णा नागर

नोएडा के डीएम सुहास एल यतिराज ने टोक्यो पैरालिंपिक में भारत को दिलाया 18वां पदक, रचा इतिहास

नई दिल्ली (एजेंसी)। टोक्यों ओलपिंक 2020 में गौतमबुद्ध नगर के जिलाधिकारी सुहास एल यतिराज ने कमाल करते हुए इतिहास रचा है। सुहास एल यतिराज ने टोक्यो में जारी पैरालिंपिक खेलों में सिल्वर मेडल अपने नाम किया है। इन खेलों में भारत का ये 18वां पदक है। भारत के पैरा बैडमिंटन खिलाड़ी सुहास एल यतिराज ने टोक्यो पैरालिंपिक में मेंस सिंगल्स एसएल4 बैडमिंटन प्रतियोगिता में रजत पदक से संतोष किया है। फाइनल में सुहास एल यतिराज का सामना फ्रांस के लुकास मजूर से हुआ। फाइनल मुकाबले में सुहास ने पहला राउंड जीत लिया था, लेकिन अगले दो राउंड में उनको हार मिली और वे गोल्ड मेडल से चूक गए। पहला गेम 21-15 से जीतने वाले सुहास एल यतिराज को दूसरे गेम में 17-21 से हार का सामना करना पड़ा, जबकि तीसरे गेम में भी उनको 15-21 से हार मिली।

इस तरह 2-1 से हारकर वे स्वर्ण पदक से चूक गए, लेकिन देश को सिल्वर मेडल दिलाने में अपनी भूमिका अदा की। भारत का इन खेलों में ये 18वां मेडल है। टोक्यो पैरालिंपिक खेलों की बात करें तो ये भारत का 8वां सिल्वर मेडल है। इससे पहले भारत 4 गोल्ड मेडल, सात सिल्वर मेडल और 6 कांस्य पदक अपने नाम कर चुका है। कुछ और पदकों की उम्मीद भारतीय खिलाड़ियों से जारी है, लेकिन अब इन खेलों के समापन में भी ज्यादा समय बाकी नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सुहास एल यतिराज को बधाई दी है और ट्वीट करते हुए कहा, ठसेवा और खेल का एक शानदार संगम! डीएम गौतमबुद्ध नगर सुहास यतिराज ने अपने असाधारण खेल प्रदर्शन से हमारे पूरे देश की कल्पना पर कब्जा कर लिया है। बैडमिंटन में रजत पदक जीतने पर उन्हें बधाई। उन्हें उनके भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं। कर्नाटक से आने वाले सुहास 2007 में उत्तर प्रदेश कैडर से आइएएस बने और मौजूदा समय में नोएडा (गौतमबुद्ध नगर) में जिलाधिकारी के पद पर तैनात हैं। सुहास एल यतिराज पैरा खिलाड़ियों में विश्व के नंबर दो के खिलाड़ी हैं। 38 साल के सुहास ने इससे पहले जकार्ता एशियन पैरा गेम्स में कांस्य पदक अपने नाम किए था। वे प्रयागराज के जिलाधिकारी भी रह चुके हैं।

ऋषभ पंत के आउट होते ही फैन्स ने संजय मांजरेकर को लताड़ा, बोले- कमेंट्री से हटाओ

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व क्रिकेटर और कमेंटेटर संजय मांजरेकर ओवल में खेले जा रहे चौथे टेस्ट मैच में चर्चा का विषय बन गए हैं। मांजरेकर को सोशल मीडिया पर फैन्स कमेंट्री बॉक्स से बैन करने की मांग भी कर रहे हैं। आप सोच रहे होंगे कि ऐसा क्या गुनाह कर दिया इस पूर्व क्रिकेटर ने कमेंट्री में। दरअसल, भारत के दूसरी पारी में शार्दुल ठाकुर और ऋषभ पंत बेहतरीन बल्लेबाजी कर रहे थे और दोनों के बीच में सातवें विकेट के लिए शतकीय साझेदारी भी हो चुकी थी, लेकिन कमेंट्री में मांजरेकर के तारीफ करने के साथ ही शार्दुल आउट हो गए। इसके बाद मांजरेकर ने फिफ्टी जड़ने पर पंत की प्रशंसा की और अगली ही बॉल पर भारतीय विकेटकीपर भी पवेलियन लौट गया। जिसके बाद फैन्स का गुस्सा संजय मांजरेकर पर टूट पड़ा है।

टीम इंडिया के फैन्स संजय मांजरेकर को कमेंट्री बॉक्स से बैन करने की मांग कर रहे हैं और उनको भारतीय बल्लेबाजों के लिए अपशगुन बता रहे हैं। फैन्स के मुताबिक, चौथे टेस्ट के तीसरे दिन भी जब मांजरेकर कमेंट्री बॉक्स में थे तो टीम इंडिया ने रोहित शर्मा और चेतेश्वर पुजारा का विकेट गंवा दिया

था और आज फिर ऐसा ही हुआ। जिसके बाद मांजरेकर ट्विट पर ट्रेंड करने लगे और उनको कमेंट्री से हटाने की मांग की गई।

भारत और इंग्लैंड के बीच ओवल के मैदान पर खेले जा रहे चौथे टेस्ट मैच में ऋषभ पंत और शार्दुल ठाकुर की धांसू पारी की बदौलत टीम इंडिया मजबूत स्थिति में पहुंच गई है। चौथे दिन के टी ब्रेक तक भारतीय टीम की लीड 350 के करीब पहुंच चुकी है और टीम के दो विकेट बचे हुए हैं। इससे पहले चौथे दिन टीम इंडिया की शुरुआत अच्छी नहीं रही और रविंद्र जडेजा अपने कल के स्कोर में सिर्फ 8 रन ही जोड़ सके और क्रिस वोक्स का शिकार बने। इसके बाद रहाणे और कप्तान विराट कोहली भी अपना विकेट फेंककर चलते बने। कोहली 44 रन बनाकर अच्छी लय में नजर आ रहे थे, लेकिन वह मोईन अली के स्पिन जाल में फंस गए और अपना विकेट गंवा बैठे। पहले सेशन में इंग्लैंड ने भारत के तीन बड़े बल्लेबाजों को पवेलियन भेजकर मैच में जबरदस्त कमबैक किया, लेकिन दूसरे सेशन में पंत और शार्दुल इंग्लिश गेंदबाजों पर भारी पड़े और ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की।

अब 27 सितंबर को होगा भारत बंद, महापंचायत में किसान मोर्चा ने किया ऐलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। किसानों का भारत बंद अब 25 सितंबर के बजाए 27 सितंबर को होगा। महापंचायत के दौरान किसान मोर्चा ने इस बात का ऐलान किया।गौरतलब है कि केंद्र द्वारा बनाए गए तीन कृषि कानूनों को वापस लेने के लिए किसान लगातार आंदोलन कर रहे हैं। करीब नौ महीने से किसान दिल्ली बॉर्डर पर जुटे हुए हैं, लेकिन सरकार उनकी मांग पर ध्यान नहीं दे रही है। वहीं किसानों ने भी ठान लिया है कि वह अपनी मांग मनवाकर रहेंगे। इसके लिए किसानों ने 25 सितंबर को भारत बंद का ऐलान किया था। लेकिन रविवार को इस आंदोलन की तारीख बदलकर 27 सितंबर कर दी है।

किसान मोर्चा ने कहा कि 27 सितंबर को उनके भारत बंद के दौरान देश में सबकुछ बंद रहेगा। इसके साथ ही यूपी संयुक्त किसान मोर्चे के गठन का भी ऐलान किया गया है। वहीं रविवार को किसान महापंचायत के दौरान किसानों के नेता राकेश टिकैत ने किसान आंदोलन को लेकर कई अन्य घोषणाएं भी कीं। उन्होंने कहा कि हमने शपथ ली है कि मरते दम तक हम धरनास्थल से हटेंगे नहीं। भले ही वहां पर हमारी कब्र ही क्यों न बना दी जाए। अगर जरूरत पड़ी तो हम अपनी जान भी दे देंगे, लेकिन हम वहां से हटेंगे नहीं। जब तक हम जीत नहीं जाते हैं, हमें कोई भी ताकत वहां से हटा नहीं सकती है। गौरतलब है कि किसान दिल्ली बॉर्डर पर करीब 9 महीने से धरना दे हैं। इसके साथ ही राकेश टिकैत ने यह भी कहा कि जब सरकार हमें बुलाएगी हम वार्ता के लिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि जब तक सरकार हमारी मांग नहीं मान लेती है, हमारा धरना जारी रहेगा। टिकैत ने कहा कि देश की आजादी के लिए तो 90 साल तक संघर्ष हुआ था। हम नहीं बता सकते कि हमारा संघर्ष कितना लंबा चलेगा।

सशस्त्र बलों को वीरता पदक प्रदान करने वाले तंत्र को मनमाना घोषित करने की मांग, दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दायर

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट में एक याचिका दायर करके अनुरोध किया गया है कि सशस्त्र बल कर्मियों को वीरता पदक देने की मौजूदा व्यवस्था को कथित अपारदर्शी चयन प्रक्रिया के कारण मनमाना और निष्पक्षता के सिद्धांतों के खिलाफ घोषित किया जाए। याचिका पर अगले सप्ताह सुनवाई होने की संभावना है। इसमें आरोप लगाया गया है कि ऐसे उदाहरण हैं, जहां उच्च मान्यता के योग्य वीरता के कृत्यों को व्यवस्था द्वारा नजरअंदाज कर दिया गया है।

इसमें कहा गया है कि किसी निर्णय की समीक्षा किए जाने के लिए एक तंत्र नहीं होने के कारण सशस्त्र बलों के योग्य कर्मियों के साथ अन्याय के गंभीर मामले सामने आए हैं। याचिका एक रिटायर्ड रक्षा कर्मी द्वारा दायर की गई है। इसमें कहा गया है कि वीरता पुरस्कार आमतौर पर शांति या युद्ध के दौरान सशस्त्र बलों के कर्मियों द्वारा किए गए वीरता के विशिष्ट कार्यों के लिए दिए जाते हैं। इसमें कहा गया है कि इन सभी वीरता पदकों को भारत के राष्ट्रपति के कार्यालय द्वारा समय-समय पर जारी विभिन्न अधिसूचनाओं के माध्यम से विनियमित किया जाता है जिसमें इसके रूप, चयन मानदंड और पुरस्कार विजेताओं को दिए जाने वाले लाभ तय होते हैं।

इसमें अनुरोध किया गया है कि कामकाज में अस्पष्टता के आधार पर मौजूदा व्यवस्था को मनमाना और असंवैधानिक घोषित किया जाए। याचिका में कहा गया है कि वर्तमान तंत्र जो सशस्त्र बलों के कर्मियों द्वारा वीरता पदक के पुरस्कार के लिए व्यक्तिगत रूप से बहादुरी के प्रत्येक कार्य पर विचार करता है, उसका कामकाज अपरिभाषित और अपारदर्शी है। याचिका में कहा गया है कि गलत निर्णय की समीक्षा के लिए कोई तंत्र नहीं होने से सशस्त्र बलों के योग्य कर्मियों के साथ अन्याय के गंभीर मामले सामने आए हैं।

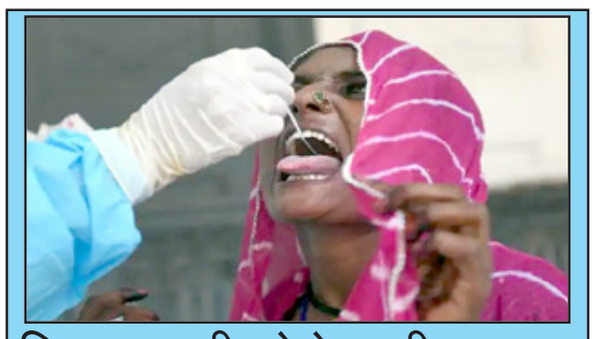

फिर डरा रही कोरोना की रफ्तार, एक दिन में आए 42 हजार पार नए केस, एक्टिव मामले भी बढ़े

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में कोरोना संक्रमण ने एक बार फिर से रफ्तार पकड़ ली है। बीते एक दिन में देश के अंदर कोरोना के 42 हजार 766 नए मामले दर्ज किए गए हैं, जो पिछले दिन की तुलना में भी थोड़े ज्यादा हैं। देश में एक बार फिर से कोरोना के इलाजरत मरीजों का आंकड़ा 4 लाख को पार कर गया है और अब कुल संक्रमितों के 1.24 फीसदी एक्टिव केस देश में मौजूद हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से जारी ताजा आंकड़ों के मुताबिक, फिलहाल भारत में कोरोना एक्टिव केसों की संख्या बढ़कर 4 लाख 10 हजार 48 तक पहुंच गई है। वहीं, कोरोना से ठीक होने वालों की दर भी 97.42 फीसदी पर है। देश में बीते एक दिन के अंदर कोरोना के 38 हजार 91 मरीज ठीक हुए हैं, जिसके बाद कोरोना से ठीक होने वाले कुल मरीजों का आंकड़ा 3 करोड़ 21 लाख 38 हजार 92 तक पहुंच गया है। हालांकि, नए मामलों में अभी भी केरल सबसे बड़ा हिस्सेदार बना हुआ है। यहां पिछले 24 घंटे के अंदर कोरोना के 29 हजार 682 नए केस दर्ज किए गए हैं। इसी अवधि में राज्य में कोरोना से 142 मरीजों ने भी दम तोड़ दिया। तेजी से बढ़ते मामलों के बीच राहत भरी बात यह है कि साप्ताहिक संक्रमण दर बीते 72 दिनों से 3 फीसदी से नीचे ही बना हुआ है। वहीं, दैनिक संक्रमण दर 2.45 फीसदी दर्ज किया गया है।

टुकड़े टुकड़े गैंग की मददगार है इंफोसिस

पांचजन्य के लेख से आरएसएस ने बनाई दूरी, कहा- यह हमारा मुखपत्र नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईटी दिग्गज कंपनी इंफोसिस को लेकर पत्रिका पांचजन्य के विचार से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने किनारा कर लिया है। इतना ही नहीं, आरएसएस ने पांचजन्य को अपना मुखपत्र मानने से भी इनकार कर दिया है। आरएसएस के अखिल भारतीय प्रचार प्रभारी सुनील अंबेडकर ने पांचजन्य-इंफोसिस विवाद से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को अलग करते हुए कहा कि भारत की उन्नति और विकास में इस आईटी दिग्गज कंपनी इन्फोसिस का अहम योगदान है। यह स्वीकार करते हुए कि कंपनी द्वारा विकसित पोर्टलों के साथ समस्या हो सकती है, उन्होंने ने कहा कि पत्रिका (पांचजन्य) संघ का आधिकारिक मुखपत्र नहीं है और विचारों को व्यक्तिगत माना जाना चाहिए। आरएसएस प्रभारी सुनील अंबेडकर ने ट्वीट किया, भारतीय कंपनी के नाते इंफोसिस का भारत की उन्नति में महत्वपूर्ण योगदान है। इंफोसिस संचालित पोर्टल को लेकर कुछ मुद्दे हो सकते हैं, परंतु पान्चजन्य में इस संदर्भ में प्रकाशित लेख, लेखक के अपने व्यक्तिगत विचार हैं, तथा पांचजन्य संघ का मुखपत्र नहीं है। अतः राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को इस लेख में व्यक्त विचारों से नहीं जोड़ा जाना चाहिए।

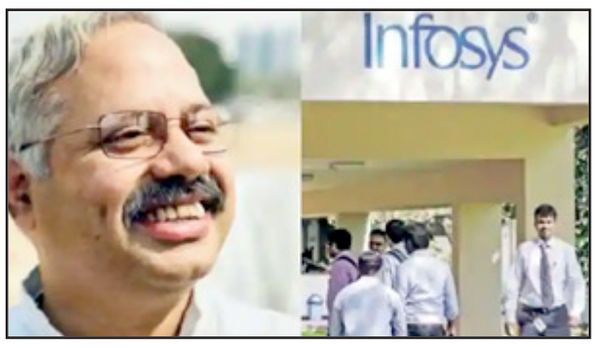

भारतीय कंपनी के नाते इंफोसिस का भारत की उन्नति में महत्वपूर्ण योगदान है।इंफोसिस संचालित पोर्टल को लेकर कुछ मुद्दे हो सकते हैं परंतु पान्चजन्य में इस संदर्भ में प्रकाशित लेख,लेखक के अपने व्यक्तिगत विचार हैं,तथा पांचजन्य संघ का मुखपत्र नहीं है।दरअसल, आरएसएस से जुड़ी पत्रिका पांचजन्य ने वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) पोर्टल और भारत सरकार के नए आयकर पोर्टल के मुद्दों को लेकर इंफोसिस की आलोचना की है। इंफोसिस द्वारा विकसित वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) और आयकर पोर्टलों में खामियों को लेकर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से संबंधित साप्ताहिक पत्रिका पांचजन्य ने स्वदेशी सॉफ्टवेयर निर्माता कंपनी पर हमला किया और पूछा है कि क्या कोई राष्ट्र-विरोधी शक्ति इसके माध्यम से भारत के आर्थिक हितों को अघात पहुंचाने की कोशिश कर रही है। अपने लेटेस्ट एडिशन में पांचजन्य ने इंफोसिस साख और अघात शीर्षक से चार पेज की कवर स्टोरी (कहानी) प्रकाशित की है और कवर पेज पर इसके संस्थापक नारायण मूर्ति की तस्वीर छापी है। लेख में बेंगलुरु स्थित कंपनी पर हमला किया गया है और इसे ऊंची दुकान, फीका पकवान बताया गया है। यह रेखांकित करते हुए कि इंफोसिस द्वारा विकसित इन पोर्टलों में नियमित रूप से दिक्कतें आती हैं, जिस वजह से करदाताओं और निवेशकों को परेशानी होती है, लेख में कहा गया कि ऐसी घटनाओं ने भारतीय अर्थव्यवस्था में करदाताओं के विश्वास को कम कर दिया है। लेख में कहा गया है कि सरकारी संगठन और एजेंसियां इंफोसिस को अहम वेबसाइटों और पोर्टलों के लिए अनुबंध देने में कभी नहीं हिचकिचाती हैं क्योंकि यह भारत की सबसे प्रतिष्ठित सॉफ्टवेयर कंपनियों में से एक है। लेख में हैरानी जताई गई है कि इंफोसिस द्वारा विकसित जीएसटी और आयकर रिटर्न पोर्टलों, दोनों में गड़बड़ियों के कारण, देश की अर्थव्यवस्था में करदाताओं के भरोसे को अघात पहुंचा है। क्या इंफोसिस के जरिए कोई राष्ट्रविरोधी ताकत भारत के आर्थिक हितों को अघात पहुंचाने की कोशिश कर रही है? हालांकि लेख में उल्लेख किया गया है कि पत्रिका के पास यह कहने के लिए कोई ठोस सबूत नहीं है, लेकिन इसमें कहा गया है कि इंफोसिस पर कई बार नक्सलियों, वामपंथियों और टुकड़े-टुकड़े गिरोह की मदद करने का आरोप लगाया गया है। इसमें यह भी पूछा कि क्या इंफोसिस ठअपने विदेशी ग्राहकों को भी इसी तरह की घटिया सेवा प्रदान करेगी?

यूपी में प्रियंका गांधी के चेहरे पर कांग्रेस लड़ेगी विधानसभा चुनाव : सलमान खुर्शीद

अलीगढ़ (एजेंसी)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व पूर्व केंद्रीय विदेश मंत्री सलमान खुर्शीद ने रविवार को कहा कि उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में 2022 में प्रियंका गांधी ही कांग्रेस का चेहरा होंगी। मुख्यमंत्री कौन होगा इसका फैसला शीर्ष नेतृत्व को करना होगा। यूपी विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को शून्य से आगे ले जाना होगा। यूपी में उत्तर प्रदेश में 15 से 20 सालों में कांग्रेस का वर्चस्व गिरा है। चुनाव में गठबंधन को सिरे से खारिज किया। विधानसभा चुनाव 2022 के लिए घोषणा पत्र तैयार करने को लेकर जनता की नब्ज टटोलने को कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व पूर्व विदेश मंत्री सलमान खुर्शीद अलीगढ़ आए। उन्होंने मैरिस रोड धर्मपुर कोर्टयार्ड में प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि समाज में उथल-पुथल मची है। समाज राजनीतिक पार्टियों से क्या चाहता है उसको जानने के लिए कांग्रेसी जिलों में निकलें हैं। घोषणा पत्र समिति के सदस्य व्यापारी, अधिवक्ता, शिक्षक, किसान, मजदूर, युवा समेत अन्य के सुझावों को शामिल करेंगे। सलमान खुर्शीद ने कहा कि कांग्रेस का वर्चस्व यूपी में गिरा हैं। इसको हम कभी संभाल लेते हैं तो कभी नहीं।

पार्लियामेंट हो या फिर विधानसभा चुनाव उसमें कांग्रेस कमजोर पड़ रही है। इसी बिन्दु का अध्ययन करने के लिए टीम जनता के बीच में उतरी है। प्रेस कांफ्रेंस में कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनाटे, राष्ट्रीय सचिव रोहित चौधरी, हरियाणा कांग्रेस प्रदेश प्रभारी विवेक बंसल, राष्ट्रीय सचिव मो. तारिक आलम, अलीगढ़ प्रभारी मुकेश धनगर मौजूद रहे।

सलमान खुर्शीद ने कहा कि राजनीतिक दलों की नजर जातियों पर है। चुनाव में जातिगत प्रथा समाप्त होनी चाहिए। कांग्रेस ने पिछड़ों, अतिपिछड़ों समेत अन्य जातियों के लिए आरक्षण की व्यवस्था की ताकि उनको भी समाज में बराबरी का मौका मिले। लेकिन कुछ जातियां ऐसी भी हैं जिनको आरक्षण की जरूरत है। आने वाले समय में आरक्षण में संशोधन पर विचार करना होगा।

भारत में क्यों बढ़ रहे डीजल-पेट्रोल के दाम? बीजेपी नेता ने कहा- तालिबान है जिम्मेदार

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों से आम आदमी परेशान है। इस बीच भारतीय जनता पार्टी के एक विधायक का मानना है कि अफगानिस्तान में तालिबान की वापसी की वजह से पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ रहे हैं। कर्नाटक के भाजपा विधायक अरविंद बेलाड ने वैश्विक ईंधन आपूर्ति समस्याओं और भारत में गैस, पेट्रोल और डीजल की आसमान छूती कीमतों के पीछे अफगानिस्तान में तालिबानी कब्जे को जिम्मेदार ठहराया है। समाचार एजेंसी के मुताबिक, हुबली-धारवाड़ पश्चिम से भाजपा के विधायक अरविंद बेलाड ने कहा कि अफगानिस्तान में तालिबान की सत्ता पाने की लड़ाई के शुरुआत के बाद से ही दुनिया भर में ईंधन की आपूर्ति प्रभावित हुई हैं। उन्होंने कहा कि इससे भारत में गैस, डीजल और पेट्रोल की कीमतों में वृद्धि हुई है।

बता दें कि देशभर के ज्यादातर राज्यों में पेट्रोल का दाम सौ पार कर चुका है। पेट्रोल की कीमतों ने जुलाई में ही देश भर के कई राज्यों में 100 का आंकड़ा पार कर लिया। दिल्ली में फिलहाल, पेट्रोल 101.34 रुपए मिल रहा है तो डीजल 88.77 रुपए मिल रहा है। वहीं मुंबई में आज पेट्रोल 107.39 रुपए तो डीजल 96.33 रुपए बिक रहा है। बता दें कि पेट्रोल और डीजल की कीमतों में आज यानी रविवार को गिरावट देखने को मिली है। इंडियन ऑयल कार्पोरेशन लिमिटेड की वेबसाइट के अनुसार आज राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली पेट्रोल और डीजल की कीमतों में 15-15 पैसे की कटौती हुई है। हालांकि इसके बावजूद दिल्ली में अब भी पेट्रोल का भाव 100 प्रति लीटर के ऊपर है। इससे पहले बुधवार को भी तेल कंपनियों ने पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कटौती की थी।

पाकिस्तान के इशारे पर चलेगा तालिबान? अफगानिस्तान के पूर्व पीएम से काबुल में मिले आईएसआई चीफ

नई दिल्ली (एजेंसी)। अफगानिस्तान में किसी भी वक्त नई सरकार का ऐलान हो सकता है। अफगानिस्तान में तालिबान की ओर से नई सरकार के गठन में पाकिस्तान की भी अहम भूमिका हो सकती है। इसके पीछे कई वजहें भीं हैं। दोनों देशों की सीमा भी एक दूसरे से लगती है। इस बीच पाकिस्तान के इंटर सर्विसेज इंटेलिजेंस (घ्ग्घ्) के महानिदेशक फैज हमीद ने रविवार को अफगानिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री गुलबुद्दीन हिकमतयार से मुलाकात की। हिज़्ब-ए-इस्लामी नेता के एक करीबी सूत्र ने टोलो न्यूज़ से पुष्टि की कि आईएसआई प्रमुख ने कल रात अन्य तालिबान नेताओं के साथ बैठक करने के हिकमतयार से मुलाकात की थी। बता दें कि मुजाहिदीन के पूर्व नेता गुलबुद्दीन हिकमतयार ने अफगानिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति हामिद करजई और नेशनल रिकन्सिलेशन के लिए अफगान

उच्च परिषद के अध्यक्ष अब्दुल्ला अब्दुल्ला ने देश में शांति पूर्वक सत्ता के हस्तांतरण के लिए एक कोआर्डिनेशन काउंसिल का गठन किया था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बैठक के दौरान हमीद और हिकमतयार ने एक समावेशी सरकार के गठन पर चर्चा की। रिपोर्ट के मुताबिक फैज हमीद सरकार नई सरकार के गठन में तालिबान की मदद करने के लिए इस समय काबुल में ठहरे हुए हैं। इससे पहले आज ही टोलो न्यूज ने बताया था कि तालिबान जल्द ही अफगानिस्तान के लिए एक नई सरकार की घोषणा करने जा रहा है। बता दें कि तालिबान ने 3 सितंबर को जुम्मे की नमाज़ के बाद सरकार गठन की बात कही थी लेकिन अब रिपोर्ट्स बता रही हैं कि सरकार गठन में कुछ दिनों की देरी हो सकती है। हालांकि, तालिबानी नेता जल्द ही नई सरकार के गठन की बात कह रहे हैं। एक्सपर्ट्स इस गठन में देरी का सबसे प्रमुख कारण पंजशीर घाटी में जारी लड़ाई को बता रहे हैं।

तालिबान के सामने सरेंडर नहीं करेंगे अमरुल्लाह सालेह, अपने गार्ड से कहा- तो मार देना मेरे सिर में गोली

काबुल (एजेंसी)। कभी अफगानिस्तान के उप राष्ट्रपति रहे अमरुल्लाह सालेह इन दिनों अपने देश के आत्मसम्मान के लिए लड़ रहे हैं। वह पंजशीर घाटी में तालिबान लड़ाकों के खिलाफ रेजिस्टेंस फोर्सेज का नेतृत्व कर रहे हैं। इस बीच सालेह ने ब्रिटिश न्यूजपेपर डेली मेल में एक लेख लिखा है। सालेह ने लिखा है कि अगर पंजशीर में लड़ाई के दौरान वो घायल हो जाते हैं तो उन्होंने अपने गाड्र्स को खास इंस्ट्रक्शन दिया है। उनसे कहा गया है कि ऐसा होने पर वो मेरे सिर में दो गोलियां मार दें, क्योंकि मैं तालिबान के सामने आत्मसमर्पण नहीं करना चाहता। अपने पंजशीर पहुंचने के बारे में सालेह ने लिखा है कि वह दो सैन्य वाहनों और दो पिकअप ट्रक से वहां के लिए निकले। इन ट्रकों पर बंदूकें लगी हुई थीं। पंजशीर जाते वक्त रास्ते में दो बार इस कॉन्वॉय पर हमला हुआ। उन्होंने लिखा है कि हमने बहुत मुश्किल के बाद नॉर्दन पास को पार किया। यहां पर कई तरह की गौरकानूनी गतिविधियां चल रही थीं। हर तरफ ठग, चोरों और तालिबान का राज था। हमारे ऊपर भी दो बार हमले हुए लेकिन हम लोग बच गए।

हमने बहुत कठिनाई के साथ यह रास्ता पार किया। सालेह ने आगे लिखा है कि जब वह पंजशीर पहुंच गए तो उन्हें संदेश मिला। इसमें बताया गया कि समुदाय के बुजुर्ग मस्जिद में इकट्ठे हुए हैं। मैं वहां पहुंचा और उनसे करीब एक घंटे तक बात की। इसके बाद उनमें से हरेक हमारा समर्थन करने को तैयार था। उन्होंने बताया कि पिछले 20 साल से पंजशीर एक टूरिस्ट डेस्टिनेशन था। यहां पर हमारे पास न तो कोई मिलिट्री उपकरण थे और न ही हथियार। लेकिन मैंने वहां पर अहमद मसूद के साथ मिलकर युद्ध की रणनीति बनाई और अभी तक सब सही चल रहा है।

अंखड भारत संदेश के लिए स्वामी श्री योगी सत्यम क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान झूंसी, प्रयागराज 211019 से प्रकाशित एवं रामा प्रिंटिग प्रेस 53/25/1ए बेली रोड नया कटरा प्रयागराज से मुद्रित।

मुद्रक/प्रकाशक

स्वामी श्री योगी सत्यम पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी। इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों से संबंधित विवादों का न्याय क्षेत्र प्रयागराज होगा। आरएनआई नं.

UPHIN 2001/9025